शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 329 | गुवाहाटी | बुधवार, 28 जून, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

असम में परिसीमन प्रस्ताव के मसौदे के खिलाफ बंद से जनजीवन प्रभावित पेज 3
देश को मिली पांच और नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात पेज 4
प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी सहित देशभर के 10 लाख भाजपा कार्यकर्ताओं... पेज 5
राजस्थान सहित छह राज्यों की चाबी अपने हाथ में रखेगी जेजेपी पेज 8

समान नागरिक संहिता देश की जरूरत : पीएम मोदी

भोपाल/नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मुसलमानों से जुड़े मुद्दों- तीन तलाक, समान नागरिक संहिता और भेदभाव का सामना करने वाले पसमंदा मुसलमानों की स्थिति का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि वोट बैंक की राजनीति करने वाले नेताओं ने कभी मुसलमानों के हित की बात नहीं की। अगर वे उनके सच्चे हितैषी होते तो अधिकांश परिवारों में शिक्षा, रोजगार होता और उनका जीवन सुगम होता। भोपाल में आयोजित *मेरा बूथ, सबसे मजबूत* कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने एक बूथ कार्यकर्ता के सवाल के जवाब में समान नागरिक संहिता को लागू किए जाने की पुरजोर वकालत की। उन्होंने कहा कि परिवार में एक सदस्य के लिए अलग नियम और दूसरे के लिए दूसरा नियम नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता के नाम पर कुछ लोग मुसलमानों को भटकाने का काम कर रहे हैं। संविधान में ही समान अधिकारों की बात कही गई है। सुप्रीम कोर्ट भी बार बार समान नागरिक संहिता को लागू किए जाने के लिए सरकार से पूछ रहा है। एक देश की तरक्की के लिए सभी के लिए समान कानून जरूरी है। प्रधानमंत्री ने मुसलमानों में पिछड़े वर्ग का मुद्दा उठाया और कहा कि मुसलमानों की छोटी छोटी जातियां के पसमंदा मुसलमान वोट बैंक की राजनीति के चलते आज भी मुश्किल से जीवनयापन कर रही हैं। उनकी आवाज कोई सुनने को तैयार नहीं है। एक वर्ग ने इनका शोषण किया है। देश में इस मुद्दे पर कभी चर्चा नहीं होती। आज भी उन्हें बराबरी का हक नहीं है। उन्हें नीच और अछूत समझा जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तीन तलाक की कुप्रथा से केवल महिला ही नहीं उसके परिजन भी दुखी होते हैं। शादी के आठ-दस साल बाद तीन तलाक देने से पूरा परिवार तबाह हो जाता है। उन्होंने कहा कि तीन तलाक प्रथा का इस्लाम से कोई संबंध होता तो मुस्लिम बहुल देश इसे खत्म क्यों करते। मिस्र की 90 प्रतिशत से ज्यादा आबादी सुन्नी मुसलमान है और वा 90 साल पहले ही इसे समाप्त कर चुका है। पाकिस्तान से लेकर इंडोनेशिया जैसे अनेक मुस्लिम बहुत देशों में तीन तलाक की प्रथा पर रोक है। तब भारत की बहन-बेटियों को इस कुप्रथा के तले क्यों पिसने दिया जाए। मोदी ने कहा कि भाजपा मुस्लिम बहन-बेटियों के साथ खड़ी रहती हैं। कुछ लोग मुस्लमान बेटियों को तीन तलाक का फंदा लटकाकर अत्याचार करने की खुली छूट चाहते हैं। यही लोग तीन तलाक का समर्थन भी करतें हैं। भारत के मुस्लिम भाई-बहनों को समझना होगा कि उन्हें कौन भड़काकर फायदा उठाकर उन्हें बर्बाद कर रहा है। वे लोग इसे समझ भी रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे मुस्लिम महिलाओं के बीच जाएं हमें उनका भरपूर समर्थन मिलेगा।

सड़क दुर्घटनाओं की वृद्धि पर मुख्यमंत्री चिंतित

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को जनता भवन स्थित मुख्यमंत्री सभाकक्ष से वीडियो कांफ्रेंसिंग (वर्चुअली) के माध्यम से जिला उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक की। इस बैठक में परिवहन विभाग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना विकास निगम, लोक निर्माण (एनएच), लोक निर्माण (सड़क) विभाग के साथ राज्य में सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा की गई गई। मुख्यमंत्री ने पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष राज्य में सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मौतों की संख्या में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की और संबंधित विभागों को इन सड़क दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण करने के बाद आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। बैठक में राज्य में पहले से चिह्नित 132 दुर्घटना संभावित स्थानों (ब्लैकस्पॉट) पर यातायात के सुरक्षित आवागमन के लिए संबंधित विभागों के किए गए स्थायी समाधान की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों को जिलों में ब्लैकस्पॉट से संबंधित विभागों ने उठाए गए कदमों की निगरानी के बाद उचित कदम उठाने -शेष पृष्ठ दो पर

सबसे ज्यादा सड़कों में चीन पीछे, भारत दूसरा बड़ा देश : गडकरी

नई दिल्ली। भारत अब अमेरिका के बाद विश्व का दूसरा सबसे बड़ा रोड नेटवर्क वाला देश बन गया है। भारत ने विरोधी चीन को इस रिकॉर्ड में मात देते हुए उसका दूसरे नंबर का खिताब छीन लिया है। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि 2014 के बाद से भारत ने सबसे ज्यादा रोड नेटवर्क के मामले चीन को पीछे किया है और पिछले 9 सालों में देश में 1.45 लाख किलोमीटर सड़कें बनाई गई हैं। प्रेस कांफ्रेंस में गडकरी ने अपने मंत्रालय के पिछले 9 सालों में किए गए कामों -शेष पृष्ठ दो पर

डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नोस्टिक्स हेतु केंद्र से राज्य का समझौता

गुवाहाटी (हि.स.)। फोरेंसिक विज्ञान, स्वास्थ्य देखभाल और ईलाज के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से असम सरकार ने आज यहां जनता भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की उपस्थिति में सेंटर फॉर डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नोस्टिक्स (सीडीएफडी), हैदराबाद के साथ दो समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। असम सरकार की ओर से प्रधान गृह एवं -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

मणिपुर में काम नहीं वेतन नहीं : सरकार

इंफाल। हिंसा के बीच मणिपुर सरकार ने ऑफिस नहीं आने वाले कर्मचारियों के लिए *काम नहीं, वेतन नहीं* नियम लागू करने का निर्णय लिया है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) को उन कर्मचारियों के डिटेल पेश करने को कहा है जो राज्य में मौजूदा स्थिति के कारण अपने आधिकारिक काम पर उपस्थित नहीं हो पा रहे हैं। जीएडी सचिव माइकल एकॉम द्वारा 26 जून की रात जारी एक सर्कुलर में कहा गया कि 12 जून को -शेष पृष्ठ दो पर

बाढ़ : राज्य के 563 गांवों में 1.55 लाख से अधिक लोग प्रभावित

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में बाढ़ की स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है। अभी भी राज्य के 11 जिलों के 1 लाख 55 हजार 896 से अधिक नागरिक बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। राज्य में सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। बाढ़ के चलते कई नदियों के तटबंध टूट गए और सड़कों को भी नुकसान पहुंचा है। प्रशासन बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जरूरी कदम उठा रहा है। असम राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने सोमवार की देर शाम तक के बाढ़ प्रभावित जिलों के आंकड़े जारी किए हैं। बाढ़ प्रभावित 11 जिलों में बजाली, बाक्सा, बरपेटा, दरंग, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, कामरूप (ग्रामीण), लखीमपुर, नगांव, नलबाड़ी और तामुलपुर शामिल हैं। बाढ़ से 23 राजस्व सर्किल अंतर्गत 563 गांवों के 1 लाख 55 हजार 896 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से कुल 3801.63 हेक्टेयर फसल अभी भी प्रभावित है। बाढ़ प्रभावितों के लिए कुल 29 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं, जबकि 70 राहत वितरण केंद्र खोले गए हैं। राहत शिविरों में कुल 2 हजार 915 लोग आश्रय लिए हुए हैं। बाढ़ के चलते सोमवार को बरपेटा जिले में दो लोगों की मौत हो गई। बाढ़ से राज्य के कुल 1 लाख 67 हजार 86 पशु धन प्रभावित हुए हैं। इनमें बड़े पशुओं की कुल संख्या 81 हजार 712 और छोटे पशुओं की 59 हजार 503 है, जबकि 25 हजार 871 कुक्कुट भी प्रभावित हुए हैं। बाढ़ के चलते बजाली और तामुलपुर में कुल 20 पूरी तरह से कच्चा, एक पक्का मकान क्षतिग्रस्त हो गए और आंशिक रूप से 6 कच्चे और 4 पक्के मकानों को नुकसान हुआ है। साथ ही 11 झोपड़ी तथा 7 पशुओं के आश्रय -शेष पृष्ठ दो पर

डर से चुनाव प्रचार करने उतरी हैं मुख्यमंत्री : भाजपा

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव को केंद्र पर भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई ने मंगलवार को चुनावी घोषणा पत्र जारी किया है। कमल वार्ता के नाम से इस घोषणापत्र को जारी करते समय प्रदेश भाजपा की ओर से शीर्ष नेताओं के बीच एकजुटता के भी संकेत दिए गए। इसकी वजह है कि घोषणापत्र के मंच पर बीच में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार मौजूद थे जबकि उनकी बाईं ओर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मणिपुर में महिला एक्टिविस्ट जान-बूझकर रास्तों को अवरुद्ध कर रही हैं : सेना

इंफाल। सेना ने कहा कि हिंसा प्रभावित मणिपुर में महिला कार्यकर्ता जानबूझकर मार्गों को ब्लाक कर रही हैं और सुरक्षा बलों के अभियानों में हस्तक्षेप कर रही हैं। सेना ने लोगों से पूर्वोत्तर राज्य में शांति बहाल करने में मदद करने का आग्रह किया है। सेना का यह बयान इंफाल पूर्व के इथम गांव में सेना और महिलाओं के नेतृत्व वाली भीड़ के बीच गतिरोध के दो दिन बाद आया है, जिसके कारण सेना को वहां छिपे 12 आतंकवादियों को छोड़ना पड़ा। सेना की स्पीयर्स कोर ने महिलाओं के अनुचित हस्तक्षेप को सुरक्षा बलों की समय पर प्रतिक्रिया के लिए हानिकारक बताते हुए सोमवार देर रात ट्विटर पर ऐसी कुछ घटनाओं का एक वीडियो साझा किया है। स्पीयर्स कोर ने कहा कि मणिपुर में महिला कार्यकर्ता जानबूझकर मार्गों को अवरुद्ध कर रही हैं और सुरक्षा बलों के -शेष पृष्ठ दो पर

राज्यसभा की 10 सीटों पर 24 जुलाई को होंगे चुनाव

नई दिल्ली। गोवा, गुजरात और पश्चिम बंगाल की 10 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव तारीखों का एलान किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग के मुताबिक 10 राज्यसभा सीटों पर 24 जुलाई को चुनाव होंगे। सांसदों का कार्यकाल खत्म होने से जो सीटें खाली हो रही हैं उनमें गुजरात से विदेश मंत्री एस जयशंकर की सीट भी शामिल है। जयशंकर, दिनेशचंद्र जेमलभाई अनावाडिया और लोखंडवाला जुगलसिंह माथुर गुजरात से तीन -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में हथियार और विस्फोटक बरामद

कोहिमा। असम राइफल्स और कोहिमा पुलिस ने नगालैंड के कोहिमा शहर में एक संयुक्त विशेष अभियान में तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया और संघर्षग्रस्त मणिपुर की ओर जा रहे भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। मंगलवार को डिफेंस पीआरओ की एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। बरामद वस्तुओं में दो पिस्तौल और अन्य गोला-बारूद शामिल हैं। पीआरओ के बयान में कहा गया कि दो पिस्तौल, चार मैगजीन, गोला-बारूद, विस्फोटक और अन्य युद्ध जैसे सामान बरामद किए गए। पीआरओ के बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों को सूचना मिली थी कि बदमाश नगालैंड के रास्ते संघर्षग्रस्त मणिपुर में हथियारों की तस्करी करने का प्रयास कर रहे थे। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, 26 जून को सुबह 2 बजे असम राइफल्स और कोहिमा पुलिस द्वारा एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। बयान में आगे कहा गया कि असम राइफल्स ने एक यात्री वाहन को देखा और उसे -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

ढेकुली नीचे सिर झुकाकर ही कुंए से जल निकालती है अर्थात कपटी या पापी व्यक्ति सदैव मधुर वचन बोलकर अपना काम निकालते हैं।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

ममता हेलीकप्टार से उतरते समय चोटिल

सिलीगुड़ी। पंचायत चुनाव को लेकर दलीय उम्मीदवारों के समर्थन में चुनाव प्रचार करने को दो दिवसीय उत्तर बंगाल दौरे पर आई तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो व पश्चिम बंगाल राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने दौरे के दूसरे व अंतिम दिन मंगलवार को यहां अपने हेलीकाप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान चोटिल हो गईं। यहां से किसी तरह राजधानी कोलकाता लौटने के बाद वहां एसएसकेएम -शेष पृष्ठ दो पर

व्यतिक्रम का नशीले द्रव्यों और अवैध तस्करी के विरुद्ध जागरूकता अभियान

हम असम को नशा मुक्त बना सकते हैं : राज्यपाल

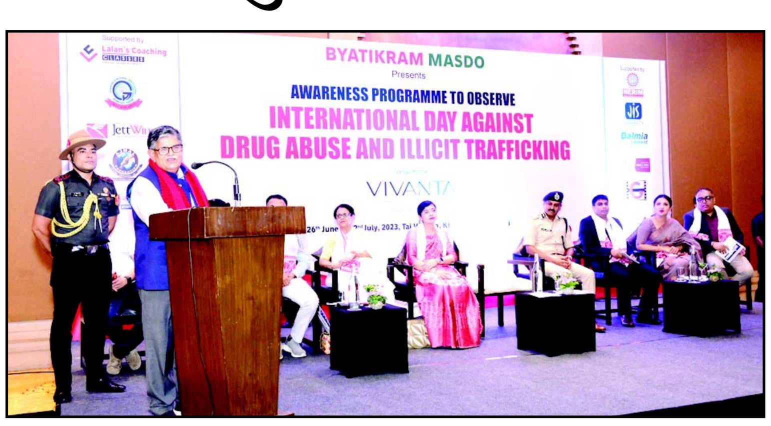

गुवाहाटी। व्यतिक्रम ने नशीली द्रव्यों के दुरुपयोग और उनकी तस्करी के लिए एक सात दिवसीय जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इसका आयोजन अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर आज एक स्थानीय होटल में किया गया। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि यदि हम एक नागरिक के रूप में नशीले द्रव्यों को रोकने की कोशिश में हिस्सा लेते हैं तो अपने असम को नशामुक्त बना सकते हैं। इस आयोजन में असम के पुलिस महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, आईपीएस, बहुचर्चित असमिया अभिनेत्री निशिता गोस्वामी, प्रो॰ डॉ. संगीता त्रिपाठी, शिक्षाविद और नेरिम समूह संस्थान की निदेशक, गुवाहाटी में बांग्लादेश के असिस्टेंट हाइकमिशनर रुहुल अमीन, जयश्री घोष, शिक्षाविद् और ज्ञान शैक्षणिक संस्थान की अध्यक्ष, विद्युत मजुमदार, जीएम-विजनेस डेवेलॉपमेंट, जेआईएस ग्रुप, ललन कुमार, संस्थापक-निदेशक, ललन्स कोचिंग क्लासेज, संजय आदित्य सिंह, जेटविंग्स ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्सन के सीईओ, अजमल फाउंडेशन के निदेशक खसरुल इस्लाम और अन्य जाने-माने अतिथियों ने भाग लिया। महामहिम राज्यपाल -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा सरकार के सभी घोटालों की होगी जांच : सिद्दारमैया

हसन (कर्नाटक)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार पिछली भाजपा सरकार के दौरान हुए सभी कथित घोटालों और अनियमितताओं की जांच कराएगी और दोषियों को दंडित करेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार सभी चुनावी वादों को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पांच गारंटियों के कार्यान्वयन से सरकारी खजाने पर प्रति वर्ष 59,000 करोड़ रुपए का खर्च आएगा, और इस वर्ष प्रशासन पर थोड़ा ज्यादा बोझ है। सिद्दारमैया ने कहा कि हम घोटालों की जांच कराएंगे। चार मेडिकल कॉलेजों का निर्माण -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बिजली गिरने से घर में लगी आग, छह घायल

शिलांग (हिंस)। मेघालय के रि-भोई जिले में आकाशीय बिजली गिरने से एक घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। घर में आग लगने से बच्चों व महिलाओं सहित छह सदस्य घायल हो गए। गंभीर रूप से झुलसे एक बच्चे को बेहोशी की हालत में शिलांग के नाज़रेथ अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। बताया गया कि इलाके में बीती रात से ही भारी बारिश हो रही थी। मंगलवार तड़के रि-भोई जिले के उम्सोलाइट गांव में क्रिस्टीना माइनसांग के घर पर बिजली गिर गई। उस वक्त घर के सभी लोग सो रहे थे। बिजली गिरने से क्रिस्टीना के घर में आग लग गई। आनन-फानन में सभी लोगों को घर से बाहर निकला गया, लेकिन छह लोग झुलस गए। मंगलवार सुबह छह घायल लोगों को शिलांग के नाज़रेथ अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, चार लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

राहत शिविरों में पीड़ितों को मिलेगी वित्तीय सहायता : सीएम

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य में जातीय दंगों के कारण राहत शिविरों में रहने वाले लोगों को 1000 की एकमुश्त सहायता प्रदान करेगी। यह वित्तीय सहायता इसलिए दी जाएगी ताकि कैदी कपड़े और निजी सामान खरीद सकें, सिंह ने इंफाल पूर्वी जिले के खुमान लैंपक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक राहत शिविर में कहा कि जहां 106 महिलाएं और बच्चे रह रहे हैं। पिछले महीने की शुरुआत में हिंसा शुरू होने के बाद से अब लगभग 50,000 लोग राज्य भर में 300 से अधिक राहत शिविरों में रह रहे हैं। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार ने राहत शिविरों में रहने वालों को 1000 देने का फैसला किया है। वित्तीय सहायता संबंधित जिला अधिकारियों के माध्यम से दी जाएगी। विस्थापित लोगों के एक वर्ग को दिन के दौरान सहायता मिली। सिंह ने इंफाल पश्चिम जिले में एक राहत शिविर लाम्फेलपत का भी दौरा किया और कैदियों से बातचीत की। उन्होंने बाद में ट्विट किया राज्य सरकार प्रभावित लोगों की सहायता और पीड़ितों को बुनियादी जरूरतें उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। विस्थापित व्यक्तियों को राहत और पुनर्वास प्रदान करने के लिए चल रहे उपायों के एक हिस्से के रूप में विस्तारित वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। सिंह ने कहा कि केंद्र चौबीसों घंटे राज्य की स्थिति पर नजर रख रहा है और राज्य मशीनरी सभी को सहायता प्रदान करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि लगभग 40,000 सुरक्षाकर्मियों को उन संवेदनशील इलाकों में तैनात किया गया है जहां आतंकवादियों के हमले की संभावना है।

मालीगांव में आग से पांच दुकानें राख

गुवाहाटी (हिंस)। असम की राजधानी गुवाहाटी के मालीगांव के गौशाला बाजार में सोमवार आधीरात बाद करीब एक बजे लगी भयावह आग में पांच से अधिक दुकानें जलकर राख हो गईं। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के मुताबिक सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंचीं। दो घंटे से अधिक की मशक्कत के बाद आग बुझाई जा सकी। आग किस वजह से लगी, यह साफ नहीं हो सका है। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मिजोरम में 1.33 करोड़ की हेरोइन बरामद, दो म्यांनमारी गिरफ्तार

एजल (हिंस)। मिजोरम में असम राइफल्स, एक्साइज और एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड टीमों ने संयुक्त रूप से एजल शहर से सटे इलाके में छापेमारी कर 1.33 करोड़ रुपए से अधिक की हेरोइन बरामद की है। यहां से म्यांमार के दो नागरिकों को गिरफ्तार भी किया गया है। असम राइफल्स के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर असम राइफल्स, एक्साइज और एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड की एक संयुक्त टीम ने सोमवार की शाम को एजल शहर से सटे इलाके में छापेमारी की। इस दौरान ड्रग्स की तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों लोग म्यांमार के नागरिक हैं। उनके कब्जे से 15 साबुनदानी में 191 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। बरामद हेरोइन की अनुमानित कीमत 1 करोड़, 33 लाख 70 हजार रुपए आंकी गई है।

कृषि विकास और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए समझौता

गुवाहाटी। असम सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय, असम रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर एंड एग्रीकल्चरल सर्विसेज (एआरआईएएस) सोसाइटी ने कैस्पियन इंपैक्ट इन्वेस्टमेंट एडवाइजर प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। लिमिटेड (कैस्पियन इक्विटी), एक उद्यम पूंजी संस्थान जो सामाजिक प्रभाव वाले उद्यमों में निवेश करता है। यह सहयोग असम राज्य में ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। साझेदारी के तहत, एआरआईएएस एक अंशदायी और दृढ़ निवेश ट्रस्ट–असम एग्रीबिजनेस इन्वेस्टमेंट फंड (एएआईएफ) की स्थापना और कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी होगी। एआरआईएएस को एएआईएफ के लिए एंकर निवेशक के रूप में नामित किया गया है, जिसे कैस्पियन इक्विटी द्वारा फंड मैनेजर के रूप में प्रबंधित किया जाएगा। असम कृषि व्यवसाय और ग्रामीण परिवर्तन परियोजना (एपीएआरटी) के माध्यम से विश्व बैंक से एंकर फंडिंग के साथ, एएआईएफ भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ पंजीकृत श्रेणी दो वैकल्पिक निवेश कोष के रूप में काम करेगा।

अगरतला व सिलचर के बीच चलेगी विस्टाडोम कोच के साथ विशेष ट्रेन

गुवाहाटी (हिंस)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने अगरतला और सिलचर के बीच विस्टाडोम कोच के साथ ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन 29 जून से 21 सितंबर तक प्रत्येक गुरुवार और शनिवार को दोनों दिशाओं में पच्चीस ट्रिप के लिए चलेगी। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने मंगलवार को बताया है कि ट्रेन सं. 05695 (अगरतला–सिलचर) स्पेशल अगरतला से 06.00 बजे रवाना होगी और 11.30 बजे सिलचर पहुंचेगी। वापसी की दिशा में ट्रेन सं. 05696 (सिलचर–अगरतला) स्पेशल सिलचर से 16.35 बजे रवाना होगी और 22.05 बजे अगरतला पहुंचेगी।

देश, धर्म और पर्यावरण की रक्षा का लिया संकल्प

लखनऊ। आज लखनऊ के प्राचीन लेटे हुए हनुमान जी मंदिर एवं गो फॉर गोमती संस्था के संयुक्त तत्वाधान में मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं आध्यात्मिक चिंतक डॉ. विवेक तांगडी की अगुवाई में आदि गंगा मां गोमती के स्वच्छता अभियान का प्रारंभ हुआ। इस अभियान के तहत आज प्राचीन लेटे हुए हनुमानजी मंदिर पंचवटी घाट पर देश, धर्म तथा पर्यावरण की रक्षा के सत संकल्प संग संकल्प वाटिका की भी स्थापना की गई। डॉ. तांगडी ने बताया कि समाज तब तक सभ्य और सुसंस्कृत नहीं हो सकता है जब तक हम पर्यावरण और स्वच्छता के प्रति जागरूक नहीं होंगे। मंदिर परिसर में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण भी किया गया जिसमें सनातन धर्म के मूल आधार भगवान ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश के स्वरूप क्रमशः बरगद, पाकड़ और पीपल के पौधों का एक साथ रोपण किया गया जिसे (हरशंकरी) भी कहते हैं। इसी नाम से संकल्प वाटिका की स्थापना भी की गई। अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक पर्यावरण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर लखनऊ स्थित मध्य क्षेत्र सीआरपीएफ में पदस्थापित

डीआईजी सुनील कुमार उपस्थित थे। भारी संख्या में युवाओं द्वारा इस अभियान को समर्थन मिल रहा है तथा प्रत्येक रविवार को पंचवटी घाट प्राचीन श्री लेटे हुए हनुमान जी मंदिर पर घाट एवम् नदी की साफ–सफाई का कार्यक्रम विगत 9 सप्ताह से जारी है। इस अवसर पर अभियान के विशेष सहयोगी भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अभिषेक खरे, भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के अभिषेक तथा मंदिर ट्रस्ट के रिद्धि किशोर गौड़, आशीष अग्रवाल, आलोक कुशवाहा गो फॉर गोमती से आर जे प्रतीक, यशराज टंडन, सौरभ सुमन्यु एवं मोहन मार्केट अमीनाबाद के अध्यक्ष मनविंदर पाल सिंह समेत अन्य गणमान्य युवा साथी उपस्थित रहे। इस अभियान में अखिल विश्व गायत्री परिवार के 18 सतसंकल्पों के साथ सभी को राष्ट्र जागरण एवं संस्कार जागरण हेतु शपथ भी दिलाई गई। अभियान में पधारे मुख्य अतिथि डीआईजी सुनील कुमार ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र की सेवा सबसे बड़ी सेवा है और यह सेवा सीमाओं पर रहकर भी हो सकती है, देश में स्वच्छता अभियान को गति देकर अपने आस–पास स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ–साथ साफ सफाई स्थापित करके, सामाजिक समरसता कायम रख कर, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों की मदद करके, प्राकृतिक संपदा का संरक्षण, शिक्षा के प्रचार प्रसार एवं रक्त दान आदि के द्वारा भी किया जा सकता है। अभिषेक खरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसी संकल्प वाटिका की स्थापना शहर के अन्य कई स्थानों पर भी की जाएगी और लोगों को राष्ट्रधर्म और पर्यावरण जागरुकता का संदेश देकर संकल्प कराया जाएगा ।

PRESS NOTICE

The Superintending Engineer, P.W.D, Guwahati Building Circle-II, Chandmari, Guwahati-3 on behalf of the Governor of Assam invites bids for the following works having experience of similar nature of work from APWD registered contractors. Details of the bids may be seen at e-procurement portal website : www.assamtenders.gov.in and also in the office of the undersigned during office hours. The bidders must be enrolled in www.assamtenders.gov.in for participating In the bidding process.

Name of work	Approx. Value of Work (Rs)	Category of APWD (B) registered contractor
"Construction of Chromo Studio" for shooting purpose at premises of Jyoti Chitraban, Kahilipara, Guwahati-19	83,77,519/-	Class-I (A/B/C)/ Class-II (within this Circle)

Note: -
1. Any modification of tender may be seen in the portal www.assamtenders.gov.in.
2. **The prospective bidder must visit the work site before submission of tender. The bidders have to submit evidence of site visit in the form of a certificate duly certified by the concerned Executive Engineer, PWD or Self Undertaking with geo-tagged photographs.**

Sd/-
Superintending Engineer, P.W.D.
Guwahati Building Circle-II

-- Janasanyog /C/5153/23

पृष्ठ एक का शेष

सड़क दुर्घटनाओं की...

के निर्देश दिए। उन्होंने साथ ही शराब पकर वाहन चलाने, बिना हेलमेट के वाहन चलाने वालों, गलत दिशा में वाहन चलाने वालों के खिलाफ संबंधित विभागों से मोटर वाहन अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई करने और ऐसे व्यक्तियों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने परिवहन और पुलिस विभागों को ग्रामीण क्षेत्रों में हेलमेट पहनना अनिवार्य करने के लिए सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि श्रीरामपुर गेट के माध्यम से राज्य के बाहर से प्रवेश करने वाले प्रत्येक वाहन, साथ ही 1 सितंबर तक राज्य के हर वाहन के पीछे की ओर एक रिफ्लेक्टर लगाना अनिवार्य करने को कहा। मुख्यमंत्री ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को ग्रामीण सड़कों को जोड़ने वाली सड़क पर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए स्पीड ब्रेकर स्थापित करने और मौके पर पद चिह्न बनाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग से कहा कि सड़क सुरक्षा के बारे में लोगों, विशेषकर युवाओं में जागरुकता पैदा करने के लिए कॉलेजों में नुक्कड़ नाटक आयोजित करें और सड़क सुरक्षा के संबंधी छोटे–छोटे वीडियो तैयार करें और उन्हें सोशल मीडिया पर प्रसारित करें। उन्होंने मुख्य सचिव को यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान करने का भी निर्देश दिया कि ये वीडियो हर सरकारी समारोह की शुरुआत से पहले प्रदर्शित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने सड़क निर्माण परियोजना शुरू करते समय सड़क सुरक्षा के पहलू को ध्यान में रखते हुए सड़क डिजाइन तैयार करने और इस संबंध में इंजीनियरों के साथ कार्यशालाएं आयोजित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने परिवहन और पुलिस विभागों को हर महीने मीडिया के माध्यम से दुर्घटनाओं के आंकड़ों को उजागर करने का भी निर्देश दिया, ताकि लोग सड़क दुर्घटनाओं की भयावहता को महसूस कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर तीन महीने में परिवहन मंत्री और पुलिस महानिदेशक संबंधित विभागों के साथ मुद्दों की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि श्रमिक निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा उपाय करें। आज की बैठक में परिवहन मंत्री परिमल शुक्लबैद्य, मुख्य सचिव पवन कुमार बोरठाकुर, पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव समीर कुमार सिन्हा और पुलिस विभाग, परिवहन विभाग और लोक निर्माण विभाग के शीर्ष अधिकारी उपस्थित थे।

सबसे ज्यादा सड़कों ...

को गिनाया। उन्होंने कहा कि पिछले 9 सालों में भारत ने कई ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे भारत के सड़कों में जोड़े हैं। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) जल्द ही दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेस वे पूरा करने वाली है। यह भारत का सबसे लंबा एक्सप्रेस वे होगा। गडकरी ने बताया कि 9 साल पहले भारत में 91.287 किलोमीटर लंबी सड़कें बनी हुई थीं। गडकरी के कार्यकाल में एनएचएआई कई नई सड़के बनाने के प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है। जिसमें नेशनल हाईवे और एक्सप्रेस वे शामिल हैं। अप्रैल 2019 से अब तक एनएचएआई ने 30 हजार किलोमीटर से ज्यादा सड़कों का पूरे भारत में निर्माण किया है। इसमें कई एक्सप्रेसवे जिनमें से एक दिल्ली को मेरठ से जोड़ता है, और यूपी में लखनऊ को गाजीपुर से जोड़ता है, शामिल हैं। गडकरी एनएचएआई के कंट्रीब्यूशन को भी सराहा है, उनके कार्यकाल के दौरान एनएचएआई ने 7 वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। इस साल मई के महीने में एनएचएआई ने 100 घंटों में 100 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेस वे का काम पूरा किया था। यह लैंडमार्क गाजियाबाद–अलीगढ़ एक्सप्रेस पर अचीव किया गया था। वहीं पिछले साल अगस्त में एनएचएआई ने एनएच53एन पर 105 घंटे 33 मिनट में 75 किलोमीटर लंबा सिंगल बिटुमिनस कॉन्क्रीट रोड बनाया था। यह रिकॉर्ड गिनीज वर्ल्ड रकॉर्ड में दर्ज है। यह नेशनल हाईवे अमरावती से अकोला तक बनाया जा रहा है। गडकरी ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान इस बात पर भी जोर दिया है कि मंत्रालय ने टोल प्लाजा के जरिए रिवेन्यू भी बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि टोल से जनरेट होने वाला रिवेन्यू अब 2,41,342 करोड़ हो गया है जो कि पहल सिर्फ 4,770 करोड़ रुपए था। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्रालयव अब 21.30 लाख करोड़ टोल रिवेन्यू बढ़ाने की ओर काम कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे फास्टैग्स की मदद से टोल प्लाजा पर लगने वाली लंबी लाइनों को कम किया गया है। उन्होंने बताया कि अब गाड़ियों का टोल प्लाजा पर एवरेज टाइम महज 47 सेकंड रह गया है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय इस समय को 30 सेकंड से भी कम करने में लगा हुआ है।

डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड ...

राजनीतिक सचिव नीरज वर्मा और सीडीएफडी की ओर से डॉ. के. थंगराज ने फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह व्यवस्था राज्य में आपराधिक मामलों में न्याय वितरण प्रणाली के लिए प्रौद्योगिकी के रूप में भी काम करेगी। शर्मा ने यह भी कहा कि स्वास्थ्य देखभाल और निदान में यह समझौता मदद करेगा, जिसमें असम सरकार और सीडीएफडी दोनों के संकाय आपसी हितों के आधार पर परियोजनाओं पर सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह समझौता पीएचडी छात्रों के लिए बेहद मददगार होगा, क्योंकि असम के विद्वानों को सीडीएफडी के संकाय सदस्यों द्वारा सह–पर्यवेक्षण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि असम सरकार और सीडीएफडी दोनों वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशिक्षण में संलग्न होने के लिए अपने संबंधित संकाय और छात्रों को यात्रा की सुविधा प्रदान करेंगे। डॉ. शर्मा ने कहा कि इन समझौतों से असम सरकार और सेंटर फॉर डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नोस्टिक्स के बीच अधिक सहयोग के लिए व्यवस्था करनी चाहिए। क्योंकि, उन्होंने सीडीएफडी से असम में एक केंद्र स्थापित करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री का मानना है कि केंद्र सभी पूर्वोत्तर राज्यों की जरूरतों को पूरा करने के अलावा बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और म्यांमार सहित दक्षिण पूर्व एशिया के देशों की जरूरतों को पूरा करेगा। इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री केशव महंत, मुख्य सचिव पवन कुमार बरठाकुर, डीजीपी जीपी सिंह, कुलपति श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय डॉ. ध्रुब ज्योति बोरा, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और कई अन्य लोग उपस्थित थे।

मणिपुर में काम ...

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक और कार्यवाही के पैरा 5–(12) में लिए गए निर्णय के अनुसार, सभी कर्मचारी सामान्य प्रशासन विभाग से अपना वेतन प्राप्त कर रहे हैं। मणिपुर सचिवालय को सूचित किया जाता है कि उन सभी कर्मचारियों पर नो वर्क, नो पे लागू किया जा सकता है जो अधिकृत अवकाश के बिना अपनी आधिकारिक ड्यूटी पर नहीं आते हैं। बता दें, मणिपुर सरकार में एक लाख कर्मचारी हैं। सर्कुलर में सभी प्रशासनिक सचिवों से उन कर्मचारियों की डिटेल पेश करने को कहा गया है जो राज्य में मौजूदा स्थिति के कारण अपनी आधिकारिक ड्यूटी पर उपस्थित नहीं हो सके। डिटेल में कर्मचारियों का पदनाम, नाम, ईआईएन, वर्तमान पता सामान्य प्रशासन विभाग और कार्मिक विभाग को सौंपा जाएगा। सभी पर 28 जून तक उचित आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पूर्वोत्तर राज्य में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में अब तक 100 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। मेइतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* आयोजित किए जाने के बाद 3 मई को पहली बार झड़पें हुई। मणिपुर की आबादी में मेइतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। आदिवासी–नगा और कुकी–आबादी का 40 प्रतिशत हिस्सा हैं और पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

बाढ़ : राज्य के 563...

भी तबाह हुए हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में 10 मेडिकल टीमें अपनी सेवाएं बाढ़ प्रभावित इलाकों में दे रही हैं। बाढ़ प्रभावितों के बीच खाद्य सामग्रियों का वितरण किया गया। इनमें 267.17 क्विंटल चावल, 47.64 क्विंटल दाल, 12.20 क्विंटल नमक, 1218.75 लीटर सरसों का तेल, पशुओं के लिए गेहूं का चोकर 3384.74 क्विंटल और चावल की भूसी 75.50 क्विंटल शामिल हैं। राज्य सरकार की ओर से बाढ़ प्रभावित इलाकों में सभी तरह के आवश्यक कदम उठाए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

डर से चुनाव ...

घोष और दाहिनी ओर नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी मौजूद थे। हाल के दौर में कई बार ऐसा हुआ है कि मॉर्निंग वॉक के समय दिलीप घोष ने शुभेंदु पर और शुभेंदु ने पत्रकार वार्ता के समय इशारे–इशारे में दिलीप घोष पर हमला बोला था, लेकिन घोषणा पत्र जारी करते समय तीनों नेताओं ने एक सुर में भ्रष्टाचार मुक्त पंचायत गठन का आश्वासन दिया और राज्य प्रशासन पर भी हमला बोला। पंचायत चुनाव को लेकर भाजपा ने मुख्य रूप से नौ बिंदुओं पर काम करने की घोषणा की है। इनमें से भ्रष्टाचार मुक्त पंचायत का गठन, किसानों का विकास सुनिश्चित करना, असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए विकास सुनिश्चित करना मुख्य रूप से शामिल है। इसके अलावा स्वास्थ्य, महिला कल्याण और नई पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित करने का वादा किया गया है। इसके साथ ही ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर, सुशासन और सबसे बढ़कर राज्य में कानून व्यवस्था की बेहतरी की बात घोषणा पत्र में कही गई है। शुभेंदु अधिकारी ने इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए राज्य प्रशासन और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि राज्य चुनाव आयोग और पुलिस प्रशासन सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के एक अंग के तौर पर काम कर रहे हैं। राज्य में विपक्ष के अधिकारों का हनन हो रहा है हर जगह हमले हिंसा की घटनाएं रोज हो रही हैं। पुलिस प्रशासन कार्रवाई के बजाय मददगार बना हुआ है। उन्होंने राज्य में केंद्रीय बलों की तैनाती के बावजूद उन्हें कहां–कहां ड्यूटी देनी है, इस बारे में राज्य प्रशासन की ओर से ठोस योजना नहीं होने को लेकर सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि हकीकत यह है कि माननीय हाईकोर्ट के आदेश पर राज्य चुनाव आयोग केंद्रीय बलों को बुलाने के लिए तो बाध्य हुआ, लेकिन वह किसी भी तरह से पंचायत चुनाव में छप्पा वोटिंग और हिंसा के लिए रास्ता खुला रखना चाहते हैं। इसलिए केंद्रीय बलों को गुमराह किया जा रहा। दिलीप घोष ने कहा कि ममता बनर्जी के शासन में ना केवल पंचायत बल्कि पूरे राज्य में हर मुद्दे पर भ्रष्टाचार व्याप्त है। अगर भाजपा को राज्य की जनता पंचायत में मौका देती है तो निश्चित तौर पर उन्हें भ्रष्टाचार मुक्त सेवाएं उपलब्ध होंगी। सुकांत मजूमदार ने कहा कि बंगाल के लोग यह बात भली–भांति समझते हैं कि राज्य में भ्रष्टाचार में लिप्त ममता बनर्जी की सरकार को उखाड़ फेंकने का एकमात्र विकल्प भाजपा है। इसलिए निश्चित तौर पर इस बार पंचायत चुनाव में ममता को जनता सबक सिखाएगी।

मणिपुर में महिला एक्टिविस्ट...

ऑपरेशन में हस्तक्षेप कर रही हैं, जो जीवन और संपत्ति को बचाने के लिए गंभीर परिस्थितियों के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा समय पर प्रतिक्रिया के लिए हानिकारक है। स्पीयर्स कोर ने कहा कि भारतीय सेना आबादी के सभी वर्गों से शांति बहाल करने के प्रयासों का समर्थन करने की अपील करती है। मणिपुर की मदद करने में हमारी सहायता करें। सेना ने बताया कि 2015 में 6 डोगरा यूनिट पर घात लगाकर किए गए हमले सहित कई हमलों में शामिल मैती उग्रवादी समूह कांगलेई यावोल कन्ना लुप (केवाईकेएल) के 12 सदस्य गांव में छिपे हुए थे, लेकिन भीड़ ने उन्हें ले जाने से रोक दिया। बाद में, सुरक्षाकर्मी जब्त हथियार और गोला–बारूद लेकर चले गए। पूर्वोत्तर राज्य में मैती और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में अब तक 100 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। मैती समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* आयोजित किए जाने के बाद तीन मई को पहली बार झड़पें हुईं। मणिपुर की आबादी में मैती लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। आदिवासी नगा और कुकी आबादी का 40 प्रतिशत हिस्सा हैं और पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

राज्यसभा की 10...

भाजपा सांसद हैं जिनका कार्यकाल 18 अगस्त को समाप्त हो रहा है। गोवा की एक सीट पर भी चुनाव होगा क्योंकि भाजपा सांसद विनय डी. तेंदुलकर का कार्यकाल 28 जुलाई को समाप्त हो रहा है। पश्चिम बंगाल की छह सीटों पर चुनाव होगा। तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रायन, डोला सेन, सुष्मिता देव, शांता छेत्री और सुखेंदु शेखर रॉय और कांग्रेस सांसद प्रदीप भट्टाचार्य का कार्यकाल 18 अगस्त को समाप्त हो रहा है।

मणिपुर में हथियार ...

निगरानी में रखा। सुबह 6 बजे टीमों ने संयुक्त रूप से वाहन की तलाशी ली। मणिपुर पुलिस के एक बयान में सोमवार को कहा गया कि अब तक कुल 1100 हथियार, 13,702 गोला–बारूद और विभिन्न प्रकार के 250 बम बरामद किए गए हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों में फ्लैग मार्च, क्षेत्र प्रभुत्व, घेराबंदी और तलाशी अभियान जारी है। मणिपुर 52 दिनों से अधिक समय से जातीय हिंसा की चपेट में है। अधिकारियों के मुताबिक, अब तक 100 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। भाजपा शासित राज्य में शांति बहाल करने के लिए कदम उठाने के लिए रविवार को गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक सर्वदलीय बैठक हुई। मेइती को अनुसूचित जनजाति (एसटी) की सूची में शामिल करने की मांग के विरोध में ऑल ट्राइबल्स स्टूडेंट्स यूनियन (एटीएसयू) द्वारा आयोजित एक रैली के दौरान झड़प के बाद 3 मई को मणिपुर में हिंसा भड़क उठी। मणिपुर पुलिस और केंद्रीय बलों ने राज्य के संवेदनशील इलाकों में गश्त, फ्लैग मार्च और घेराबंदी, तलाशी अभियान चलाया है।

हम असम को नशा...

कटारिया ने अपने भाषण में सर्वप्रथम डॉ. भरतिया और व्यतिक्रम की पूरी टीम को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि नशीली द्रव्य गंभीर सामाजिक समस्याओं में से एक बन गया है। यह एक चुनौती है, जिसका प्रभावी ढंग से हल करने के लिए हमें सामूहिक शक्ति, दृढ़ संकल्प और अटूट प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। व्यतिक्रम मासडो के अध्यक्ष डॉ. सौमेन भरतिया ने कहा कि हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहां अवैध नशीले द्रव्य की उपलब्धता और खपत खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। हम इससे निपटने के लिए शिक्षा, जागरूकता और सामूहिक कार्रवाई की शक्ति में विश्वास करते हैं। अगर हम सभी सक्रिय रूप से एक साथ प्रयास करते हैं तो हम असम को एक नशा मुक्त राज्य बना सकते हैं। अभिनेत्री निशिता गोस्वामी ने नशीले द्रव्यों के इस्तेमाल और उनकी अवैध तस्करी को एक गंभीर मुद्दा बताते हुए आगे कहा है कि समय आ गया है कि हम एक जुट हों और इस बढ़ते संकट के विरुद्ध कड़ा कदम उठाएं। डॉ. संगीता त्रिपाठी ने कहा कि सामूहिक प्रयास से तस्करी पर रोक लग सकती है और नशीले पदार्थों से मुक्ति मिल सकती है। हमें नशा मुक्त समाज बनाना है। नेरिम के विद्यार्थियों ने नशे की लत और उसकी रोकथाम पर एक नाटक और एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने भाग लिया। याद रहे व्यतिक्रम मासडो ने बीते वर्ष गवर्नर हाउस से शुरू कर 60 दिनों का एक नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया था।

भाजपा सरकार के ...

किया गया और इसमें अनियमितता के आरोप हैं, हम इसकी जांच कराएंगे। साथ ही हम 40 प्रतिशत कमीशन के आरोपों की भी जांच कराएंगे। कोविड के दौरान स्वास्थ्य संबंधी खरीद में अनियमितताएं हुई थीं। सिंचाई परियोजनाओं से संबंधित अनियमितताएं और बिटकॉइन घोटाला समेत सभी घोटालों की जांच की जाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सीआईडी द्वारा पुलिस सब इंस्पेक्टर (पीएसआई) भर्ती घोटाले की जांच चल रही है, इसे और तेज किया जाएगा और दोषियों को सजा दी जाएगी। सीएम ने आगे कहा कि चामराजनगर अस्पताल में कथित तौर पर ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई कोविड रोगियों की मौत की भी जांच की जाएगी, उन्होंने कहा कि तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर ने दावा किया कि केवल दो लोगों की मौत हुई थी, लेकिन ऑक्सीजन की कमी के कारण कई लोग हताहत हुए थे। उन्होंने झूठ बोला था। हम इसकी जांच करेंगे।

ममता हेलीकप्टार से ...

अस्पताल में उन्होंने अपना उपचार कराया। उनके पांव व कमर में चोट पहुंची है। एक अधिकारी ने बताया कि राजधानी कोलकाता लौटने के लिए बागडोगरा एयरपोर्ट से अपनी चार्टर्ड फ्लाइट पकड़ने को मुख्यमंत्री ने जलपाईगुड़ी जिला के माल महकमा के क्रांति में चुनावी जनसभा को संबोधित करने के बाद हेलीकाप्टर से बागडोगरा एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरी लेकिन बादलों व बारिश भरे प्रतिकूल मौसम के चलते उनके हेलीकाप्टर की लैंडिंग बागडोगरा एयरपोर्ट पर नहीं हो पाई। आसमान में ही उनका हेलीकाप्टर चक्कर काटता रहा। अंततः सिलीगुड़ी के सालुगाड़ा के निकट सेवक मिलिट्री स्टेशन के एयरबेस पर उनके हेलीकाप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। उस दौरान जल्दबाजी में उतरने के क्रम में मुख्यमंत्री के पांव व कमर में चोट पहुंची। उन्हें चोट पहुंचने की सूचना पा कर, यहां दार्जिलिंग राजभवन में ठहरे पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस ने मुख्यमंत्री को फोन कर उनका हालचाल भी लिया। इस दिन सेवक मिलिट्री स्टेशन के एयरबेस पर हेलीकाप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग के बाद चोटिल मुख्यमंत्री कार द्वारा सड़क मार्ग से बागडोगरा एयरपोर्ट गईं।

स्वर्वेद भाष्य

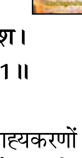

चतुर्थ मंडल   **चतुर्दश अध्याय**

(आध्यात्मिक वंदना)

बाहर देखो जगत को, फिर भी साथ प्रकाश।
अन्तर चेतन दृश्य है, तु तु तु भय भास॥ 21॥

शब्दार्थ : (अन्तर) भीतर (दृश्य) देखने योग्य, सौंदर्य।

भाष्य : आत्मा की चेतनशक्ति से संबंध होने पर ही बाह्यकरणों द्वारा प्रकृति का व्यवहार होता है इसलिए बाहर जगत को देखने पर भी चेतन प्रकाश साथ रहता है इसलिए योगियों की दृष्टि संसारी जीवों के लिए कल्याण की हेतु होती है। बाहर भी प्रकाशसाथ है और अंतर चेतन दृश्य है। इस प्रकार सर्वत्र पूर्ण ब्रह्म का प्रकाश अनुभव होता है।

अद्भुत लीला आप की, अकथ कथा तब नाथ।
अन्तर शब्द समुद्र है, बाहर जग के साथ॥ 22॥

शब्दार्थ : (अद्भुत लीला) आश्चर्यमय खेल (अकथ) न कहने योग्य (कथा) ज्ञान, वृत्तांत।

भाष्य : हे नाथ! आपकी ज्ञान–कथा अकथनीय है एवं आपकी आश्चर्यमयी लीला है। अंतर शब्द का सागर है और बाहर संसार का संबंध है। योगी अंतर के शब्दानंद में निमग्न हो कर बाहर संसार का भी कार्य करता है।

असम में परिसीमन प्रस्ताव के मसौदे के खिलाफ बंद से जनजीवन प्रभावित

300 से अधिक प्रदर्शनकारी हिरासत में

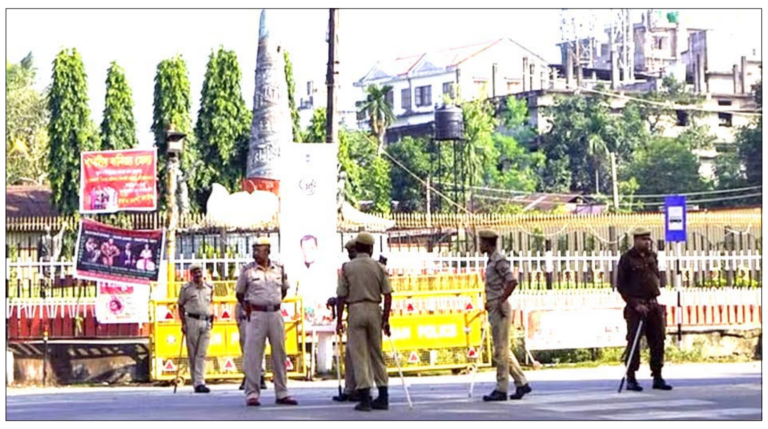

गुवाहाटी। असम में परिसीमन प्रस्तावों के मसौदे के विरोध में राजनीतिक दलों ने 12 घंटे के बंद का आह्वान किया था। इस दौरान, मंगलवार को बराक घाटी के तीन जिलों में 300 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। बंद का आह्वान पहले बराक डेमोक्रेटिक फ्रंट (बीडीएफ) ने किया था। बाद में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और एआईयूडीएफ ने भी इसका समर्थन किया। असम की बराक घाटी में बंद सुबह पांच बजे शुरू हुआ। इस दौरान घाटी के कछार, करीमगंज और हैलाकांडी जिलों में दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। हालांकि, सरकारी कार्यालय इस दौरान खुले रहे, लेकिन इनमें लोगों की उपस्थिति बहुत कम दर्ज की गई। इसके अलावा, इन तीनों जिलों में वाहनों की आवाजाही काफी कम देखी गई। अगर घर से कोई बाहर निकल भी रहा था, तो प्रदर्शनकारी उनसे घर वापस लौटने का आग्रह कर रहे थे। पुलिस ने करीमगंज (उत्तर) से कांग्रेस विधायक कमलाख्या दे पुरुकायस्थ और पार्टी के कछार जिला अध्यक्ष अभिजीत पॉल सहित 300 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। कछार के पुलिस अधीक्षक नुमल महत्ता ने बताया कि सभी दलों के प्रदर्शनकारियों को हिरासत में इसलिए लिया गया है क्योंकि वे लोगों को काम पर जाने से रोक रहे थे। उन्होंने कहा कि ये एहतियाती गिरफ्तारियां हैं। हम आम लोगों की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं। चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित परिसीमन प्रस्ताव के मसौदे के अनुसार, तीन जिलों में विधानसभा सीटों की संख्या मौजूदा 15 से कम होकर 13 हो जाएगी। कुछ निर्वाचन क्षेत्रों के नामों में बदलाव का भी प्रस्ताव है। सत्तारूढ़ भाजपा सहित कई राजनीतिक नेताओं ने मसौदा प्रस्तावों पर अपना असंतोष व्यक्त किया है। ढोलाई विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले परिवहन मंत्री परिमल शुक्लाबैद्य ने कहा कि लोग क्षेत्र का नाम ढोलाई से बदलकर नरसिंगपुर करने के प्रस्ताव से नाखुश हैं। वहीं, कांग्रेस विधायक कमलाख्या दे पुरुकायस्थ ने कहा कि परिसीमन मसौदा बराक घाटी के लोगों और एक विशेष समुदाय के खिलाफ साजिश है। 20 जून को जारी परिसीमन के मसौदे में, चुनाव निकाय ने असम में विधानसभा सीटों की संख्या 126 और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या 14 बरकरार रखने का प्रस्ताव दिया है। आयोग ने विधानसभा और लोकसभा दोनों के अधिकांश निर्वाचन क्षेत्रों की भौगोलिक सीमाओं को बदलने की भी योजना बनाई है, जबकि कुछ सीटें खत्म कर दी जाएंगी और कुछ नई सीटें बनाई जाएंगी।

न्यायिक कर्मचारियों की हड़ताल से कामकाज ठप

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य भर में आज न्यायिक कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे हड़ताल की वजह से राज्य के न्यायालयों में आज कामकाज बाधित रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यायिक कर्मचारी संघ के आह्वान पर कर्मचारियों ने आज राज्यभर में कामकाज बंद रखा। राज्य के विभिन्न न्यायिक अदालतों के कर्मचारी इस हड़ताल में शामिल होने के लिए अदालतों के सामने खड़े देखे गए। शेट्टी आयोग की सिफारिशों को लागू करने, उच्चतम् न्यायालय के डब्ल्यूपी (सी) 1022/89 मामले में अक्टूबर, 2009 की सुप्रीम कोर्ट की सिफारिशों को लागू करने समेत कुल आठ मांगें कर्मचारियों द्वारा रखी गई हैं। साथ ही जिला स्तरीय न्यायिक कर्मचारियों के वेतन हेतु 2017 की शिफारिशें लागू नहीं किए जाने आदि के विरोध में एक दिन का काम रोको हड़ताल न्यायिक कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। इस हड़ताल की वजह से आज राज्यभर के न्यायालयों में कामकाज ठप्प है। लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

नगालैंड से मणिपुर जा रहे एक यात्री वाहन से हथियार व विस्फोटक बरामद

इंफाल (हिंस)। नगालैंड के रास्ते हिंसा प्रभावित मणिपुर की ओर जा रहे एक यात्री वाहन से सुरक्षाबलों ने सोमवार को भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। यह जानकारी सुरक्षाबलों ने मंगलवार को दी है। जानकारी के अनुसार नगालैंड के रास्ते मणिपुर में हथियारों, गोला-बारूद, विस्फोटकों और अन्य युद्ध की सामग्री ले जाने की गुप्त सूचना सुरक्षाबलों को मिली थी। सूचना के बाद सतर्क असम राइफल्स और कोहिमा पुलिस ने संयुक्त रूप से मध्य रात 2 बजे से एक वाहन का पीछा कर रोक लिया। सुबह वाहन की तलाशी के दौरान सुरक्षाबलों ने दो पिस्तौल, चार मैगजीन के अलावा विस्फोटक और अन्य युद्ध के सामान बरामद हुए हैं। बताया कि इन हथियारों को नगालैंड से होते हुए मणिपुर पहुंचाने की कोशिशें की जा रही थी। हिंसाग्रस्त मणिपुर में इन हथियारों के उपयोग होने की संभावना जतायी जा रही है।

अंबुबासी मेला संपन्न : कामाख्या स्टेशन पर आरपीएफ ने की बुजुर्गों की सहायता

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के नीलाचल पहाड़ पर स्थित विश्व विख्यात शक्तिपीठ मां कामाख्या धाम में 26 जून को अंबुबासी योग के संपन्न होने के बाद सुबह 6 बजे मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोल दिए गए हैं। देश-विदेश से आए साधु-संत तथा श्रद्धालुओं ने मां कामाख्या का दर्शन कर आशीर्वाद लेने के बाद अपने निवास स्थान की ओर लौटना आरंभ कर दिया। श्रद्धालु मां कामाख्या मंदिर के दर्शन कर कामाख्या रेलवे स्टेशन पर घर लौटने के लिए पहुंचना शुरू कर दिया है। भीड़ से बचने के लिए कुछ श्रद्धालु रविवार की रात को ही कामाख्या स्टेशन पर पहुंच गए और सोमवार घर के लिए रवाना हो गए। देश के विभिन्न स्थानों से आए श्रद्धालु सरकार और स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों द्वारा दी गई विभिन्न व्यवस्थाओं की सराहना करते देखे गए। पश्चिम बंगाल और आसपास के इलाकों से आए श्रद्धालुओं का कहना है कि जिस तरह से सौ से अधिक भंडारा में हजारों कर्मचारियों ने दिन-रात देश भर से आए श्रद्धालुओं की सेवा की है वह सचमुच सराहनीय है। उल्लेखनीय हैं कि, श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन की ओर से कामाख्या रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त आरपीएफ और जीआरपी की तैनाती की गई है। आरपीएफ कामाख्या स्टेशन के प्रभारी विक्रम ने कहा कि लमडिंग डिवीजन के सुरक्षा कमांडेंट मिगाम टीम के तहत 170 आरपीएफ और डीएसपी लमडिंग के नेतृत्व में 120 जीआरपी पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए स्टेशन इलाके में तैनात किया गया है। बुजुर्ग श्रद्धालुओं को ट्रेनों में चढ़ते समय कोई असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ ने मदद का हाथ बढ़ाया है।

क्षमता उजागर करने व समृद्ध भविष्य निर्माण की एकमात्र कुंजी है शिक्षा: राज्यपाल

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने मंगलवार को स्थानीय प्रागज्योति आईटीए सेंटर में 12वीं कक्षा, जेईई, एनईईटी, ओलंपियाड और एनटीएसई परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम देने वाले साई विकास शैक्षणिक संस्थान के छात्रों को सम्मानित किया। राज्यपाल ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि 12वीं कक्षा, जेईई, एनईईटी, ओलंपियाड और एनटीएसई परीक्षाओं में आपकी उपलब्धि आपके अपार समर्पण का सच्चा प्रमाण है। यह उपलब्धियां न केवल आपके माता-पिता और शिक्षकों को गौरवान्वित करती हैं, बल्कि यह संकेत भी देती हैं कि आप समाज के महत्वपूर्ण खजाने हैं। आशा है कि ये उपलब्धियां आपके अंदर ऊर्जा भरेंगी और दूसरों को एक ऐसा भविष्य बनाने के लिए प्रेरित करेंगी, जहां ज्ञान और करुणा मानवता को भविष्य की यात्रा पर चलने के लिए मार्गदर्शन करेंगे। राज्यपाल कटारिया ने कहा कि शिक्षा ही किसी की क्षमता को उजागर करने और समृद्ध भविष्य के निर्माण की एकमात्र कुंजी है। इसलिए प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान को छात्रों को उत्कृष्टता प्राप्त करने और बदले में राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण प्रदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज के वास्तविक निर्माता हैं, जो छात्रों के जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर उन्होंने उन सभी शिक्षकों के समर्पण और कड़ी मेहनत की भी सराहना की, जिन्होंने छात्रों को अपनी-अपनी परीक्षाओं में अच्छे परिणाम लाने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ने साबित कर दिया है कि दृढ़ता और दृढ़ संकल्प के साथ सपनों को हकीकत में बदला जा सकता है। निश्चित रूप से आपकी उपलब्धियां अन्य छात्रों को सफलता के शिखर पर पहुंचने के लिए प्रेरणा का काम करेंगी। अचीवर्स फंक्शन में साईं विकास एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के प्रबंध निदेशक श्रीनिवास रेड्डी, साईं विकास एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष पंकज लोचन शर्मा, शिक्षक, अभिभावक और छात्र उपस्थित थे।

पत्रकार के हत्यारे को कड़ी सजा देने की मांग

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले में बोको पुलिस स्टेशन के तहत गोराईमारी हातीपाड़ा गांव के युवक और टीएनएल न्यूज के पत्रकार अब्दुल रऊफ आलमगीर का अज्ञात बदमाशों ने अपहरण कर बेरहमी से उसकी हत्या कर दी। उल्लेखनीय है कि पत्रकार को शनिवार की शाम करीब सात बजे जामबाड़ी से मारुति वाहन में सवार अज्ञात बदमाशों ने अपहरण कर लिया था। अपहरण के एक दिन बाद 26 जून को अपहृत पत्रकार का शव जामबाड़ी कलाही नदी में मिला था। घटना के संबंध में जामबाड़ी पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके अलावा बोको पुलिस थाने में भी दर्ज (286/2023)तहत हुआ। आपकू के कामरूप जिला समिति ने पहले ही हत्या की कड़ी निंदा की है और इस संबंध में आज असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को उनके कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा गया। आपकू के कामरूप जिला समिति के अध्यक्ष हाछानुल आहमेद, सचिव निरेन चंद्र माली और सलाहकार मौसमज्योति वैश्य के हस्ताक्षर वाले ज्ञापन में आपकू के कामरूप जिला समिति ने पत्रकार अब्दुल रऊफ आलमगीर की हत्या के मामले में पुलिस से उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। इसके अलावा, ज्ञापन में, पत्रकारों के निकाय ने मांग की कि राज्य में पत्रकारों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

हेरोइन समेत तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पुलिस की एक विशेष टीम ने गुवाहाटी के अलग-अलग इलाकों में छापेमारी करते हुए तीन ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया है कि चांदमारी इलाके से प्रतिबंधित हेरोइन समेत दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चांदमारी इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान 43 प्लास्टिक की सीसी में भर कर रखे गए हेरोइन समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

रंगिया में भाजपा ने चलाया महाजनसंपर्क अभियान

रंगिया (विभास)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की केंद्र सरकार ने सफलतापूर्वक 9 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में महा जनसम्पर्क अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने अपने विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रंगिया नगर के वार्ड नं- 6 निवासी एक प्रतिष्ठित व्यवसायी और सामाजिक कार्यकर्ता बिनोद शर्मा, रामू कलिता, जिला शिक्षा प्रशिक्षण केंद्र, मिर्जा में वरिष्ठ प्रवक्ता के रूप में कार्यरत तथा रंगिया वार्ड नं- 6 के निवासी भूपेन दास और पदम कुंवरी गांव पंचायत के निवासी तथा विशिष्ट चिकित्सक भरत वैश्य के घर पार्टी के कार्यकताओं के साथ पहुंचकर उन्हें फुलाम गामोछा देकर सम्मानित किया। तथा इस मौके पर विधायक कलिता ने सरकार के उन्नयन मूलक परियोजनाओं एवं काम-काज की सफलता व विफलता के बारे में उनसे तथा उनके परिवार के लोगों से बातचीत की और इस मौके पर उन्होंने केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार के कामकाज के बारे में उल्लेखित प्रचार पत्रिका भेंट की और लोगों द्वारा विभिन्न परामर्श लिया।

रंगिया के हिरागाटा में भीषण अग्निकांड

रंगिया (विभास)। रंगिया के हिरागाटा में भयानक आग लगने से एक घर सहित चार दुकानें जल गई। इस अग्निकांड में एक किराने की दुकान, साईकिल दुकान, एक ब्यूटीपार्लर, फार्मेसी और घर जलने के अलावा भारी मात्रा में धान, सरसों सहित एक मशीन, साईकिल आदि जलने की खबर प्राप्त हुई है। यह आग हिरागाटा के मिराल कुदुस के घर में लगी, बिजली के सॉर्ट सर्किट से यह आग लगने का स्थानीय लोगों द्वारा अनुमान लगाया गया है। वहीं आग लगने की खबर मिलने के बाद रंगिया पुलिस और अग्निशमन वाहिनी घटनास्थल पर पहुंच गई। अग्निशमन विभाग की दो गाडियॉ बहुत समय की मशक्कत के बाद आग बुझाने में कामयाब रही। आग लगने से भारी नुकसान होने की बात स्थानीय लोगों द्वारा बताई गई है।

मछली पकड़ने गई मां के साथ तीन वर्षीया बच्ची की नदी में गिरकर मौत

कोकराझाड़ (विभास)। महिला ने मछली पकड़ने के लिए अपने साथ ले गई तीन साल की बच्ची की नदी में गिरकर मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के गोसाईगांव महकमा के अंतर्गत के सपकटा थाना अंतर्गत दो नंबर पलाशगुड़ी के निवासी अर्शेद अली की पत्नी अजमा खातून सोमवार की शाम 4 बजे अपने तीन वर्षीय बेटी जिन्नत आफरीन को बाजुगांव गांव के दो नंबर बुरहाचरा नदी में मछली पकड़ने के लिए ले गई थी। नदी में मछली पकड़ने के दौरान बच्ची नदी में जा गिरी और लापता हो गई। इस बीच परिवार के सदस्यों व ग्रामीणों ने नदी में बच्ची की खोज-बीन शुरू कर दी। लेकिन बच्ची का कोई पता नहीं चल पाया। वहीं आज सुबह 6 बजे एक व्यक्ति ने नदी में तैरते शव को देख उसने ग्रामीणों और पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने बच्ची के शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए जिल अस्पताल में भेज दिया। इस घटना से क्षेत्र में मातम परसरा हुआ है।

भगवान जगन्नाथ को चढ़ाए गए 56 भोग

कोकराझाड़ (विभास)। जिले के फकीराग्राम शहर के कुमारगंज बाजार में स्थित जगन्नाथ मंदिर में बीते 20 जून को स्थापित भगवान जगन्नाथ आज 56 भोग लगाया गया। इस मौके पर कीर्तन-भजन का आयोजन भी किया गया। इस भजन-कीर्तन में हजारों की संख्या में भक्तगण उपस्थित थे। सभी उपस्थित भक्तों के बीच भगवान जगन्नाथ को चढ़ाए गए 56 भोग प्रसाद का दर्शन किया। आगामी कल लोकनाथ मंदिर से रथ कुमारगंज बाजार में स्थित जगन्नाथ मंदिर में जाएगा।

अंबुवासी मेले में स्वास्थ्य जांच शिविर

जरूरतमंदों को लायंस व लियो उमंग ने उपलब्ध कराई निःशुल्क दवाइयां

गुवाहाटी (विभास)। अंबुवासी मेले में आए साधु-संन्यासी व श्रद्धालु के लिए लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग व लियो क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से विभिन्न जगहों पर कुल नौ निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजन किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी आरुषी सोनी ने बताया कि अध्यक्ष सीमा सोनी के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर का बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ उठाया। शिविर का आयोजन मारवाड़ी हॉस्पिटल के सहयोग से कालीपुर स्थित भूतनाथ के पास छह दिवसीय किया गया, जबकि अन्य स्थानों पर भी क्लब की ओर से शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम संयोजिका ज्योति खेमका व रचना केजड़ीवाल की देखरेख में आयोजित इस शिविर में क्लब की ओर से श्रद्धालुओं के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। शिविर को सफल बनाने में अध्यक्ष सीमा सोनी, दिलीप सराफ, अनिश मोर, मयंक सुरेका, अमित शर्मा, लायंस जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका, अनिता चौधरी, संतोष मिंडा, सोनाली जैन, संगीता भड़ेच, सुखबिंदर कौर, सोनल अग्रवाल, निधि अग्रवाल, सविता, संगीता मित्तल, तृप्ति मोर, रूपा शर्मा, सरोज खेतान, निभा सराफ, सचिव कंचन पोद्दार, कोषाध्यक्ष कुसुम जैन, सारिका सौभासरिया सहित सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा।

मिजोरम में बैंकों और वित्तीय संस्थानों में ईद की छुट्टी रद्द

एजल (हिंस)। जोरामथांगा सरकार ने मिजोरम में बैंकों और वित्तीय संस्थानों में ईद-उल-जोहा की छुट्टी रद्द कर दी है। इस संबंध में मंगलवार को राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है। राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन के शीर्ष अधिकारी ने अधिसूचना में कहा कि 29 जून को मनाए जाने वाला ईद-उल-जोहा के अवसर पर मिजोरम में स्थित सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों में छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं।

NOTICE INVITING TENDER

No DES 50/2018/Estt-CA/577

Sealed tender in single bid envelop affixing court fee stamps of Rs 8.25 (Rupees eight and paisa twenty five) only are hereby invited from the registered firms for the following works of Expression of Interest (EOI) for engagement of Chartered Accountant firm for assignment of filling of returns- E-TDS statoment for sallary (Form 24 Q) and non-salary (Form 26 Q), GST & utilization certificate etc. of this Directorate (Hqrs) for the financial year, 2023-24 and will be received upto 2.00 PM on 07-07-2023 and will be opened on the same day at 3.00 PM or on subsequent working day if it falls on Government holiday in presence of the intending tenderers or their authorized representatives. Tender Notice will be affixed in the office notice board and in State Public Procurement Portal Assam (SPPP). Intending tenderers may visit the office premises of the Directorate located at Jawaharnagar, Tripura Road, Guwahati-28 for further information.

Terms and condition:

1) The rates should be written both in figures & words properly. The basic cost and applicable tax (rate and amount) may be written separately.
2) Earnest Money Deposit (EMD) of value Rs 10,000.00 in favour of the Director of Economics and Statistics, Assam payable at Guwahati in form of Demand Draft/FDR/NCS from Nationalized Bank or any scheduled bank (but not from Co-operative or Gramin bank) and no interst is payable on EMD by the Department. EMD amount in the form of cash or any others form like online payment shall not be accepted EMD of unsuccessful bidders shall be refunded except for L- bidder atter completion of bid.
3) The tenderers should furnish, Pan card, Vat/GST registration copy. IT returns of last 2 years.
4) The Director of Economics and Statistics, Assam reserves the right to reject any or all the tenders without assigning any reasons thereof. The lowest rate may not compulsorily be accepted & the decision of Diractor in this matter will be final & binding on the tenderers
5) Experience certificate working with the Government office (it any)

Scope of works:

1. Facilitation of income tax calculation / computation of the employees for the year so as to enable deduction of monthly E-TDS after taking into account all the relevant rules / laws in place for the year under consideration.
2. Preparation / submission / filling of E-TDS statements / GST return / returns of our employees and suppliers / contractors within the due dates as prescribed by the income tax Act 1956 and preparation / generation of Form No. 6 part A and part B/ 16 A

Sd/-
Director of Economics and Statistics, Assam

-- Janasanyog /C/ 5222 /23

देश को मिली पांच और नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात

-पीएम मोदी ने भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से दिखाई हरी झंडी

भोपाल (ईएमएस)। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मप्र की राजधानी भोपाल स्थित रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से पांच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही गोवा और झारखंड को भी वंदे भारत ट्रेनों की सौगात मिल गई है। इस तरह से अब भारत के सभी राज्य जो रेल-विद्युतीकृत हैं, इन सेमी-हाई स्पीड ट्रेनों से जुड़ गए हैं। भोपाल में प्रधानमंत्री ने जिन पांच ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई है, उनमें रानी कमलापति-जबलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस, खजुराहो-भोपाल-इंदौर वंदे भारत एक्सप्रेस, मडगांव (गोवा)-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस, धारवाड़-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस और हटिया-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस शामिल हैं। रानी कमलापति-जबलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस महाकौशल क्षेत्र (जबलपुर) को मध्य प्रदेश के मध्य क्षेत्र (भोपाल) से जोड़ेगी। इससे, भेड़ाघाट, पंचमढ़ी, सतपुड़ा आदि पर्यटन स्थलों की ओर आवाजाही सुलभ होगी। यह ट्रेन इस मार्ग की मौजूदा सबसे तेज ट्रेन की तुलना में लगभग 30 मिनट तेज होगी। इसी तरह खजुराहो-भोपाल-इंदौर वंदे भारत एक्सप्रेस मालवा क्षेत्र (इंदौर) और बुंदेलखंड क्षेत्र (खजुराहो) को मध्य क्षेत्र (भोपाल) से जोड़ेगी जिससे दोनों क्षेत्रों के संपर्क में सुधार होगा। इससे महाकालेश्वर, मांडू, महेश्वर, खजुराहो, पन्ना जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को लाभ मिलेगा। यह ट्रेन इस मार्ग पर सबसे तेज गति से चलने वाली ट्रेन से भी लगभग 2.30 घंटे पहले पहुंचेगी। मडगांव (गोवा)-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस गोवा की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस होगी। यह मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और गोवा के मडगांव स्टेशन के बीच चलेगी। यह दोनों स्थानों को जोड़ने वाली वर्तमान की सबसे तेज ट्रेन की तुलना में लगभग एक घंटे की यात्रा के समय को बचाने में मददगार होगी। वहीं धारवाड़-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस कर्नाटक के महत्वपूर्ण शहरों धारवाड़, हुबली और दावणगेरे को राज्य की राजधानी बेंगलुरु से जोड़ेगी। इससे क्षेत्र में पर्यटकों, छात्रों, उद्योगपतियों आदि को बहुत लाभ होगा। यह ट्रेन इस मार्ग की मौजूदा सबसे तेज ट्रेन की तुलना में लगभग 30 मिनट अधिक गति से चलेगी। हटिया-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस झारखंड और बिहार के लिए पहली वंदे भारत होगी। पटना और रांची के बीच संपर्क बढ़ाने वाली यह ट्रेन पर्यटकों, छात्रों और व्यवसाइयों के लिए वरदान साबित होगी। यह दोनों स्थानों को जोड़ने वाली, वर्तमान की सबसे तेज ट्रेन की तुलना में, यात्रा के लगभग एक घंटे और पच्चीस मिनट के समय को बचाने में मदद करेगी।

गैंगरेप व हत्या मामले का एनएचआरसी ने लिया संज्ञान, राजस्थान सरकार व पुलिस को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बीकानेर जिले में 20 जून को दो पुलिसकर्मियों सहित तीन लोगों द्वारा 21 वर्षीय दलित महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या किए जाने से संबंधित मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए मंगलवार को राजस्थान सरकार और राज्य पुलिस को नोटिस जारी किया है। एनएचआरसी ने कहा कि उसने राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट में पुलिस द्वारा मामले में की जा रही जांच की वर्तमान स्थिति, लोक सेवकों के खिलाफ की गई विभागीय कार्रवाई और तीसरे आरोपित की गिरफ्तारी भी शामिल होनी चाहिए। आयोग ने कहा कि उसने यह भी पूछा है कि राज्य ने पीड़ित के परिवार को क्या राहत दी गई है। आयोग ने पाया है कि मीडिया रिपोर्ट की सामग्री, यदि सच है, तो यह नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार लोगों द्वारा पीड़ित के मानवाधिकारों का उल्लंघन है। आयोग ने एक बयान में कहा कि 22 जून को आई मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दोनों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

महाराष्ट्र के एनसीपी नेता भगीरथ भालके कार्यकर्ताओं के साथ बीआरएस में शामिल

- केसीआर के दौरे से बौखलाए शिवसेना नेता

मुंबई, (हि.स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता भगीरथ भालके मंगलवार को अपने समर्थकों के साथ भारत राज्य समिति (बीआरएस) में शामिल हो गए। बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव की मौजूदगी में सोलापुर जिले के मंगलवेढा में यह कार्यक्रम हुआ। बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव ने संगठन विस्तार के लिए 'महोजवाला भारत' (उज्ज्वल भारत) अभियान प्रारंभ किया है। इसी के तहत सोमवार को 600 गाड़ियों का काफिला लेकर केसीआर महाराष्ट्र में दाखिल हुए। पंढरपुर पहुंचकर भगवान विठ्ठल के दर्शन किए। इसके बाद सोलापुर में बीआरएस नेता धर्मना मुंडया सादुल के घर पहुंचे। धर्मना मुंडया सोलापुर से दो बार मेयर रहे हैं। वह कांग्रेस के टिकट पर यहां से लोकसभा सांसद भी रह चुके हैं। केसीआर और धर्मना के बीच वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर चर्चा हुई। केसीआर की इस यात्रा का पहला झटका एनसीपी को लगा है। सोलापुर जनपद के मंगलवेढा से पूर्व विधायक रहे भारत भालके के बेटे भगीरथ भालके मंगलवार को अपने कार्यकताओं के साथ बीआरएस में शामिल हो गए। भगीरथ ने आरोप लगाया कि उनके पिता स्वर्गीय भरत भालके के निधन के बाद एनसीपी ने उनसे मुंह फेर लिया था, लेकिन केसीआर ने उन्हें सम्मान दिया, इसीलिए उन्होंने बीआरएस में जाने का फैसला लिया। बहरहाल, केसीआर के महाराष्ट्र अभियान से शिवसेना संजय राऊत बुरी तरह से बौखला गए हैं। शिवसेना ठाकरे गुट के सांसद ने केसीआर को भाजपा की बी टीम करार दिया। केसीआर के मंदिर जाने पर राऊत ने पूछा कि केसीआर कब से विठ्ठल भक्त हो गए...? बतौर राऊत केसीआर ऐसी नौटंकियां करते रहेंगे तो वह अपना गृहराज्य तेलंगाना भी खो देंगे। राऊत ने केसीआर के 600 गाड़ियों के काफिले पर भी ऐतराज जताया है। राऊत ने कहा कि भगवान के मंदिर जाने वाले ऐसा दिखावा नहीं करते।

सीएम केजरीवाल के सरकारी आवास की मरम्मत में 'गड़बड़ियों' का ऑडिट करेगा सीएजी

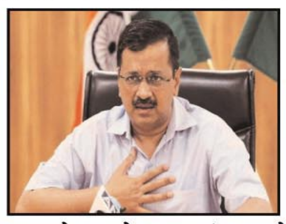

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास की मरम्मत में हुए खर्च का नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) स्पेशल ऑडिट करेगा। उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना की सिफारिश पर गृह मंत्रालय ने कैग से स्पेशल ऑडिट कराने को मंजूरी दी है। एलजी सचिवालय ने 24 मई, 2023 को मुख्यमंत्री के घर की मरम्मत में हुए खर्च को लेकर गंभीर वित्तीय अनियमितता और नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए गृह मंत्रालय को पत्र लिखा था। इससे पहले 27 अप्रैल को मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर एलजी ने चीफ सेक्रेटरी को मामले में जांच कर तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा था।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव को लेकर मंथन में जुटी कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में मिली सफलता के बाद उत्साहित कांग्रेस पार्टी तेलंगाना विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। इसी क्रम में मंगलवार को कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी नेता राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल सहित पार्टी के अन्य नेता मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष के अंत में तेलंगाना में विधानसभा चुनाव होना है। चुनाव से पहले नेताओं का एक दल से दूसरे दल में आना-जाना भी शुरू हो गया है। सोमवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और जुपल्ली कृष्णा राव सहित कुछ अन्य नेताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली। ये सभी नेता कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में कांग्रेस की सदस्यता ली थी। इस दौरान कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा था कि पूरे देश में बदलाव की हवा महसूस हो रही है। यह बदलाव की हवा "भारत जोड़ो यात्रा" से शुरू हुई, जिसका असर कर्नाटक में दिखा और अब तेलंगाना में भी कांग्रेस सरकार बनाएगी।

जून तक एक करोड़ से ज्यादा आयकर रिटर्न हुए दाखिल : आयकर विभाग

अजय कुमार

नई दिल्ली। करदाताओं ने 26 जून तक एक करोड़ से ज्यादा आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल कर दिए हैं। यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में बहुत ज्यादा है। आयकर विभाग ने मंगलवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। आयकर विभाग के मुताबिक एक करोड़ आईटीआर दाखिल करने का लक्ष्य पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में इस साल 12 दिन पहले हासिल कर लिया गया है। इस वर्ष 26 जून तक एक करोड़ से ज्यादा आईटीआर दाखिल किए गए हैं, जबकि पिछले साल आठ जुलाई तक एक करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए थे। विभाग ने करदाताओं से अपना आईटीआर जल्द दाखिल करने का भी आग्रह किया, ताकि अंतिम समय की भीड़ से बचा जा सके। गौरतलब है कि वेतनभोगी करदाताओं और ऐसे करदाता, जिन्हें अपने खातों को ऑडिट कराने की जरूरत नहीं है, उनके लिए वित्त वर्ष 2022-23 में हुई इनकम के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई है।

खराब मौसम में फंसा ममता का हेलिकॉप्टर, इमरजेंसी लैंडिग

कोलकाता, (हि.स.)। खराब मौसम की वजह से कम दृश्यता के कारण मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का हेलिकॉप्टर आसमान में फंस गया, जिसकी वजह से इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। मुख्यमंत्री मंगलवार दोपहर जलपाईगुड़ी के क्रांति से बागडोगरा के लिए रवाना हुईं। तभी आसमान में बादल घिरने की वजह से अंधेरा छा गया और भारी बारिश शुरू हो गई। पायलट ने तुरंत हेलीकॉप्टर को साफ आसमान की ओर मोड़ दिया। कुछ ही देर में उन्हें सेवक एयरबेस नजर आया। उन्होंने वहां आपात लैंडिंग कराई। मुख्यमंत्री सहित हेलिकॉप्टर में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। मंगलवार को मुख्यमंत्री ने जलपाईगुड़ी के मालबाजार में बैठक की। बैठक दोपहर एक बजे खत्म हुई। इसके बाद ममता जलपाईगुड़ी के क्रांति से हेलिकॉप्टर से बागडोगरा एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गईं। मौसम विभाग ने पहले ही जानकारी दी थी कि हल्की बारिश हो सकती है।

क्रांति से बागडोगरा तक यात्रा में 11 मिनट का समय लगना था लेकिन उड़ान के कुछ ही पलों में बारिश शुरू हो गई। यह सोचकर कि खराब मौसम में उड़ान भरना जोखिम भरा हो सकता है, ममता के पायलट ने तुरंत हेलीकॉप्टर घुमाया और फिर इमरजेंसी लैंडिग की।

अंतिम पड़ाव पर है हज यात्रा, हज यात्रियों की परेशानियां नहीं हो रहीं कम

नई दिल्ली, (हि.स.)। हज यात्रा-2023 अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। इस दौरान भारत से हज पर जाने वाले लोगों की अब तक मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब हज के अंतिम चरण के दौरान मीना और अराफात में खाने-पीने से लेकर बुनियादी सुविधाओं के अभाव का भी उनको सामना करना पड़ा है। हाजियों ने वहां भारतीय अधिकारियों से इसकी शिकायत की और विरोध भी जताया है। हज यात्रा के शुरू में ही सऊदी अरब के दो शहरों मदीना मुनव्वरा और मक्का शरीफ में भारतीय हज यात्रियों को ठहराने के लिए जिन भवनों का चयन किया गया था, वह काफी दयनीय स्थिति में है। साफ-सफाई की कमी थी। इसके अलावा भी कई तरह की अव्यवस्थाओं की शिकायत हज यात्रियों ने की थी। हज के अंतिम पड़ाव में अब मीना और अराफात में यात्रियों को खाने-पीने, एयर कंडीशन की खराबी, टॉयलेट ब्लॉक की कमी का सामना करना पड़ रहा है। खेमों की कमी की वजह से लोगों को चिलचिलाती धूप में रहने पर मजबूर होना पड़ा है। अफरा-तफरी और अव्यवस्थाओं की शिकायत के बावजूद इसका समाधान नहीं निकाला जा रहा है। मीना और मक्का में हज कमेटी के दफ्तर का हज यात्रियों के जरिए घेराव किए जाने की खबरें भी सामने आई हैं। गौरतलब है कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा ने पंजाब के हज यात्रियों को होने वाली परेशानियों का मामला सरकार के समक्ष उठाया था। वर्ल्ड पीस हारमनी के चेयरमैन और दिल्ली राज्य हज कमेटी के पूर्व सदस्य शकील सैफी ने भी भारतीय हज यात्रियों को यात्रा के दौरान होने वाली तमाम परेशानियों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री स्मृति ईरानी को पत्र लिखकर समाधान करने की मांग की थी। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक इस वर्ष दुनियाभर से लगभग 26 लाख हज यात्रियों के पवित्र काबा शरीफ का हज करने के लिए सऊदी अरब पहुंचने की खबर है। इसमें से एक लाख 39 हजार हज यात्री हज कमेटी आफ इंडिया के माध्यम से और 40 हजार पीटीए के माध्यम से भारत से हज यात्रा पर गए हैं। यात्रा के दौरान हज यात्रियों के जरिए वीडियो कॉल और वीडियो मैसेजिंग के जरिए अपने रिश्तेदारों को तमाम तरह की परेशानियों का उल्लेख करने वाला वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। रिश्तेदारों द्वारा राज्य हज कमेटियों के जरिए केंद्रीय हज कमेटी को ईमेल और टेलिफोन, व्हाट्सएप के जरिए लिखित शिकायतें भी की जा रही हैं, लेकिन अभी तक कोई समाधान निकलता नजर नहीं आ रहा है। मक्का में हज यात्रियों को पवित्र स्थान से 8-10 किलोमीटर दूर अजीजिया में ठहराया गया है। यहां पर जिन भवनों का चयन किया गया है, वह काफी दयनीय स्थिति में है। बहुत सारे भवनों में टॉयलेट में दरवाजा नहीं होने की भी शिकायतें आई हैं। एयर कंडीशनर के खराब होने का मामला भी सामने आया है।

बदलाव के लिए उत्सुक है तेलंगाना की जनता : खड़गे

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि तेलंगाना की जनता राज्य में राजनीतिक बदलाव चाहती है। वहां लोग बदलाव के लिए तरस रहे हैं और वे कांग्रेस पार्टी की ओर देख रहे हैं। खड़गे ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनाएगी। हम हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि साथ मिलकर हम साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और सर्वांगीण सामाजिक कल्याण के आधार पर तेलंगाना के लिए एक उज्वल भविष्य की शुरूआत करेंगे। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में मिली सफलता के बाद उत्साहित कांग्रेस तेलंगाना विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। इसी क्रम में आज तेलंगाना विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में पार्टी नेता राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल सहित पार्टी के अन्य नेता मौजूद रहे।

'मिशन लाइफ' लोगों की जीवनशैली में निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका : भूपेन्द्र यादव

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने केन्द्र सरकार के नौ साल का ब्योरा देते हुए मंगलवार को कहा कि इन वर्षों में भारत में वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में बहुत काम हुआ है। दुनिया में जलवायु परिवर्तन को लेकर जो एक संकल्प लिया गया है, उसमें भारत ने कार्य आधारित सोच को लेकर काम किया है।

आज दुनिया भर में लोगों के बेहतर जीवनशैली में प्रधानमंत्री का 'मिशन लाइफ' एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि देश में कांग्रेस के समय में वन विभाग से मंजूरी मिलने में देरी होती थी और साथ ही वसूली भी हुआ करती थी। उस समय यह 600 दिन में हुआ करते थे, आज महज 70 दिनों के भीतर ही मंजूरी के मामले निपटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया में एक बड़ा विजन दिया है-मिशन लाइफ। 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' के दिन 'मिशन लाइफ' का 'मेरी लाइफ पोर्टल' लांच किया गया।

सपा विधायक अबू आजमी को जान से मारने की धमकी

-मुंबई के कोलाबा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज

मुंबई, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष तथा विधायक अबू आसिम आजमी को मोबाइल फोन पर ह्वाट्सएप के जरिए जान से मारने की धमकी मिली है। आजमी के ह्वाट्सएप पर खून से सना चाकू और पिस्तौल की फोटो भेजी गई है। धमकी देने वाले ने आजमी को 3 दिन का अल्टीमेटम दिया है। फिलहाल इस मामले में अबू आजमी ने मुंबई के कोलाबा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई है। हालांकि बेतुके बयानों के लिए मशहूर आजमी को धमकी मिलने का यह पहला अवसर नहीं है।

इससे पहले भी आजमी को धमकियां मिल चुकी हैं। मुगल शासक औरंगजेब के समर्थन में बेतुकी बयानबाजी करने के बाद आजमी को धमकी मिली थी। बीते जनवरी माह में आजमी के निजी सचिव के फोन पर धमकी दी गई थी। फोन करने वाले ने औरंगजेब का समर्थन करने पर आजमी को जान से मारने की धमकी दी थी। उस समय भी पुलिस में मामला दर्ज हुआ था।

केदारनाथ धाम की यात्रा दोबारा से शुरू

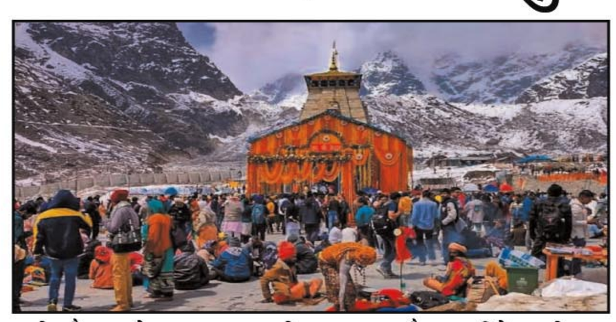

गुप्तकाशी, (हि.स.)। उत्तराखंड और घाटी में बरसात के थमते ही केदारनाथ धाम की यात्रा मंगलवार से दोबारा से संचालित हो गई है। हालांकि इस बार पुलिस प्रशासन तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को लेकर बड़ा ही मुस्तैद है। गत दो दिनों से लगातार बरसात होने के चलते स्थानीय प्रशासन और फिर शासन ने केदारनाथ धाम की यात्रा को रोक दिया था, लेकिन आज प्रातः काल से मौसम के साफ होते ही सोनप्रयाग से पहला जत्था केदारनाथ धाम की ओर प्रस्थान कर चुका है। हालांकि रह-रहकर गौरीकुंड केदारनाथ पैदल मार्ग पर भूस्खलन और पत्थरों के गिरने का सिलसिला जारी है। इसके बावजूद यात्री केदारनाथ धाम की यात्रा कर रहे हैं। आपदा प्रबंधन की ओर से आज प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि ऋषिकेश-केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-107) यातायात के लिए सुचारु है। ऋषिकेश-श्रीनगर-रुद्रप्रयाग राष्ट्रीय राजमार्ग और गौरिकुण्ड-केदारनाथ पैदल मार्ग यातायात के लिए सुचारु है। साथ ही जनपद के सभी तहसीलों में विद्युत आपूर्ति/पेयजल आपूर्ति बहाल हो गई है।

एनएचआरसी ने रेल मंत्रालय, दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी किया

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने रेलवे स्टेशन परिसर में करंट से महिला की मौत मामले पर मंगलवार को रेल मंत्रालय, दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी किया है। मानवाधिकार आयोग ने कहा कि उसने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष, एनसीटी दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव और दिल्ली पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एनएचआरसी ने एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया है कि 25 जून को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन परिसर में एक 35 वर्षीया महिला शिक्षक की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। जलजमाव वाले क्षेत्र में उसे बचाने के प्रयास में मृतका की बहन को भी झटका लगा। कथित तौर पर पीड़ित परिवार ने यह भी दावा किया है कि घटनास्थल से पुलिस स्टेशन महज कुछ मीटर की दूरी पर होने के बावजूद समय पर मदद के लिए कोई नहीं आया। आयोग ने पाया है कि मीडिया रिपोर्ट की सामग्री, यदि सच है, तो जलभराव और खुले बिजली के तारों के लिए अधिकारियों की स्पष्ट लापरवाही के कारण पीड़िता और उसके परिवार के मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। सिविक और बिजली अधिकारियों के अलावा, रेलवे भी नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ऐसी जानलेवा खामियों पर निगरानी रखने में विफल रहा है।

एनएचआरसी ने कहा कि रिपोर्ट में एफआईआर की वर्तमान स्थिति, लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के साथ-साथ यदि पीड़ित परिवार को मुआवजा दिया गया हो तो वह भी शामिल होना चाहिए। आयोग ने कहा कि उसने यह भी पूछा है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं या उठाए जाने का प्रस्ताव है। आयोग ने कहा है कि 26 जून को प्रसारित मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, घटना 25 जून को सुबह 5.30 बजे के आसपास हुई। परिवार पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार में रहता था और वंदे भारत एक्सप्रेस से चंडीगढ़ जा रहा था। पीड़िता के परिवार के सदस्यों ने कथित तौर पर दावा किया है कि कुछ टैक्सी और ऑटो चालक मदद के लिए आने से पहले वह 20-25 मिनट तक जमीन पर पड़ी रही। उन्होंने पीड़िता के 9 साल के बेटे और 7 साल की बेटी को खींच लिया, जो उसके बगल में खड़े थे और उन्हें बचा लिया। पीड़िता को टैक्सी से अस्पताल ले जाया गया।

लव जिहाद के आरोपित के घर चला बुलडोजर, मकान ध्वस्त

-लव जिहाद के मामले पर पुलिस ने की कठोर कार्रवाई

फतेहपुर, (हि.स.)। लव जिहाद मामले में मंगलवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपित के घर को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। । परिजनों ने इस मामले में पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने उक्त कार्रवाई की है। लापर-वाही के आरोप के बाद घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस सख्त कार्रवाई की है। हिन्दू संगठन भी इस घटना से नाराज हैं और मामले की सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला ज्वालागंज में आरोपित सिकंदर के घर व ब्रदर्स ट्रैवेल्स ऑफिस को आज भारी पुलिस के साथ प्रशासन ने बुलडोजर चला ध्वस्त कर दिया। लव जिहाद की शिकार युवती का शव राधानगर थाना क्षेत्र के उमरी गाँव पहुंचने पर बजरंगदल और विश्व हिन्दू परिषद् के कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और आरोपित सोनू उर्फ सिकंदर के घर परिजनों के खिलाफ भी कड़ी कार्यवाही किये जाने की मांग की। जघन्य घटना की सीबीआई जाँच कराये जाने की मांग करते हुए पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए नाराजगी व्यक्त की है। गौरतलब है कि कि बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के फरीदपुर गाँव में एक गेस्ट हाउस से 500 मीटर की दूरी पर एक खंडहर में मरणासन्न हालत में युवती को देख स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। नाजुक हालत देख पुलिस ने कानपूर हैलट में भर्ती करवाया, जहां युवती ने दम तोड़ दिया था। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपित सिकंदर को गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ में परिवार सहित कुछ अन्य लोगों के घटना में संलिप्त होने के सुराग मिले थे। घटना में पुलिस लगातार आरोपित की गिरफ्तारी के बाद से आरोपी के घर और उसके करीबियों के यहां छापेमारी कर रही थी।

प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी सहित देशभर के 10 लाख भाजपा कार्यकर्ताओं से वर्चुअल जुड़े

वाराणसी, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित नेहरू स्टेडियम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 10 लाख कार्यकर्ताओं से वर्चुअल जुड़े। प्रधानमंत्री ने कार्यकताओं से संवाद करते हुए पार्टी के मेरा बूथ-सबसे मजबूत अभियान का शुभारंभ भी किया। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से वाराणसी में भी पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि अलग-अलग जगहों से जुड़े और उनका सम्बोधन सुना। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भाजपा के हर कार्यकर्ता के लिए दल से बड़ा देश है। जहां दल से बड़ा देश हो ऐसे कर्मठ कार्यकताओं से बात करने का मेरे लिए भी एक अवसर है। मैं भी बहुत उत्सुक हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत आप सभी कार्यकर्ता हैं। प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री कोई बूथ कार्यकर्ता की सूचना पर ही सफल रणनीति बनाता है। हम भाजपा के वो कार्यकर्ता नहीं है। जो एसी में बैठकर पार्टी चलाते है। हम गांव.-गांव जाकर सर्दी और बारिश में हर मौसम में जनता के बीच खुद को खपाते है। इसके चलते उनका मजबूत होना स्वाभाविक है। बूथ कमेटी के चलते

उज्जवला योजना का विचार हुआ। हमें गांव के कार्यकर्ता ने ही उज्जवला योजना के बारे में समझाया था। इसके बाद में नीति बनी और योजना घर. घर तक पहुंची। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में भागीदारी के बाद प्रदेश के पूर्व मंत्री और शहर दक्षिणी विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने कहा कि भाजपा साल में 365 दिन जनता के बीच कार्य करती है। संगठन की रचना,संगठन के कार्य और कार्य विधि पर पार्टी लगातार काम करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वैश्विक महामारी कोरोना काल में पार्टी संगठन के कार्यकताओं ने सेवा का संकल्प लेकर कार्य किया। आज मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान में प्रधानमंत्री को देशभर के कार्यकर्ताओं ने मंडल, शक्ति केन्द्र,बूथ स्तर पर सुना । भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एक.- एक व्यक्ति को पार्टी से जोड़ने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। प्रधानमंत्री ने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से जुड़कर यह दिखाया है कि कैसे भारतीय जनता पार्टी अन्य राजनीतिक दलों से अलग है। भाजपा अपने सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को सम्मान देती है। इस कार्यक्रम के माध्यम से बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को बताया गया कि वह कैसे जन.- जन तक केंद्र सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं को लेकर जाएं। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से भाजपा के काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल गंगा नगर कालोनी भदऊ चुंगी स्थित कुशवाहा लान से कार्यकताओं संग जुड़े। इसी तरह राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार रविन्द्र जायसवाल शहर उत्तरी कार्यालय गुलाब बाग कार्यालय, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु मातेश्वरी गेस्ट हाउस नई बस्ती लक्सा, महापौर अशोक तिवारी श्री विष्णु मंदिर अस्सी, शहर दक्षिणी विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी बड़ी पियरी स्थित बरनवाल धर्मशाला से कार्यकताओं और प्रबुद्ध लोगों के साथ संवाद कार्यक्रम से जुड़े। इसी क्रम में कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव बत्रा हाउस श्रीनगर कालोनी सिद्धि गिरी बाग, विधान परिषद सदस्य अशोक धवन जलहरेश्वर महादेव मंदिर, महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय मुंशी प्रेमचंद ब्रिज इनक्लेव कालोनी में कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से जुड़े रहे।

'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री को सुना

मेरठ, (हि.स.)। केंद्र सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर मंगलवार को मेरा बूथ, सबसे मजबूत के तहत बूथों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को सुना। इस दौरान कार्यकर्ता जोश में भर उठे और 2024 में फिर से भाजपा को प्रचंड बहुत दिलाने का संकल्प लिया। मेरा बूथ, सबसे मजबूत संवाद कार्यक्रम का आयोजन मेरठ जिले में 50 स्थानों पर किया गया। मेरठ संसदीय क्षेत्र की मेरठ दक्षिण विधानसभा के शास्त्री नगर मंडल में सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने भाग लिया। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का प्रेरणादायक उद्बोधन सुना। प्रधानमंत्री के उद्बोधन को सुनने के बाद भाजपा कार्यकर्ता जोश में भर गए और 2024 में

भाजपा को प्रचंड बहुत से जिताने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सांसद कांता कर्दम, राज्य महिला आयोग की सदस्य राखी त्यागी, पूर्व विधायक र-विंद्र भड़ाना, प्रदीप कपूर, डॉ. वकुल रस्तोगी, आलोक सिसोदिया, सीमा श्रीवास्तव, पंकज कतीरा आदि उपस्थित रहे। दौराला मण्डल में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, स-ुशासन और गरीब कल्याण के नौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उनके संवाद कार्यक्रम को कार्यकर्ताओं ने सुना। इस अवसर पर क्षेत्रीय मंत्री इंद्रपाल बजरंगी, पूर्व जिलाध्यक्ष अनुज राठी, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश पाल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख राहुल देव, रवि बटजेवरा, मनिंदर विहान, नितिन शर्मा, विनोद चिरोड़ी, विक्रांत अहलावत, हरेंद्र चौधरी, भरत सिंह, मनोज चिरोड़ी आदि उपस्थित रहे।

दिव्यांगजन को पहले मिलते थे तीन सौ रुपये पेंशन, 15 सौ देने पर विचार - नरेन्द्र कश्यप

लखनऊ, (हि.स.)। दिव्यांग सलाहकार बोर्ड की बैठक में पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि दिव्यांगजन को उत्तर प्रदेश में तीन सौ रुपये पेंशन के रुप में मिलते थे, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार आयी तो एक हजार रुपये मिलने लगे। अब हमारी सरकार 15 सौ रुपये करने पर विचार कर रही है। राज्यमंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि बोर्ड की बैठक में दिव्यांगजन से जुड़े सभी अधिकारियों को बुलाया गया था और उनके कार्यो की समीक्षा की गयी। उन्हें आगामी योजनाओं के तहत सक्रिय भूमिका निभाते रहने के निर्देश दिये गये है। वहीं अधिकारियों ने भी दिव्यांगजन को सरकारी योजनाओं का हर स्थिति में लाभ दिलाने का विश्वास दिलाया है। सरकार की योजना दिव्यांगजन को लाभान्वित करें, इसके लिए अधिकारियों ने सूची बनाकर कार्य करने को कहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में सभी दिव्यांगजन को आगामी योजना में सूचीबद्ध किया जायेगा। जिससे कोई भी दिव्यांगजन सरकारी योजनाओं का लाभ लेने से छूट न जाये। दिव्यांगजन के लिए सरकार की ओर से आधुनिक उपयोगी वाहनों को उपलब्ध कराया जा रहा है। दिव्यांगजन को वाहनों के वितरण के लिए कई कार्यक्रम हो चुके हैं। आगे भी वितरण कार्यक्रम कराये जायेंगे।

कार्यकर्ताओं को ऊर्जस्वित कर गया पीएम का संवादः सदानंद

- गोरखपुर क्षेत्र के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने "मेरा बूथ-सबसे मजबूत" कार्यक्रम में सुना पीएम मोदी का वर्चुअल संवाद

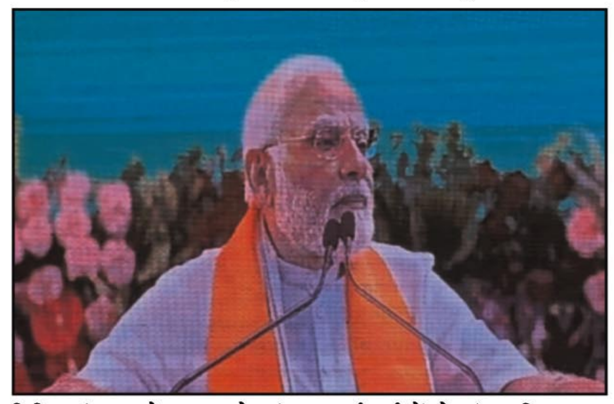

गोरखपुर, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यक्रम "मेरा बूथ, सबसे मजबूत" अभियान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली संबोधित किया। मंगलवार को भोपाल में हुए इस आयोजन से गोरखपुर क्षेत्र के पदाधिकारी और बूथ स्तर के कार्यकर्ता भी जुड़े रहे। सबने प्रधानामंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्चुअली विचारों को सुना। पीएम का संवाद सुन सभी ऊर्जस्वित थे। क्षेत्रीय अध्यक्ष सदानंद राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान "मेरा बूथ, सबसे मजबूत" से आत्मनिर्भर भारत को बल देने वाला रहा। यह विकसित भारत की संकल्पना की सिद्धि एवं भारत के महान लोकतंत्र को और अधिक सहभागी बनाने के एक आंदोलन के समान है। यह "नए भारत" के "नए संकल्पों" से भाजपा कार्यकर्ताओं को जोड़ने का प्रयास भी है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भोपाल में भाजपा के समर्पित व कर्मठ कार्यकर्ताओं से संवाद किया। इस संवाद को गोरखपुर क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने भी सुना। पीएम का यह संवाद भाजपा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार कर गया। कार्यकर्ताओं के दृष्टिकोण को भी समृद्ध करने में मददगार साबित होगा।

रामपुर-बरेली के बीच दुगनपुर में बनेगी लूप लाइन, जुलाई में तैयार होगा खाका

मुरादाबाद, (हि.स.)। मुरादाबाद रेल मंडल में रसुइया के बाद अब रामपुर-बरेली के बीच दुगनपुर में लांग हाल लूप लाइन बनाने की तैयारी हो रही है। जुलाई में इसका खाका तैयार होगा। यह जानकारी मुरादाबाद रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (कोचिंग) सुधीर सिंह ने मंगलवार को दी। सिंह ने बताया कि मंडल में रसुइया के बाद अब दुगनपुर में लांगहॉल लूप लाइन का प्रस्ताव है। लूपलाइन का काम जुलाई में शुरू होगा। इसके लिए ब्लॉक लेने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। ब्लॉक से ट्रेन संचालन पर असर पड़ेगा, पर लूप लाइन बनने से ट्रेन संचालन व्यवस्था में सुधार होगा। मालगाड़ियों को लूप लाइन पर रोककर यात्री ट्रेनों को तेजी से

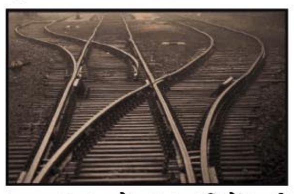

चलाया जा सकेगा। इन दिनों यात्री ट्रेनों की रफ्तार में बड़ी बाधा मालगा-ड़ियां बनी हैं। कारोबार में वृद्धि और ज्यादा माल ढुलाई के लिए रेलवे अब लांग हॉल तक संचालित कर रहा है, लेकिन डबल लोड लिए मालगाड़ियों से यात्री ट्रेनों की रफ्तार को झटका लग रहा है। रेल मंडल में ट्रेनों की स्पीड में लाल सिग्नल मालगाड़ियां बनी हुई हैं। कोयला, अनाज आदि सामान लेकर चल रही मालगाड़ियों का सीधा असर यात्री ट्रेनों के संचालन पर पड़ा है। उन्होंने बताया कि रेल प्रशासन यात्री ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाने के लिए मालगाड़ियों के लिए अलग से लांगहाल लूप लाइन बनाने की योजना पर काम चल रहा है। लखनऊ रेल मार्ग पर मुरादाबाद-श-ाहजहांपुर रूट पर गाड़ियों का संचालन सर्वाधिक है। मालगाड़ियों को कहीं भी रोका नहीं जा सकता, लेकिन इससे यात्री ट्रेनों को आधा घंटे के सफर में एक से डेढ़ घंटे का समय लगा रहा है। रेलवे ने संचालन में सुधार के लिए बरेली-शाहजहांपुर के बीच रसुइया में लांग हॉल लूप लाइन तैयार की है। अब रेल प्रशासन ने रामपुर-बरेली के बीच दुगनपुर स्टेशन पर लांग हॉल लूप लाइन तैयार करेगा। क्रासिंग में ट्रेनों को बिना रोके सीधे रवाना किया जा सकेगा।

अवैध कब्रिस्तान को हटाए सरकार, बचे काम को भी जल्द करे पूराः बाबूलाल मरांडी

-भाजपा विधायक दल के नेता ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र

रांची, (हि.स.)। भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को मुख्य सचिव को पत्र लिखकर राष्ट्रीय राजमार्ग-75 का बचा काम जल्द पूरा कराने की अपील की है। साथ ही कहा है कि बचे काम को जल्दी पूरा करने से बिहार, यूपी, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जाने-आने में लोगों को सहूलियत होगी। बाबूलाल के मुताबिक एनएच-75 के रेहला-गढ़वा बाई पास रोड के शेष भाग 1.7 किमी का कार्य भूमि की अनुपलब्धता के कारण पूरा नहीं हो सका है। इस संबंध में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद के सदस्य राजेंद्र तिवारी ने भी इस मसले को उठाया है। मरांडी का कहना है कि एनएच-75 के निर्माण का कार्य वर्ष 2019 में एकरारनामा हुआ था। लगभग 90 फीसदी काम पूरा किया जा चुका है। शेष 1.7 किमी के निर्माण कार्य गैर मजरूआ जमीन पर अनाधिकृत रूप से बने कब्रिस्तान के चलते इस परियोजना का कार्य पूरा होने में बाधा आ रही है। इसका समाधान अत्यंत जरूरी है। इस संबंध में गढ़वा अंचल द्वारा बताया जा चुका है कि कब्रिस्तान अवैध रूप से गैर मजरूआ जमीन पर है। सीओ, गढवा द्वारा इस अतिक्रमण को हटाने का आदेश भी 6 मार्च, 2019 को दिया गया था।ड-ीसीस गढ़वा के स्तर से भी 21 दिसंबर, 2022 को अतिक्रमण हटाने को मजिस्ट्रेट प्रतिनियुक्त किया गया था लेकिन अतिक्रमण अब तक नहीं हटाए जाने से इस एनएच पथ का कार्य पूरा नहीं हो सका है। बाबूलाल ने यह भी कहा है कि इस सड़क के निर्माण का विरोध करने वालों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। 11 दिसंबर, 2020 को जब कोर्ट ने इस पर संज्ञान लिया तो याचिकाकर्ता किसी भी सबूत या दस्तावेज को दिखाने में विफल रहे।

स्थानीय नीति और नियोजन नीति नहीं बनी तो खत्म हो जाएगा सरकार का अस्तित्व : अमित महतो

रांची, (हि. स.)। खतियानी झारखंडी पार्टी के नेता अमित महतो ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि स्थानीय नीति-नियोजन नीति नहीं बनी तो सरकार का अस्तित्व खत्म हो जायेगा। इस सरकार को जनता मुंह तोड़ जवाब देगी। सत्ता में बैठी सरकार अमित महतो से डरती है, इसलिए जेल भेजने का काम कर रही है। महतो ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 2709 किलोमीटर मैराथन के माध्यम से राज्य के लोगों को एक साथ जोड़ने का काम किया है। इस दौरान राज्य में घूम कर देखा कि यहां बेरोजगार की फौज खड़ी है। सरकार अपनी प्राथमिकता में व्यस्त है। अपने लिए महंगी गाड़ी, बंगला और अपने फायदे के लिए बेरोक्रेट्स को आगे

रखकर राज्य को लूटने का काम किया जा रहा है। आज के समय किसी भी जगह पैसे के बिना काम नहीं होता है। ईडी राज्य में रोज नये खुलासे कर रही हैं। अब तक कई अधिकारी जेल जा चुके हैं। आने वाले समय में और लोग भी सलाखों के पीछे होंगे। अमित महतो ने कहा कि सोनाहातू थाना में 2006 में कांड संख्या 42 में तत्कालीन सीओ आलोक कुमार ने षड्यंत्र के तहत मुझे जेल भेजने का काम किया। 23 मार्च, 2018 में मुझे दो साल की सजा हुई। इस वजह से मेरी विधायकी चली गयी। सीओ ने एफआईआर में गलत जब्ती सूची प्रस्तुत करके जेल भेज दिया। हाई कोर्ट में अपील किया था तो 2 मई, 2023 को 2 साल की सजा को घटाकर एक साल कर दिया गया। तीन अगस्त 2022 को स्थानीय नीति-नियोजन नीति को लेकर विधानसभा का घेराव किया। लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत आंदोलन किया लेकिन सरकार ने गलत मानसिकता के तहत मेरे ऊपर केस किया। सिविल कोर्ट और हाई कोर्ट दोनों में बेल के लिए अपील की लेकिन बेल अर्जी खारिज कर दिया गया। इसी को लेकर वह रांची कोर्ट में आत्मसमर्पण करेंगे।

नियमितीकरण की नीति पर सही ढंग से कार्य नहीं हो रहा : हाई कोर्ट

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस डॉ. एसएन पाठक की अदालत ने नियमितीकरण की मांग को लेकर दाखिल सभी याचिकाओं को एक साथ सूचीबद्ध कर 27 जुलाई को सुनवाई का निर्देश दिया है। अदालत ने चार इश्यू फ्रेम किए हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि वर्ष 2012 में नरेंद्र कुमार तिवारी के मामले में आए जजमेंट के बाद भी कई मामले हाईकोर्ट के समक्ष आ रहे हैं और सरकार नियमितीकरण की अपनी नीति पर सही ढंग से कार्य नहीं कर रही है। अब अदालत 27 जुलाई

को इस मामले में सुनवाई करेगा। याचिकाकताओं की ओर से हाई कोर्ट के वरीय अधिवक्ता अनिल सिन्हा, प्रशांत पल्लव,सौरव अरुण और अमृतांश वत्स ने पक्ष रखा। इस संबंध में नितिन कुमार भगत समेत 100 से ज्यादा कॉन्ट्रैक्ट कर्मियों ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है।

डीएम ने नवनिर्वाचित मेयर उपमेयर,वार्ड पार्षदों को दिलाई पद एवं गोपनीयता की शपथ

सहरसा, (हि.स.)। नगर निगम चुनाव में नवनिर्वाचित मेयर उपमेयर एवं सभी 46 वार्ड पार्षद को विकास भवन के सभागार में मंगलवार को डीएम वैभव चौधरी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सर्वप्रथम मेयर बैन प्रिया को डीएम ने शपथ दिलाई।तत्पश्चात उपमेयर परवेज हयात ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण किया। वही सामूहिक रूप से सभी 46 वार्ड पार्षदो को शपथ दिलाई गई। इस मौके पर डीएम ने नवनिर्वाचित मेयर, उपमेयर व पार्षदों को बधाई व शुभकामना दी। वही सभी सदस्यो को एक साथ मिल जुलकर सहरसा नगर निगम को सुन्दर बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। नगरपालिका द्वारा दिये गए निहित अधिकार एवं कर्तव्यों का बेहतर ढंग से पालन करें। जिससे किसी भी सदस्य को कोई नुकसान या कठिनाई का सामना नही करना पड़े। शपथ ग्रहण के बाद मेयर बैन प्रिया ने कहा कि सबसे पहले प्रशासन के सहयोग से सबको साथ लेकर चलना है। इसके साथ सबसे पहले शहर में व्याप्त जलजमाव की

समस्या का त्वरित समाधान किया जाना है। उन्होने कहा कि मॉनसून गिर गया है। अभी जल्दबाजी में कोई ठोस कदम नही उठाकर वैकल्पिक व्यवस्था कर जलजमाव की समस्या का निदान करुँगी।इसके बाद अतिक्रमण तथा जाम की समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होने कहा कि हमें सहरसा को स्वच्छ समृद्ध तथा सुन्दर सहरसा बनाना है। इसके लिए सबका साथ देने का आह्वान किया। उपमेयर परवेज हयात गुड्डू ने कहा कि शहर की सबसे मुख्य समस्या जलजमाव है। उसे सबसे पहले दूर करने का प्रयास करूँगा। साथ ही अतिक्रमण हटाकर सड़क की चौड़ाई कर सुन्दर सहरसा बनाने का प्रयास करेंगें।इस अवसर पर सामूहिक फोटोग्राफी तथा वृक्षारोपण कर शपथ ग्रहण समारोह का समापन किया गया।

एतिहासिक संवाद रहा 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गि-रिराज सिंह मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम में बेगूसराय जिले के म-टिहानी विधानसभा क्षेत्र बूथ नंबर-182 पर शामिल हुए। मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भोपाल से संबोधित कर रहे थे, जिसका यहां मौजूद कार्यकताओं ने सीधा प्रसारण सुना। मौके पर गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित स्वर्णिम कार्यकाल के नौ साल पूरे हुए हैं। नरेन्द्र मोदी ने भोपाल से पूरे देश के कार्यकताओं को बूथ विजय संकल्प अभियान की शपथ दिलाई। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के सीधा संवाद कार्यक्रम का प्रसारण

बेगूसराय में कार्यकताओं के साथ सुना। ऊर्जावान उद्बोधन और मार्गदर्शन कार्यकताओं को उत्साहित कर जनसेवा से जोड़ने वाला रहा। भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार वर्मा ने कहा कि बूथ विजय कर हम 2024 के चुनावों को भारी बहुमत से जीतेंगे। ऐसा हम सब कार्यकताओं का संकल्प है। पूर्व राष्ट्रीय मंत्री-सह-पूर्व विधान पार्षद रजनीश कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री के उद्बोधन और कार्यकताओं के संग हुए संवाद ने हम सबके बीच एक नई ऊर्जा प्रदान की है। नए संकल्प के साथ हम लोग 2024 में भारी मतों से विजय प्राप्त कर पुनः नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने का काम करेंगें। सांसद प्रतिनिधि-सह-मुंगेर जिला प्रभारी अमरेन्द्र कुमार अमर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र का संबोधन हम सभी कार्यकताओं के लिए उत्साहवर्धन का काम करता है। आज देश ही नहीं, पूरे विश्व में नरेन्द्र मोदी के नाम का डंका बज रहा है। विदेशों में भी बढ़ती लोकप्रियता के कारण नरेन्द्र मोदी के विरोधियों के आंखों की नींद गायब है। कार्यक्रम में लोकसभा संयोजक कृष्ण मोहन पप्पू, जिला उपाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार वीरेश, जिला प्रवक्ता शुभम कुमार एवं भाजयुमो जिलाध्यक्ष सुमित सन्नी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वित्तीय समावेशन एवं रोजगार सृजन के लिए महत्वपूर्ण है पीएम स्वनिधि योजना : डीएम

बेगूसराय, (हि.स.)। वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने तथा रोजगार सृजन के लिए शासन-प्रशासन लगातार प्रयास कर रही है। मंगलवार को कारगिल भवन में आयोजित जिला स्तरीय परामर्शदातृ समिति (डीएलसीसी/डीएलआरएसी) के बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम रोशन कुशवाहा ने इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिया है। डीएम ने बैंकों को वित्तीय समावेशन का महत्वपूर्ण जरिया बताते हुए कहा कि बैंक ना सिर्फ रोजगारपरक समाज के निर्माण में सहायक है, बल्कि अपनी वित्तीय गतिविधियों से नागरिकों के आर्थिक सामाजिक सशक्तिकरण में प्रभावी भूमिका अदा कर सकता है। उन्होंने बैंकों के प्रतिनिधियों से अपील किया कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को प्राथमिकता में रखते हुए आवेदकों को उनकी पात्रता के अनुरूप ससमय ऋण उपलब्ध कराने का प्रयास करें। विभिन्न बैंकों की सीडी रेशियो की समीक्षा में अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक ने बताया कि मार्च 2023 तिमाही के दौरान जिला का सीडी रेशियो 71.19 प्रतिशत है। जो कि राज्य के सीडी रेशियो 53.01 प्रतिशत से अधिक हैं एवं पूरे बिहार में छठे स्थान पर है। डीएम ने सीडी रेशियो 50 प्रतिशत से नीचे रहने वाले बैंकों को अपने प्रदर्शन में सुधार लाने का निर्देश दिया। अग्रणी जिला बैंक

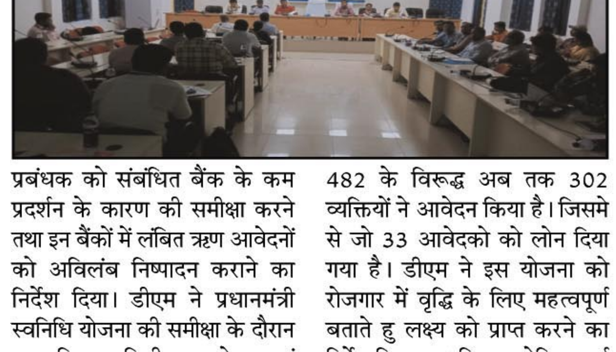

प्रबंधक को संबंधित बैंक के कम प्रदर्शन के कारण की समीक्षा करने तथा इन बैंकों में लंबित ऋण आवेदनों को अविलंब निष्पादन कराने का निर्देश दिया। डीएम ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि यह वित्तीय समावेशन एवं रोजगार सृजन की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण योजना है। इसलिए इस योजना के तहत प्राप्त आवेदनों के संबंध में ससमय कार्रवाई करते हुए आवेदकों को निर्धारित राशि उपलब्ध कराएं। अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक मोती कुमार साह द्वारा बताया गया कि जिले में इस योजना के तहत अब तक 4019 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें से 2252 आवेदनों को स्वीकृति करते हुए 2252 लाभुकों को राशि उपलब्ध करा दी गई है। 30 जून तक शत-प्रतिशत लाभुकों को आच्छादित कर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री रोजगार गा-रंटी योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले का कुल लक्ष्य 482 के विरूद्ध अब तक 302 व्यक्तियों ने आवेदन किया है। जिसमे से जो 33 आवेदको को लोन दिया गया है। डीएम ने इस योजना को रोजगार में वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण बताते हु लक्ष्य को प्राप्त करने का निर्देश दिया गया। किसान क्रेडिट कार्ड योजना (केसीसी) की समीक्षा में बताया गया कि मार्च 2023 तिमाही के दौरान इस योजना के तहत कुल उपलब्धि 57 प्रतिशत है। डीएम ने कमतर प्रदर्शन करने वाले बैंको के प्रति खेद जताया। बैठक में प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना, अटल पेंशन योजना, क्षेत्र विकास योजना के तहत डेयरी, मत्स्य पालन, पोल्ट्री के साथ-साथ शिक्षा एवं आवास योजना, जीविका से संबंधित एसएचजी एवं जेएलजी, पीएमईजीपी मुद्रा आदि की भी समीक्षा की गई तथा आवश्यक प्रगति लाने का निर्देश दिया गया।

संपादकीय

उग्रवाद की वापसी!

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर पर सर्वदलीय बैठक भी हो गई। गृहमंत्री अमित शाह ने अध्यक्षता की, क्योंकि प्रधानमंत्री विदेशी प्रवास पर थे। बैठक के निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं किए गए। अलबत्ता गृहमंत्री ने राज्य के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को हटाने से इंकार कर दिया। मुख्यमंत्री ने दिल्ली में गृहमंत्री शाह से मुलाकात कर मणिपुर के हालात का खुलासा किया। दावा किया जा रहा है कि 13 जून के बाद कोई भी हताहत नहीं हुआ। यह सरकारी कथन अपने आधार पर सही हो सकता है, लेकिन हकीकत देश के सामने है। मणिपुर में उग्रवाद का जो पुराना दौर लौट रहा है, वह किसी भी हताहत, अराजकता, आगजनी, अवैध हथियार और गोला-बारूद से ज्यादा खतरनाक है। करीब 1500 महिलाओं की भीड़, कथित सेना, ने जिन 12 उग्रवादियों को सरकारी हिरासत से छुड़वाया है, वह कोई बेहतर स्थिति नहीं है। यह प्रवृत्ति बड़ी भयावह है। मणिपुर के गली-मुहल्लों में कथित उग्रवादी भीड़ की ही हुकूमत है। मुक्त कराए गए उग्रवादी प्रतिबंधित संगठन 'कंग्लेई यावोल कन्ना लुप' (केवाईकेएल) के सदस्य हैं। यह संगठन मैतेई समुदाय से जुड़ा है। उनमें एक ऐसा हत्यारा उग्रवादी भी था, जिस पर 18 सैनिकों की जान लेने के आरोप हैं। इस स्थिति पर सर्वदलीय बैठक में कोई चर्चा नहीं हुई, क्योंकि विपक्ष मुख्यमंत्री को ही 'बलि का बकरा' बनाने पर आमादा था। मुक्त कराए गए 12 उग्रवादियों से बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए। सेना की टुकड़ी उन्हें अपने साथ जरूर ले आई। मणिपुर में उग्रवाद का लंबा दौर रहा है। गनीमत है कि आज वहां संविधान, लोकतंत्र और न्यायपालिका पूरी तरह लागू हैं, लिहाजा सरकार और प्रशासन भी कार्यरत हैं। यह स्थिति विद्रूप हो सकती है, जैसा वर्ष 2000 से पहले था। यदि मणिपुर में उग्रवाद की वापसी होती है, तो वह एक बार फिर शेष देश से कट सकता है। मणिपुर भी भारत का अंतरंग हिस्सा है, लिहाजा सरकार के स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री शाह और जिम्मेदार अधिकारियों को ज्यादा चिंतित होकर हस्तक्षेप करना चाहिए और एक भरे-पूरे राज्य को 'राख' होने से बचाना चाहिए। मैतेई और कुकी, नगा आदि समुदाय मणिपुर के अस्तित्व से ही वहां के निवासी हैं। उनके विरोधाभास भी 'सनातन' हैं, लेकिन 'भीड़तंत्र' के जरिए उग्रवाद लौट रहा है। राज्य के आधा दर्जन जिलों-विष्णुपुर, इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, उखरुल, चूराचांदपुर, कंगपोक्पी-में 'भीड़तंत्र' सेना, सुरक्षा बलों, पुलिस के ऑपरेशनों पर हावी है। हालांकि सुरक्षा बल और सेना ने अपने ऑपरेशनों के दौरान मणिपुरी जनता के प्रति धैर्य, संयम दिखाया है, लेकिन 'भीड़तंत्र' ने हमारे सैनिकों, जवानों को भी नहीं बख्शा है। भीड़ ने राज्य के मंत्री सुशींद्रो का एक और गोदाम जलाकर खाक कर दिया है। बीती 23 जून को मंत्री का ही एक गोदाम जला दिया गया था। इस स्थिति को केंद्रीय गृहमंत्री और मुख्यमंत्री क्या कहेंगे? भाजपा के कार्यालय में भी आगजनी की गई है। हजारों लोग मणिपुर से विस्थापित हो चुके हैं। बेशक मरने वालों की संख्या सरकार कम बता रही है, लेकिन मणिपुर अशांत है, लगातार जल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा 'डबल इंजन सरकार' पर बहुत इतराते रहे हैं, लेकिन मणिपुर के जमीनी हालात देखकर कहा जा सकता है कि राज्य सरकार का इकबाल बिल्कुल खत्म हो चुका है। एक इंजन भी फेल हो चुका है। 'भीड़तंत्र' की आड़ में उग्रवादी, दंगई, अतिवादी सक्रिय हैं, जिनकी आज अपनी हुकूमत है। मैतेई और अन्य जनजातियों के विभाजन कोई जातीय नहीं, राजनीतिक मुद्दा है। यह सामाजिक समस्या भी नहीं है, लिहाजा केंद्र सरकार को दखल देकर राज्य सरकार और प्रशासन का 'इकबाल' बहाल करना होगा। राज्य में नागरिकों का भरोसा जीतना होगा। दिल्ली में जंतर-मंतर पर बैठे मणिपुरियों को यह कहने की नौबत नहीं आनी चाहिए कि मुख्यमंत्री ने उन्हें अलग कर दिया है, लिहाजा उन्हें अपनी सरकार, अपना प्रशासन दिया जाना चाहिए। एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल मणिपुर भेजने के कोई फायदे नहीं हैं। हरसंभव कोशिश की जानी चाहिए कि मणिपुर में उग्रवाद की वापसी न हो।

मणिपुर के गली-मुहल्लों में कथित उग्रवादी भीड़ की ही हुकूमत है। मुक्त कराए गए उग्रवादी प्रतिबंधित संगठन 'कंग्लेई यावोल कन्ना लुप' (केवाईकेएल) के सदस्य हैं। यह संगठन मैतेई समुदाय से जुड़ा है। उनमें एक ऐसा हत्यारा उग्रवादी भी था, जिस पर 18 सैनिकों की जान लेने के आरोप हैं। इस स्थिति पर सर्वदलीय बैठक में कोई चर्चा नहीं हुई, क्योंकि विपक्ष मुख्यमंत्री को ही 'बलि का बकरा' बनाने पर आमादा था। मुक्त कराए गए 12 उग्रवादियों से बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए।

कुछ अलग

जी का जंजाल बनी वन भूमि

एक बार फिर पहाड़ अपनी ही परिभाषा से लड़ रहा है। पहाड़ के मायनों को वन संरक्षण के अधिनियम की जंजीरों से इतना बांध दिया गया है कि अब हिमाचल जैसे राज्यों को भी सोचना होगा कि भविष्य के लिए कितना जल, कितना जंगल और कितनी जमीन चाहिए। हिमाचल के कुछ स्वाभाविक प्रश्न जो पूछे जा सकते हैं, क्या पहाड़ जमीन नहीं? क्या पहाड़ जीवन नहीं? क्या पहाड़ में होना सिर्फ कानूनों की फेहरिस्त में जीना बना रहेगा। आबादी को अगर पेड़ चाहिए, तो चलने को रास्ता-खेलने को मैदान भी चाहिए। मैदानी राज्यों की आय अगर शहरीकरण, औद्योगीकरण, कनेक्टिविटी या आधुनिक अधोसंरचना निर्माण से बढ़ रही है, तो हिमाचल जैसे पर्वतीय राज्य को कब तक बंधक बनाएंगे। ताजातरीन उदाहरण शिमला विकास योजना की परिधि में फंसी उस इच्छा शक्ति को लेकर है, जो विजन 2041 के तहत हिमाचल की राजधानी का नया आकार देख रही है। शहर मौजूदा ढाई लाख की आबादी को अगले दशकों में करीब सवा छह लाख तक पहुंचता हुआ देख रहा है। ऐसे में एनजीटी की आंख और विकास की आंख में ही अंतर नहीं, बल्कि वन संरक्षण अधिनियम नागरिक समाज के फैलते दायरे पर आंखें मूंदे बैठा है। अगले कुछ सालों में हिमाचल के कमोबेश हर शहर नहीं, बल्कि गांव को भी फैलना है। जाहिर है तब यह विकास नागरिक समाज की उत्कंठा में कई दबाव पैदा करेगा, जिसे अभी से संबोधित करना होगा। शिमला विकास परियोजना इन्हीं संकल्पों की बाट जो रही है, जिसे कबूल है-कबूल है सुनने से पहले एनजीटी के आगे माथा रगडऩा होगा। बहरहाल सुप्रीम कोर्ट से मिली आरंभिक राहत से अब सुकून पाने का सबब पुख्ता हो रहा है। ऐसी अनेक अनापत्तियों के दरम्यान पहाड़ के मायने कराहने लगे हैं या जीने की व्यावहारिकता में लग रही रोक से आजिज यह प्रदेश अब नए विकल्प खोजने लगा है। इसी विषय में कृषि मंत्री चंद्र कुमार का बयान भविष्य के अर्थ पढ़ रहा है। मंत्री के अनुसार सरकार एक प्रस्ताव के तहत केंद्र से जंगल की जमीन में फंस गई पारंपरिक घासनियों या चरागाहों को वापस लेना चाहती है, ताकि निचले क्षेत्रों के पशुधन को प्रचुर मात्रा में चारा मिल सके। यह बहुत पुरानी बात नहीं है, जब गांव के पशु एक साथ सार्वजनिक चरागाहों में अपने भोजन की तलाश नियमित रूप से पूरी करते थे। हिमाचल को अगर डेयरी के जरिए संसाधन पैदा करने हैं, तो जंगल की तफतीश में चरागाहों को मुक्त कराना होगा। दुर्भाग्यवश जंगल-जंगल के खेल में हिमाचल ने अमंगल को रसीद कर लिया। इस वजह से विकास का हर पांव जंगल में फंसा है, जबकि अब तो जीने का सामान भी वन भूमि के कब्जे में चला गया है। हद तो यह कि अगर श्मशानघाट भी बनाना हो तो अनुमति पाने तक कई मृतकों को सजा देनी पड़ती है। आश्चर्य यह भी कि जंगलों के प्रबंधन के लिए एक भारी अमला राज्य को ढोना पड़ता है और यह विभाग केवल मीन मेख निकालने का एक पुर्जा साबित हो रहा है। धर्मशाला स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत स्ट्रीट लाइट के चार स्मार्ट पोल व स्मार्ट रोड की पूरी परिभाषा को सिर्फ वन विभाग बाधित कर रहा है, तो कहीं जनतंत्र पर यह विभाग भी भारी है। प्रदेश अपनी 70 फीसदी जमीन वन को देकर अगर तलबे चाट रहा है या इसके एवज में हमें आवारा पशु एवं वण्य प्राणी मिल रहे हैं, तो यह राज्य की तरक्की व नागरिक अधिकारों के लिए जी का जंजाल ही बन रहे हैं। वनों से भूमि को वापस लिए बिना हिमाचल के आर्थिक उत्थान का ढांचा मुकम्मल नहीं होगा और न ही नागरिक समाज के जीवन में खुशियों का आभास होगा। बेशक हिमाचल को अपने वनों के मार्फत पर्यावरणीय संतुलन, भैगोलिक परिस्थितियां तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का मुकाबला करना होगा, लेकिन किसी भी सूरत प्रदेश की पचास फीसदी से अधिक जमीन जंगलों के अधीन नहीं आनी चाहिए। निचले इलाकों में तो कतई नहीं।

भारत को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते धन बाजारों में से एक के रूप में स्थापित करता है

नये भारत में भी प्रतिभा पलायन का जारी रहना चिंता की बात है

ललित गर्ग

पिछले वर्ष की तुलना में यह करोड़पतियों के देश छोड़कर जाने की 7500 की संख्या भले ही कुछ सुधरी है, लेकिन नये बनते, सशक्त होते एवं आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर भारत के लिये यह चिन्तन का विषय होना ही चाहिए कि किस तरह भारत की समृद्धि एवं भारत की प्रतिभाएं भारत में ही रहें। रिपोर्ट के अनुसार, उच्च निवल मूल्य वाली व्यक्तिगत आबादी के 2031 तक 80 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान है, जो इस अवधि के दौरान भारत को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते धन बाजारों में से एक के रूप में स्थापित करता है। यह वृद्धि मुख्य रूप से देश के भीतर संपन्न वित्तीय सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों द्वारा संचालित होगी।

धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का सिलसिला चिन्ताजनक है। ऐसे क्या कारण हैं कि लोगों को देश की बजाय विदेश की धरती रहने, जीने, व्यापार करने, शिक्षा एवं रोजगार के लिये अधिक सुविधाजनक लगती है, नये बनते भारत के लिये यह चिन्तन-मंथन का कारण बनना चाहिए। हेनले प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार, अनुमानित 6,500 हाई- नेट-वर्थ इंडिविजुअल्स (एचएनआई) के 2023 में भारत से बाहर जाने की संभावना है, पिछले वर्ष की तुलना में यह करोड़पतियों के देश छोड़कर जाने की 7500 की संख्या भले ही कुछ सुधरी है, लेकिन नये बनते, सशक्त होते एवं आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर भारत के लिये यह चिन्तन का विषय होना ही चाहिए कि किस तरह भारत की समृद्धि एवं भारत की प्रतिभाएं भारत में ही रहें। रिपोर्ट के अनुसार, उच्च निवल मूल्य वाली व्यक्तिगत आबादी के 2031 तक 80 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान है, जो इस अवधि के दौरान भारत को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते धन बाजारों में से एक के रूप में स्थापित करता है। यह वृद्धि मुख्य रूप से देश के भीतर संपन्न वित्तीय सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों द्वारा संचालित होगी। इसमें समृद्ध व्यक्तियों के भारत लौटने की प्रवृत्ति को भी देखा जा रहा है, और जैसे-जैसे जीवन स्तर में सुधार जारी है, यह अधिक संख्या में धनवान व्यक्तियों के भारत वापस आने का अनुमान लगाता है। लेकिन प्रश्न है कि भारत के करोड़पति आखिर नये बनते भारत एवं उसकी चिकित्सा, शिक्षा, आर्थिक, राजनीतिक, प्रशासनिक उज्ज्वलता के बावजूद क्यों विदेश जा रहे हैं? वैसे तो यह हर किसी का व्यक्तिगत अधिकार और चाहत हो सकती है कि वह कहां बसना और कैसी जीवनशैली चाहता है? लेकिन हाई नेटवर्थ वाले (अति समृद्ध) हमारे देशवासियों के देश छोड़ कर कहीं और बसने की तैयारी की ताजा रिपोर्ट बहुत कुछ कहती है। दुनियाभर में धन और निवेश प्रवासन के रुझान को ट्रैक करने वाली कंपनी की सालाना रिपोर्ट में अति समृद्ध भारतीयों का अपना सब-कुछ समेट कर हमेशा के लिए भारत से जुदा हो जाने का अनुमान अनेक प्रश्न खड़े करता है, सरकार को इन प्रश्नों पर गौर करने की जरूरत है। संतोष इस बात पर किया जा सकता है कि ऐसा कदम उठाने वाले इन अति समृद्धशालियों की संख्या पिछले साल की तुलना में लगभग एक हजार कम है। लेकिन यह संख्या समूचे विश्व में सर्वाधिक है। भारत के दृष्टिकोण से इस तथ्य का विश्लेषण ज्यादा जरूरी हो जाता है। जानना यह भी जरूरी है कि बचपन से जवानी तक का एक-एक पल देश में गुजारने और यहीं अमीर बनने का सफर तय करने के बाद देश से मोह भंग होने के कारण आखिर क्या हो सकते हैं? उम्मीद यह की जाती है कि देश में रहकर समृद्धि हासिल करने वाले समय आने पर देश को लौटाएंगे भी। सवाल यही है कि देश को लौटाने और फायदा देने का वक्त आता है तब एकाएक विदेश में जाकर बसने की ललक कैसे और क्यों पैदा हो रही है? अपने देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने के समय इस तरह की पलायनवादी सोच का उभरना व्यक्तिगत स्वार्थ, सुविधा एवं संकीर्णता को दर्शाता है। बड़ा सवाल यह भी उठना स्वाभाविक है कि आखिर क्या कमी है हमारे यहां? यह बात सही है कि गांव से कस्बे, कस्बे से शहर और शहरों से महानगरों में जाकर बसने की मानवीय प्रवृत्ति होती है। इसे विकास से भी जोड़ा जा सकता है। लेकिन जब यह दौड़ बहुत ज्यादा होने लगे और लोग अपनी जड़ें ही छोड़ने को आकुल दिखें तो सोचना जरूरी हो जाता है। मुम्बई, दिल्ली, बेंगलूरु जैसे महानगर दुनिया के दूसरे महानगरों को टक्कर देने वाले हैं। फिर भी अगर ये भारतीय विदेशी महानगरों को ही चुन रहे हैं, तो तमाम पहलुओं पर विचार भी करना होगा। यह इसलिए भी जरूरी है कि यह दौड़ भारतीय महानगरों से विदेशी महानगरों की तरफ ही है। विदेश में बसने की यह दौड़ ऐसे समय देखने को मिल रही है जब देश में विकास के नये कीतिमान स्थापित हो रहे हैं, जीवनशैली उन्नत एवं सुविधापूर्ण होती जा रही है, व्यापार एवं व्यवसाय की संभावनाओं को पंख लग रहे हैं। भारत दुनिया में साख एवं धाक जमा रहा है। दुनिया की नजरें भारत पर लगी हैं और यहां अनंत संभावनाओं को देखते हुए विदेशी भारत आ रहे हैं। फिर भारतीय विदेशों की ओर क्यों जा रहे हैं। अपने देश से ही पाने और मौका पड़ने पर देश को लौटाने की परिपाटी बरसों से है। सिर्फ क्वालिटी लाइफ को ही पलायन की वजह नहीं माना जा सकता। उन कारणों की तलाश भी करनी जरूरी है जिसकी वजह से लोग देश को छोड़कर कहीं ओर बसना चाहते हैं। सुरक्षित माहौल, अनुकूल कर ढांचा, सरल प्रशासनिक व्यवस्था, निवेश का माहौल, रोजगार, शिक्षा व चिकित्सा जैसी सुविधाओं की तरफ भी ध्यान देना होगा ताकि पलायन की इस प्रवृत्ति की रोकथाम हो सके। बात केवल करोड़पतियों की ही नहीं है, बल्कि भारत की प्रतिभाओं की भी है। उच्च शिक्षित प्रतिभाओं को भारत में उचित प्रोत्साहन एवं परिवेश न मिलने से वे भी विदेशों की ओर पलायन करती है। विदेशों में काम करने वाले भारतीय उच्च शिक्षित हैं और आमतौर पर उन्हें भारत में उपयुक्त करियर नहीं मिला। सिंगापुर जैसे देशों ने भारतीयों के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। इसके अलावा, स्कैंडिनेवियाई देश हैं, जिन्होंने आप्रवासन नियमों में ढील दी है, जिससे भारतीयों के लिए वहां जाना आसान हो गया है। सबसे बढ़कर, भारतीय आईटी पेशेवरों की अमेरिका में अत्यधिक मांग है। वैज्ञानिक और तकनीकी प्रवृत्ति पर आधारित विश्व स्तर पर ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था ने प्रतिभाशाली कर्मियों की बढ़ती मांग को जन्म दिया है। भारत विशेष रूप से यूरोपीय देशों के लिए प्रतिभाशाली और कुशल मानव संसाधनों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गया है। कई देश, इंजीनियरों, डॉक्टरों और संचार की भाषा के रूप में अंग्रेजी के साथ अन्य प्रमुख सेवा प्रदाताओं के रूप में भारतीयों की आंतरिक प्रतिभा से अवगत हैं, उनके लिए तेजी से अपने दरवाजे खोल रहे हैं। भारतीयों का एक बड़ा वर्ग विश्व की बड़ी कंपनियों में कार्यरत हैं। सूची में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एडोब, आईबीएम, पालो आल्टो नेटवर्क सहित अन्य शामिल हैं। क्या कारण है कि जन्मभूमि को जननी समझने वाला भारतवासी आज अपनी समृद्धि को भोगने या अपनी प्रतिभा का विदेश की चकाचौंध भरी धरती पर उपयोग करने और उन्हें लाभ पहुंचाने विदेश की ओर भागता है और वहां जाकर सम्पन्न एवं भोगवादी जीवन जीने लगता है? और यह भी नहीं कि बाहर जाने वाला हर व्यक्ति दक्ष होता है। क्या कारण है कि शस्य श्यामला भारत भूमि पर अपनी समृद्धि से विकास के नये क्षितिज उद्घाटित करने या अपनी प्रतिभा से देश को लाभान्वित करने की बजाय विदेश की धरती को लाभ पहुंचाते हैं। कारणों की लम्बी फहरिस्त में मूल है देश में अशांति, आतंक, जटिल कर-कानून व्यवस्था और हिंसा का ताण्डव होना? कारण है- शासन, सत्ता, संग्रह और पद के मद में चूर यह तीसरा राजनीतिक आदमी, जिसने जनतंत्र द्वारा प्राप्त अधिकारों का दुरुपयोग किया और जनतंत्र की रीढ़ को तोड़ दिया है।

भारत की रेटिंग कमजोर करता बढ़ता कर्ज

नरेंद्र मोदी सरकार के पहले 5 साल में जीडीपी के अनुपात में केंद्र सरकार का कर्ज 4 .2 फीसदी कम हुआ। सच्चाई यह भी है 2018-19 के बाद कोरोना काल में केंद्र सरकार का कर्ज बढ़ गया क्योंकि एक तरफ भारत की जीडीपी में विकास के बजाय संकुचन हुआ और लोगों को चिकित्सा सहायता, कोरोना टीकाकरण, ऋण चुकाने में छूट, विभिन्न प्रकार की सहायता आदि उपायों को अपनाना सरकार के लिए आवश्यक हो गया। इसके लिए उधार लेना सरकार की मजबूरी थी, क्योंकि कर राजस्व महामारी के दौरान भारी खर्च के लिए अपर्याप्त था। ऐसे में सरकारी कर्ज जीडीपी अनुपात जो वर्ष 2019-20 में 50 .9 प्रतिशत था, वह वर्ष 2020-21 में बढक़र 61 प्रतिशत हो गया। लेकिन कोरोना के बाद यह प्रतिशत वर्ष 2022-23 में घटकर मात्र 56 प्रतिशत रह गया है। यही वजह है कि मार्च 2023 में खुद कांग्रेस नेता पी . चिदंबरम ने माना था कि सरकार का पूरा फोकस राजकोषीय घाटे और कर्ज के प्रबंधन पर है और इसका श्रेय सरकार को दिया जाना चाहिए।

हालांकि विपक्षी दल कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि मोदी काल में देश पर कर्ज बढ़ा दिया है। लेकिन यह सही नहीं है। वास्तविकता यह है कि वर्ष 2013-14 में देश की कुल जीडीपी 112 लाख करोड़ रुपए थी और केंद्र सरकार का कुल कर्ज 58.6 लाख करोड़ रुपये था, यानी जीडीपी का 52.2 प्रतिशत। आज 2022-23 में जब जीडीपी 272 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है तो केंद्र सरकार का कुल कर्ज और देनदारियां, जो 152.6 लाख करोड़ रुपये हैं, जीडीपी के लगभग 56 प्रतिशत के बराबर हैं। हमें यह भी समझने की जरूरत है कि वर्ष 2018-19 में केंद्र सरकार का कुल कर्ज और देनदारी 90.8 लाख करोड़ रुपये थी, जबकि जीडीपी लगभग 189 लाख करोड़ रुपये थी। यानी केंद्र सरकार का कुल कर्ज और देनदारियां जीडीपी का महज 48 फीसदी थीं। दरअसल नरेंद्र मोदी सरकार के पहले 5 साल में जीडीपी के अनुपात में केंद्र सरकार का कर्ज 4.2 फीसदी कम हुआ। सच्चाई यह भी है 2018-19 के बाद कोरोना काल में केंद्र सरकार का कर्ज बढ़ गया क्योंकि एक तरफ भारत की जीडीपी में विकास के बजाय संकुचन हुआ और लोगों को चिकित्सा सहायता, कोरोना टीकाकरण, ऋष्ठा चुकाने में छूट, विभिन्न प्रकार की सहायता आदि उपायों को अपनाना सरकार के लिए आवश्यक हो गया। इसके लिए उधार लेना सरकार की मजबूरी थी, क्योंकि कर राजस्व महामारी के दौरान भारी खर्च के लिए अपर्याप्त था। ऐसे में सरकारी कर्ज जीडीपी अनुपात जो वर्ष 2019-20 में 50.9 प्रतिशत था, वह वर्ष 2020-21 में बढक़र 61 प्रतिशत हो गया। लेकिन कोरोना के बाद यह प्रतिशत वर्ष 2022-23 में घटकर मात्र 56 प्रतिशत रह गया है। यही वजह है कि मार्च 2023 में खुद कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने माना था कि सरकार का पूरा फोकस राजकोषीय घाटे और कर्ज के प्रबंधन पर है और इसका श्रेय सरकार को दिया जाना चाहिए।

चिंताजनक हैं राज्य सरकारों के कर्ज : जबकि केंद्र सरकार के राजकोषीय अनुशासन, जिसके लिए उसे अपने कट्टर विरोधियों से भी प्रशंसा मिलती है, ने केंद्र सरकार के ऋष्ठा को सीमा के भीतर रखा है, जबकि केंद्र और राज्य सरकारों का समग्र ऋष्ठा बढ़ता जा रहा है। इसका मुख्य कारण राज्य सरकारों की वित्तीय अनुशासनहीनता है। गौरतलब है कि 2013-14 में जहां राज्य सरकारों का कुल कर्ज और देनदारी जीडीपी का महज 22 फीसदी था, वहीं साल 2018-19 तक (कोरोना से पहले) यह 25.33 फीसदी पर पहुंच गया। हालांकि कोरोना के बाद स्वाभाविक तौर पर ये कर्ज और देनदारियां जीडीपी के 31.05 फीसदी तक और बढ़ गई थीं। इसलिए केंद्र सरकार और राज्य सरकारों का समग्र ऋष्ठा (जिसमें केंद्र सरकार के ऋष्ठा और देनदारियां और केंद्र सरकार को छोडक़र अन्य के प्रति राज्य सरकारों की देनदारियां शामिल हैं) 2013-14 में 67 प्रतिशत से 2020-21 में बढक़र 89.41 प्रतिशत हो गया।। इस वृद्धि में पूरा योगदान राज्य सरकारों के ऋष्ण-देनदारियों में वृद्धि का था।

कुछ राज्य सरकारों का बढ़ता कर्ज : जहां राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम के अनुसार राज्य सरकारों का ऋष्ठा और देनदारियां राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के 20 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए, 2020-21 तक देश के ज्यादातर राज्यों में कर्ज-जीडीपी अनुपात 20 फीसदी से ज्यादा पहुंच गया था। राज्य सरकारों के आंकड़ों के मुताबिक पंजाब में यह 48.98 फीसदी, राजस्थान में 42.37 फीसदी, पश्चिम बंगाल में 37.39 फीसदी, बिहार में 36.73 फीसदी, आंध्र प्रदेश में 35.30 फीसदी और मध्य प्रदेश में 31.53 फीसदी पहुंच गया। लेकिन कैग का कहना है कि अगर राज्य सरकारों के उद्यमों के कर्ज और राज्य सरकारों की गारंटी को भी इसमें शामिल कर लिया जाए तो राज्य सरकारों का कर्ज असल में कहीं ज्यादा है। कैग के अनुमान के मुताबिक यह पंजाब में जीडीपी का 58.21 फीसदी, राजस्थान में 54.94 फीसदी, आंध्र प्रदेश में 53.77 फीसदी, तेलंगाना और मध्य प्रदेश में क्रमशः 47.89 फीसदी और 47.13 फीसदी पहुंच गया था। सीएजी द्वारा परिकलित ऋष्ठा और देनदारियां इस संबंध में राज्य सरकारों द्वारा दिए गए आंकड़ों से 10 से 20 फीसदी अधिक हैं। अर्थात यह माना जा सकता है कि यद्यपि वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारों का समग्र ऋष्ठा सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 84 प्रतिशत है, लेकिन कैग के अनुमान के अनुसार केंद्र और राज्य सरकारों का समग्र ऋष्ठा सकल घरेलू उत्पाद के 90 प्रतिशत से अधिक है। क्यों बढ़ रहा है राज्यों का कर्ज : यह उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण और शहरी दोनों, के तहत गरीबों के लिए आवास के लिए भारी धनराशि के बावजूद, जिसमें 3 करोड़ घर पहले ही बन चुके हैं, कोरोना काल से अब तक 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज, किसी भी कृषि भूमि वाले सभी किसानों को किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत के तहत करोड़ों लोगों का 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज, बुनियादी ढांचे के निर्माण पर भारी खर्च, औद्योगिक उत्पादन को गति देने के लिए लगभग 3 लाख करोड़ रुपये के उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन, कोरोना के दौरान तमाम तरह की राहत और प्रोत्साहन के साथ-साथ पूरी आबादी का टीकाकरण के भारी खर्च के बावजूद केंद्र सरकार का ऋण सीमा के भीतर है, जबकि कई राज्य सरकारें राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने में विफल रही हैं। इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक का मानना है कि इस खतरे के पीछे मुफ्तखोरी का हाथ है। कर राजस्व का एक बड़ा हिस्सा मुफ्त योजनाओं पर खर्च होता है। पंजाब में यह 45.5 फीसदी है, जबकि आंध्र प्रदेश में यह खर्च 30.3 फीसदी है। इसी प्रकार मध्यप्रदेश एवं झारखण्ड में **कर राजस्व का क्रमशः** 28.8 प्रतिशत एवं 26.7 प्रतिशत मुफ्त योजनाओं पर व्यय किया जाता है। जीडीपी के प्रतिशत के रूप में देखा जाए तो पंजाब में जीडीपी का 2.7 प्रतिशत और आंध्र प्रदेश में जीडीपी का 2.1 प्रतिशत मुफ्त योजनाओं के लिए खर्च किया जाता है। आजकल कई राज्यों में अमीर और गरीब सभी को 100 से 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी और महिलाओं के लिए सार्वजनिक परिवहन में मुफ्त यात्रा, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, जैसी योजनाओं की बाढ़ सी आ गई है। यानी, चाहे किसी को मुफ्त बिजली/पानी/यात्रा की जरूरत हो या नहीं, यह सभी के लिए उपलब्ध है। मुफ्त की योजनाओं के कारण, वोट बटोरने के उद्देश्य से, प्रतिस्पर्धी लोकलुभावनवाद के कारण, राज्यों का कर्ज और इसलिए, देश का कुल कर्ज बढ़ रहा है, जिसे हमारी आने वाली पीढियों को वहन करना होगा।

नागरिक बोध

अंतरात्मा की आवाज बताती - क्या सही है और क्या गलत है?

नैतिक कम्पास एक शब्द है जिसका उपयोग हमारे सही और गलत की आंतरिक भावना का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो हमारे कार्यों को निर्देशित करने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। विवेक एक व्यक्ति की आंतरिक नैतिक भावना है जो उसे अपने व्यवहार को विनियमित करने के लिए मार्गदर्शन करती है। अंतरात्मा की आवाज एक आंतरिक आवाज से मेल खाती है जो आपके व्यवहार का न्याय करती है। अंतरात्मा की आवाज कई लोगों के लिए नैतिक निर्णय लेने का स्रोत है। विवेक को हम में से प्रत्येक के भीतर कुछ के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो हमें बताता है कि क्या सही है और क्या गलत है। इसलिए, यदि कोई निर्णय लेते समय अपने विवेक का उपयोग करता है तो वह इस बात से निर्देशित होगा कि क्या करना सही है और क्या गलत। पारंपरिक परीक्षण नैतिक निर्णय लेने के तरीकों को लागू करना है जैसे अधिकार सिद्धांत जो हमें दूसरों के अधिकारों का सम्मान करने और उनके प्रति अपने दायित्वों को पूरा करने के लिए बाध्य करता है। एक अन्य दृष्टिकोण है हितधारकों पर कार्रवाई के वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के संभावित लाभ और नुकसान का मूल्यांकन करना जो हमारे संभावित कार्यों से प्रभावित हो सकते हैं और शुद्ध लाभ को अधिकतम करने वाले को चुनें। हमारा विवेक हमारा आंतरिक मार्गदर्शक है और यह आपको यह पता लगाने में मदद करता है कि अच्छे चुनाव कैसे करें। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हम गलत से सही सीखते हैं। हमारा विवेक वह विचार और भावना है जो हमारे पास है जो हमें बताता है कि कुछ करना या कहना सही है या गलत। इस प्रकार विवेक की आवाज नैतिक निर्णय लेने के लिए एक सतत मार्गदर्शक है। एक व्यक्ति रुककर और मुद्दे के आयामों के बारे में सोच कर खुद को अंतरात्मा की आवाज सुनने के लिए तैयार कर सकता है। एक इंसान हमेशा निर्णय लेने की प्रक्रिया में नैतिक दुविधाओं का सामना करता है। विवेक की आवाज सही निर्णय लेने के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्य करती है जब हमें किसी दिए गए, आमतौर पर अवांछनीय या उलझन में डालने वाली स्थिति में सिद्धांतों के प्रतिस्पर्धी सेटों के बीच चयन करना होता है। उदाहरणः साक्षात्कार के लिए जाते समय दुर्घटना के शिकार व्यक्ति की सहायता करना। एक व्यक्ति की अंतरात्मा की आवाज विभिन्न दृष्टिकोणों से स्थिति का विश्लेषण करने और सही निर्णय लेने में मदद करती है। विवेक की आवाज बेहतर निर्णय लेने के लिए हितों के टकराव से बचने में मदद करती है। यह व्यक्तिगत लाभ और लोक कल्याण के बीच निर्णय लेने में मदद कर सकता है। विवेक की आवाज नैतिक मूल्यों और सिद्धांतों के आलोक में व्यावहारिक निर्णय लेने की हमारी क्षमता है। अंतरात्मा की आवाज एक व्यक्ति के सही और गलत के साथ-साथ उसके कार्यों की चेतना का नैतिक दिक्सूचक है।

देश दुनीया से

धरती से जुड़ा समाजशास्त्री साहित्यकार

समाज में कुछ विभूतियां ऐसी होती हैं कि वे अपने आप में ही सिमटी रहती हैं तथा प्रचार-प्रसार में ज्यादा ध्यान नहीं देती। शायद ऐसे लोग अंतरमुखी होते हैं और आडम्बर में विश्वास नहीं रखते। मेरा यह सौभाग्य ही था कि मेरी मुलाकात एक ऐसे ही व्यक्ति से हुई सन 1970 या बहत्तर में और परस्पर चाहत बढ़ती ही गई। उनसे बहुत कुछ सीखने को भी मिला और उनकी महानता, शालीनता और विद्वत्ता को पहचानने का भी अवसर मिला। बहुत ही आत्मीय थे मेरे मित्र ठाकुर बलदेव सिंह, माटी से जुड़ा हुआ एक ऐसा इनसान जो कन्या शिक्षा को समर्पित था, सामाजिक वर्जनाओं को जानता था और जो हृदय से स्नेह कोमल कवि था। 3 जून, 1929 को कक्कडैं.(सुलाह) में जन्मे बलदेव सिंह ने तीन-तीन विषयों में मास्टर की उपाधि ले रखी थी (अंग्रेजी, हिन्दी, इतिहास में), और चौथी एमए थी शिक्षा में। उन्होंने अपनी अध्यापन यात्रा पंजाब के प्रसिद्ध कालेज जीएचजी हर प्रकाश कालिज आफ एजुकेशन, सिधवां खुर्द से की जहां वह वाइस प्रिंसिपल के पद पर तैनात थे। बुटेल परिवार ने जब पालमपुर में केएलबी कन्या महाविद्यालय खोलने का निर्णय लिया तो सबकी नजरें ढूंढते-ढूंढते ठाकुर बलदेव सिंह पर जा अटकीं और बुटेल साहिब खुद सिंधवां खुर्द जाकर उन्हें मना लाए और ठाकुर साहिब जी-जान से कन्या महाविद्यालय को चमकाने-बसाने में लग गए। आज जो हम कन्हैया लाल बुटेल कन्या महाविद्यालय का विराट और भव्य रूप देखते हैं, उसके शिल्पकार ठाकुर बलदेव सिंह थे। आज जो डा. नारायण दास शर्मा, प्रिंसिपल एवं निदेशक महाविद्यालय को सकारात्मक एवं गुणवत्तापूर्ण आयाम दे रहे हैं, यदि ठाकुर साहिब आज होते तो गदगद हो उठते। वह सुलाह से हररोज बस में आते और बस से ही वापस जाते और चौबीस घंटे कालेज की बेहतरी की सोचते रहते। उनका समाज शास्त्री उन पर हावी था। और उनका मंगलमय सदाशयतापूर्ण माटी से जुड़ा व्यक्तित्व उनको प्रखरता प्रदान करता था। शिक्षाविद तो वह थे ही, परन्तु वह एक संवेदनशील कवि भी थे। बस यात्रा ने उनके कवि को जीवित किया। 'कचोटती कसक' उनका पहला काव्य संग्रह था, जिसमें ग्रामीण परिवेश की बहुत सुंदर कविताएं संकलित हैं। उनके कन्धे पर बल्कि कालर पर छाता टंगा रहता था, पहाड़ी यात्री की पहचान। बस में लोग सीट के लिए लड़ते तो कविता बन जाती। कोई खेतों में धान रोपाई होते देखते, तो कविता बन जाती। एकदम सामाजिक गांठों को खोलने वाली कविता। फिर आया पहाड़ी में 'हवा दक्खणी' कविता संग्रह जिस पर उन्हें हिमाचल अकादमी का पुरस्कार भी मिला। पहाड़ी भाषा के तो वह भाषा शास्त्री ही थे। बहुत से अंग्रेज अमरीका से कांगड़ी पर शोध कार्य करने आए और वे ठाकुर साहिब के चरणों में बैठ कर पहाड़ी की वैतरणी पार कर गए। वह बड़े निष्ठावान, जुझारू साहित्यकार थे। जीवन के अन्तिम दिनों में वह वीतरागी या आध्यात्मिक हो गए थे और तभी उनका तीसरा काव्य संग्रह 'इस ओर, उस पार' प्रकाशित हुआ जिसमें सांसारिक और दैवी अनुभूतियों का सार है। जीवन की संध्या वेला में इनसान क्या सोचता है और क्यों छटपटाता है, इसका मनोहारी परंतु गम्भीरतापूर्ण चित्रण इस संग्रह में है। रचना साहित्य एवं कला मंच पालमपुर के वह संस्थापक सदस्यों में से एक थे और सारी गोष्ठियां कन्या महाविद्यालय पालमपुर में ही होती थीं। वे भी कितने अच्छे दिन थे। आज भी जब कभी हम डा. एनडी शर्मा, प्रिंसिपल साहिब से कोई आयोजन के लिए फरियाद करते हैं तो हम प्रफुल्लित होते हैं कि बलदेव सिंह जैसा ही कोई और वहां आसीन है। रचना को वह कालेज आज भी अपना ही लगता है। ठाकुर साहिब भले आदमी थे। पुरस्कार देने वालों में कई बार ठग प्रकार के लोग भी आ जुड़ते हैं। किसी ने कहा कि ठाकुर साहिब आपको हमारी संस्था सम्मानित करेगी, लेकिन पहले आप हमारी सदस्यता स्वीकार करो और इक्कीस सौ रुपए भरो। ठाकुर साहिब ने भी दिए और उन पैसों में से ही ठाकुर साहिब को सम्मानित कर दिया।

जीवन के अंतिम दिनों में वह वीतरागी या आध्यात्मिक हो गए थे और तभी उनका तीसरा काव्य संग्रह 'इस ओर, उस पार' प्रकाशित हुआ जिसमें सांसारिक और दैवी अनुभूतियों का सार है। जीवन की संध्या वेला में इनसान क्या सोचता है और क्यों छटपटाता है, इसका मनोहारी परंतु गम्भीरतापूर्ण चित्रण इस संग्रह में है। रचना साहित्य एवं कला मंच पालमपुर के वह संस्थापक सदस्यों में से एक थे और सारी गोष्ठियां कन्या महाविद्यालय पालमपुर में ही होती थीं। वे भी कितने अच्छे दिन थे। आज भी जब कभी हम डा . एनडी शर्मा, प्रिंसिपल साहिब से कोई आयोजन के लिए फरियाद करते हैं तो हम प्रफुल्लित होते हैं कि बलदेव सिंह जैसा ही कोई और वहां आसीन है।

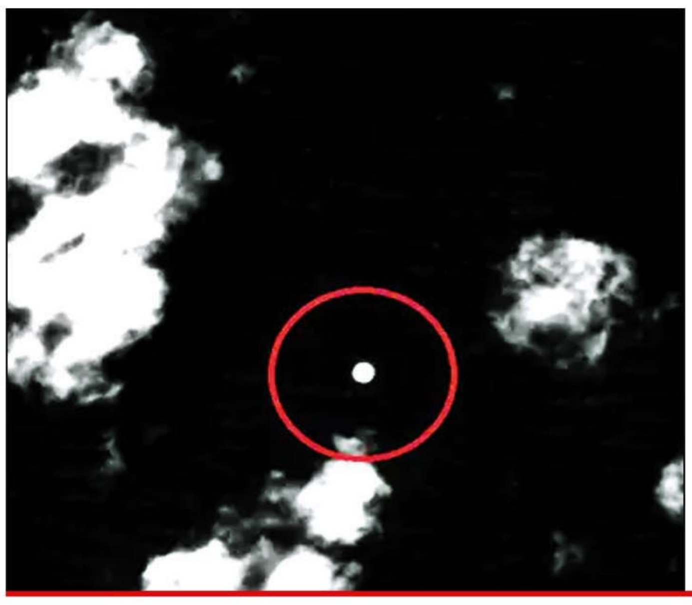

जापान में भी दिखे थे चीन के स्पाई बैलून : सरकार बोली– दोबारा नजर आए तो इन्हें मार गिराएंगे ; फरवरी में अमेरिका में दिखे थे गुब्बारे

टोक्यो।
अमेरिका के बाद अब जापान ने भी चीन का स्पाई बैलून दिखने की पुष्टि की है। पेनोरामा ने एक एआई कंपनी की मदद से कई चीनी स्पाई बैलून की सैटेलाइट इमेज जारी की हैं। ये गुब्बारे ईस्ट एशिया को क्रॉस करते नजर आए हैं। एआई कंपनी के मालिक कोरी जैस्कोलस्की ने बताया कि ये बैलून उत्तरी चीन से लॉन्च किए गए थे। जापान ने कहा है कि अगर ये बैलून दोबारा उनके क्षेत्र में नजर आए तो उन्हें मार गिराया जाएगा। ये बैलून सितंबर 2021 में जापान में नजर आए थे। हालांकि, इसकी तस्वीर पहली बार सामने आई है। जापान के रक्षा मंत्रालय में काम करने वाले यूको मुराकामी ने कहा– जापान की सरकार ऐसे जासूसी गुब्बारों की गतिविधि पर नजर रखे हुए है। अगर जरूरत पड़ी तो देश और नागरिकों की रक्षा के लिए इन्हें मार गिराया जाएगा। जैस्कोलस्की ने बताया कि ऐसी ही बैलून ताइवान के क्षेत्र में भी नजर आ चुके हैं।

पूर्व सीआईए ऑफिसर बोले- कई बसों के बराबर होता है एक स्पाई बैलून

ईस्ट एशिया क्षेत्र में काम कर चुके सीआईए के पूर्व एनालिस्ट जॉन कुल्वर ने बताया– चीन पिछले 5 सालों से ऐसे जासूसी गुब्बारों का इस्तेमाल कर रहा है। ये एक लॉन्ग रेंज मिशन का हिस्सा हैं और अक्सर पृथ्वी के चक्कर लगाते रहते हैं। जैस्कोलस्की ने बताया कि जासूसी गुब्बारे कई बसों के बराबर होते हैं और इनमें डेटा कलेक्ट करने के लिए इक्विपमेंट लगे होते हैं। हालांकि, ये आसमान में काफी ऊपर उड़ते हैं और नीचे से देखने पर सफेद रंग के आम गुब्बारे जैसे नजर आते हैं।

फरवरी में अमेरिकी में नजर आया था चीनी जासूसी गुब्बारा

अमेरिका के मोंटाना शहर में 2 फरवरी को चीनी स्पाई बैलून नजर आया था। तब से दोनों देशों के बीच तल्खी बढ़ी हुई है। अमेरिका ने 5 फरवरी को एफ–22 फाइटर जेट से बैलून को मार गिराया था और इसका मलबा चीन को लौटाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद चीन भड़क गया था। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा था– किसी भी वेदर बैलून का दूसरे देश में घुस जाना नॉर्मल बात है। बैलून तबाह करके अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन किया है। चीन ने दावा किया था कि 2022 से अब तक 10 अमेरिकी गुब्बारे उनके क्षेत्र में घुस चुके हैं।

भारत में भी जासूसी कर चुके हैं चीन के बैलून

अमेरिका के डिफेंस एक्सपर्ट एचआई सटन ने दावा किया था कि जनवरी 2022 में चीन के जासूसी गुब्बारे ने भारत के सैन्य बेस की जासूसी की थी। इस दौरान चीन के जासूसी गुब्बारे ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर के ऊपर से उड़ान भरी थी।

न्यूज ब्रीफ

अमेजन में 4 बच्चों को बचाने वाली टीम सम्मानितः राष्ट्रपति ने कोलंबिया का सबसे बड़ा सिविल मेडल दिया, बोले- असली अवॉर्ड जिंदगी है

बोगोटा। अमेजन के जंगलों से 40 दिन बाद 4 बच्चों को रेस्क्यू करने वाले सेना के जवानों को कोलंबिया की सरकार ने सम्मानित किया है। इस रेस्क्यू मिशन को ऑपरेशन होप नाम दिया गया था और इसमें शामिल जवानों और बाकी मेंबर्स को ऑर्डर ऑफ बोयाका अवॉर्ड दिया गया। ये कोलंबिया के नागरिकों को दी जाने वाली सबसे बड़ी उपाधि और आर्म्ड फोर्सेज को दी जाने वाली दूसरी सबसे बड़ी उपाधि है। अवॉर्ड देते हुए राष्टपति गुस्तावो पेट्रो ने कहा– मेडल सिर्फ एक सिंबल है। असली अवॉर्ड तो जीवन है और ये इन रेस्क्यू वर्कर्स ने साबित कर दिया है। बचावकर्मियों ने ऑपरेशन में बच्चों की कम्यूनिटी के लोगों को शामिल करके साबित कर दिया कि कैसे एकजुट होकर हम कई जिंदगियां बचा सकते हैं। उन्होंने कहा– अब इस पर कोई विवाद नहीं बचा है कि पश्चिमी या पारंपरिक रिवाजों में से बेहतर क्या है। दोनों विचारधाराओं ने मिलकर ही इन बच्चों को रेस्क्यू करके घर पहुंचाया है। इस ऑपरेशन में शामिल मिलिट्री के स्निफर डॉग विल्सन को भी सम्मानित किया गया। बच्चों को जंगल से रेस्क्यू करने के बाद ये डॉग अमेजन में ही खो गया था। इसे ढूंढने के लिए भी ऑपरेशन चलाया गया है। हालांकि, कोलंबिया के एक मिलिट्री ऑफिसर ने कहा– हमें आशंका है कि अब विल्सन नहीं मिल पाएगा। रेस्क्यू ऑपरेशन के हेड जनरल पेड्रो सांशेज ने कहा कि 6 साल के डॉग विल्सन की लेगेसी को याद करने के लिए एक मॉन्यूमेंट बनवाया जाएगा। दरअसल, 1 मई को अमेजन के जंगल में सेसना 206 प्लेन क्रैश हो गया था। इस हादसे में पायलट समेत 3 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें इन बच्चों की मां भी शामिल थी।

कराची के अस्पताल में मिला टिकटॉकर आएशा का शव; ड्रग्स के ओवरडोज के बाद छोड़कर भाग गए थे दोस्त

कराची । पाकिस्तान के कराची में एक व्यक्ति ने अपनी बेटी के शव को अस्पताल में लावारिश तरीके से पाए जाने के बाद पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई है। मृतिका की पहचान अएशा के तौर पर की गई है, जो पंजाब प्रांत के शेखपुरा शहर में एक टिकटॉकर थी। पुलिस ने मृतिका के पिता सुल्तान का बयान दर्ज कर ली है। पिता ने बताया कि वह पंजाब में रहती थी और एक होटल में काम करती थी। उन्होंने कहा कि बेटी की शादी तीन साल पहले हुई थी जिसके बाद वह कराची के गुलिस्तान–ए–जोहर में रह रही थी। टिक टॉकर आएशा के पिता ने बताया कि उन्हें पुलिस के हवाले से बेटी के शव के बारे में पता चला था। उन्होंने कहा– मेरी बेटी जिबरान और एक महिला दोस्त पिंकी के साथ एक पार्टी में गई थी। मेरी बोटी की मौत अत्याधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने की वजह से हुई है, और वह पुलिस स्टेशन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर चुके हैं। आएशा के पिता के आरोपों के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। इससे पहले दोपहर में ही पुलिस ने जिन्ना अस्पताल में टिक टॉकर के शव को छोड़ने वाले संदिग्ध को पकड़ लिया था। डीआईजी साउथ, इरफान बलूच के अनुसार जिबरान उर्फ जिम्मी और सेहरीश ने लड़की की लाश को जिन्ना अस्पताल में छोड़कर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि संदिग्ध महिला और जिम्मी की तलाश की जा रही है। फिलहाल पकड़ा गया संदिग्ध से पूछताछ जारी है। इससे पहले जांच अधिकारी ने बताया कि टिक टॉकर आएशा को चार अन्य महिलाओं के साथ बीती रात नदीम नाम के एक व्यक्ति ने डीएचए फेज–1, स्ट्रीट 32, सबा स्ट्रीट स्थित बंगले में एक निजी पार्टी में ले गया था।

पाक को आतंकवाद बंद करना होगाः यूएस ने कहा- बाइडेन और मोदी का साझा बयान सही; पाकिस्तान सरकार अमेरिका से नाराज

वॉशिंगटन। अमेरिका ने साफ कर दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान प्रेसिडेंट बाइडेन के साथ जो साझा बयान जारी किया गया था, उसमें कुछ भी गलत नहीं था। मोदी–बाइडेन के साझा बयान में पाकिस्तान को आतंकवाद रोकने की नसीहत दी गई थी। सोमवार को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक डिप्लोमैटिक नोट में इस ज्वॉइंट स्टेटमेंट पर सख्त नाराजगी दर्ज कराई थी। अब अमेरिका ने साफ कर दिया है कि इस मुद्दे को उठाया जाता रहेगा और इस बारे में पाकिस्तान से बातचीत भी की जाएगी। मंगलवार को अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर से मोदी–बाइडेन के ज्वॉइंट स्टेटमेंट और इस पर पाकिस्तान की नाराजगी के बारे में सवाल किया गया था।

विद्रोह खत्म होने के 2 दिन बाद बोले पुतिन

कहा– पश्चिमी देश चाहते थे रूसी एक–दूसरे से लड़ें ; वैगनर के लड़ाके सच्चे देशभक्त

मॉस्को।
रूस में वैगनर आर्मी का विद्रोह खत्म होने के 2 दिन बाद सोमवार को पहली बार राष्ट्रपति पुतिन ने देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा– पश्चिमी देश चाहते थे कि रूसी लोग एक–दूसरे से लड़ें। इसके जरिए वे यूक्रेन जंग में मिल रही लगातार हार का बदला लेना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हमारा देश हर हाल में एकजुट है। रूसी मीडिया के मुताबिक, पुतिन ने कहा– वैगनर ग्रुप के लड़ाके सच्चे देशभक्त हैं, जो अपने देश और नागरिकों के साथ गद्दारी नहीं कर सकते। कुछ लोगों ने सैनिकों को अंधेरे में रखा और उन्हें अपने ही भाइयों के सामने बंदूक लेकर खड़ा कर दिया। जिनके साथ कभी वे कंधे से कंधा मिलाकर लड़े थे। पुतिन ने वैगनर जवानों को ऑफर देते हुए कहा, सैनिक या तो रूस की सेना में शामिल हो जाएं या घर लौट जाएं। इसके बाद पुतिन ने मंगलवार को सुरक्षा अधिकारियों के साथ हाई लेवल मीटिंग भी की। पुतिन ने इस बात की भी पुष्टि की कि विद्रोह के दौरान वैगनर ने सेना के हेलिकॉप्टर को मार गिराया था। पुतिन ने उन पायलट्स को श्रद्धांजलि दी जो इस हमले में मारे गए।

प्रिगोजिन ने कहा- हम तख्तापलट नहीं चाहते थे

उधर वैगनर के चीफ येवगेनी प्रिगोजिन ने रूस में तख्तापलट की कोशिश से इनकार किया। प्रिगोजिन ने कहा, वह पुतिन को हटाना नहीं चाहते हैं। एक सोशल मीडिया ऐप पर जारी अपने 11 मिनट के ऑडियो में प्रिगोजिन कहते हैं, वैगनर आर्मी का मकसद यूक्रेन में उनके कैंप पर रूसी हमले का विरोध दर्ज कराना था। हमने अपना मार्च अन्याय से लड़ने के लिए शुरू किया था। रूस की प्राइवेट आर्मी वैगनर ने 23 जून को बगावत कर दी थी। आर्मी ने रोस्तोव शहर और मिलिट्री हेडक्वार्टर पर कब्जा कर लिया था। बाद में बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने वैगनर और पुतिन के बीच समझौता कराया। इसके बाद वैगनर के लड़ाके पीछे हट गए और प्रिगोजिन को रूस छोड़कर बेलारूस जाने का आदेश दिया गया।

वैगनर ग्रुप क्यों कर रहा था विद्रोह

रूस और प्राइवेट आर्मी वैगनर के बीच तल्खी यूक्रेन के बाखमुत में वैगनर ट्रेनिंग कैंप पर मिसाइल अटैक के बाद शुरू हुई। इस हमलें में कई वैगनर लड़ाके मारे गए थे। प्रिगोजिन ने क्रेमलिन को इसका दोषी बताया था। ये हमला कब हुआ था, हालांकि इसकी जानकारी नहीं दी गई। वैगनर प्रमुख प्रिगोजिन ने दावा किया है कि रूसी जनरलों ने यूक्रेन में उनके सैनिकों पर हवाई हमले का आदेश दिया था। उन्होंने कहा कि वे रूस के खिलाफ नहीं हैं। वो सिर्फ रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु के साथ रूस के शीर्ष अधिकारियों को निशाना बना रहे हैं। सूत्रों के अनुसार प्रिगोजिन की यूक्रेन युद्ध में राष्ट्रपति पुतिन और रक्षामंत्री सर्गेई के साथ जीते गए इलाकों पर कब्जे के मुद्दों को लेकर अनबन चल रही है। प्रिगोझन यूक्रेन में जीते गए क्षेत्रों के बड़े हिस्से पर अपना कब्जा चाहता है। पुतिन के इनकार के बाद प्रिगोजिन विद्रोह के मूड में आ गए। दो हफ्ते पहले ही रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक आदेश जारी किया था। इसके तहत यूक्रेन के खिलाफ लड़ रहे सभी प्राइवेट लड़ाकों को रूस की सेना में शामिल होने के आदेश दिए गए थे। इसके लिए सभी प्राइवेट मिलिट्री से एक कॉन्ट्रैक्ट साइन करवाने की बात कही गई थी।वैगनर ने ये समझौता करने से इनकार कर दिया था।

वैगनर ग्रुप क्या है

वैगनर ग्रुप सैनिकों का एक निजी संगठन है। 2014 से पहले यह गुप्त संगठन था, जो ज्यादातर यूक्रेन, अफ्रीका और मध्य पूर्व में सक्रिय था। इसमें ज्यादातर रूस की एलीट रेजिमेंट और स्पेशल फोर्सेज के दिग्गज हैं। ग्रुप में 50 हजार से ज्यादा सैनिक हैं।

इसकी शुरुआत रूसी सेना के पूर्व अधिकारी दिमित्री उत्किन ने की थी। उसने चेचन्या के युद्ध में रहे उनके रेडियो कॉल साइन पर ग्रुप का नाम रखा था। वैगनर ग्रुप ने 2014 में अपने पहले अभियान में क्रीमिया पर कब्जा करने में रूस की मदद की थी।

येवगेनी प्रिगोजिन को कहा जाता था पुतिन का रसोइया

वैगनर ग्रुप के फाउंडर येवगेनी प्रिगोजिन को रूसी राष्ट्रपति पुतिन का रसोईया भी कहा जाता था। वे पहले एक रेस्तरां चलाते थे जहां पुतिन अक्सर खाने के लिए जाया करते थे। वे धीरे–धीरे पुतिन के करीबी सहयोगी बन गए। उन्हें रूसी सरकार से करोड़ों रुपए के कॉन्ट्रैक्ट मिलने लगे। येवगेनी ही वैगनर ग्रुप को फंड करते हैं। पहले वे इस ग्रुप से अपने संबंधों को नकारते थे, लेकिन 2022 में उन्होंने माना कि वे इससे जुड़े हुए हैं। वैगनर जैसी प्राइवेट मिलिट्री कंपनियां या कांट्रेक्टर किन देशों में हैं पीएलसी वो निजी सैन्य संस्थाएं होती है जो किसी देश, संगठन या व्यक्ति को गोपनीय तरीके से सुरक्षा या अन्य सेवाएं प्रदान करती है। इस समय लगभग 50 ऐसी कंपनियां हैं। सबसे ज्यादा अमेरिका में लगभग 15 पीएलसी हैं। दूसरे नंबर पर ब्रिटेन में 6 और रूस में 5 पीएलसी हैं।

न्यूयॉर्क में दीपावली पर स्कूलों में छुट्टी

मेयर बोले- शुभ दिवाली; अमेरिकी संसद में सरकारी छुट्टी के लिए पेश हो चुका है बिल

न्यूयॉर्क।
न्यूयॉर्क में अब से दिवाली पर स्कूलों में छुट्टी रहेगी। स्टेट असेंबली में इसके लिए बिल पारित हो गया है। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक ऐडम्स ने सोमवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा– मुझे भरोसा है कि गवर्नर कैथी इस बिल पर साइन कर देंगी। इससे न्यूयॉर्क में रह रहे 2 लाख से ज्यादा परिवारों को बेहतर तरह से त्योहार मनाने का मौका मिलेगा। मेयर ने कहा– मुझे खुशी है कि दिवाली पर छुट्टी घोषित करवाने की इस लड़ाई में मैं लोकल कम्युनिटी और असेंबली मेंबर जेनिफर राजकुमार के साथ खड़ा रहा। इसी के साथ उन्होंने ट्विटर पर शुभ दिवाली भी लिखा। गवर्नर के साइन के बाद ये बदलाव सभी स्कूलों में लागू होगा। इस साल दिवाली 12 नवंबर यानी रविवार को मनाई जा रही है। इसलिए इस साल के कैलेंडर में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। न्यूयॉर्क में दिवाली पर स्कूलों में छुट्टी से जुड़ा ये बिल असेंबली मेंबर जेनिफर राजकुमार ने पेश किया था। मेयर ऐडम्स के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद उन्होंने कहा– मुझे खुशी है कि मैंने न्यूयॉर्क के लोगों की तरफ से इस लड़ाई की शुरुआत की और इसे जीता भी। ऐडम्स ने कहा– ये फैसला उन लोगों के लिए एक मैसेज है जिन्हें न्यूयॉर्क में रहकर ऐसा महसूस होता है कि यहां उन्हें स्वीकार नहीं किया जा रहा। न्यूयॉर्क सबके लिए बना है और यहां हर किसी को अपनाया जाता है।

25 मई को अमेरिकी संसद में पेश हुआ था बिल

इससे पहले अमेरिका में 25 मई को निचले संदन की सांसद ग्रेस मेंग ने दिवाली को सरकारी छुट्टी घोषित करने की मांग की थी। इसके लिए उन्होंने संसद में एक बिल भी पेश किया था। इस बिल को दिवाली डे ऐक्ट नाम दिया गया था। बिल के तहत दिवाली को अमेरिका में 12वीं सरकारी छुट्टी घोषित करने की मांग की गई थी। हाल ही में पेन्सिल्वेनिया राज्य की सीनेट में भी दिवाली पर ऑफिशियल छुट्टी घोषित करने से जुड़ा बिल पास हो चुका है। इसकी पहल विधायक निखिल सवल ने की थी।

इस्लामाबाद-रावलपिंडी में आफत की बारिश, लोग परेशान; हफीजाबाद में शख्स ने भतीजे को नहर में फेंका

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान के दो शहरों में तेज बारिश और तूफान की वजह से आफत आ गई है। इस्लामाबाद और रावलपिंडी में बारिश का पानी भरने से सीवरेज सिस्टम में समस्याएं आ गई हैं। वहीं, दूसरी ओर पारिवारिक झगड़े से गुस्साए एक शख्स ने अपने तीन साल के भतीजे को नहर में फेंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) ने पहले ही जानकारी दे दी थी कि इस्लामाबाद और रावलपिंडी में 58 मिमी बारिश होगी। तेज बारिश के चलते शहरों में पानी जमा हो गया है, जिससे सीवर लाइनें अवरुद्ध हो गई हैं। वहीं, सिर्फ रावलपिंडी की बात करें तो यहां की सड़के, खासकर बोहर बाजार, मोती बाजार, जामिया मस्जिद रोड और सादिकाबाद में पानी भर गया है। सीवर लाइनों के अवरुद्ध होने से लोगों के घरों और दुकानों में पानी भर रहा है। जल एवं स्वच्छता एजेंसी के प्रबंध निदेशक मुहम्मद तनवीर ने बताया कि टीम निचले इलाकों में जल निकासी के लिए मशीनरी के साथ जमीन पर मौजूद है। मौसम विभाग के अनुसार, कटारियां और गवालमंडी में नाला लाई में पानी का बहाव क्रमशः नौ और आठ फीट है। नाले के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। पाकिस्तान के हफीजाबाद से एक दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है। यहां के गढ़ी गौस इलाके में तीन दिन पहले एक शख्स ने भाई से लड़ाई के चलते अपने भतीजे को मार डाला। पुलिस ने सोमवार को बताया कि एक शख्स की अपने भाई से लड़ाई हुई थी। इसी के चलते वह गुस्से में था। उसने आव देखा न ताव तीन साल के मासूम भतीजे को नहर में धक्का दे दिया। बच्चे का शव करीब तीन दिन बाद बरामद किया गया। बताया जा रहा है कि घटना का सीसीटीवी फुटेज बरामद किया गया है। पिछले 24 घंटों में पंजाब भर में बारिश से संबंधित दुर्घटनाओं में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 112 लोगों को बचाया गया है। प्रांतीय आपातकालीन सेवाओं के प्रवक्ता फारूक अहमद ने मौतों के लिए बिजली, डूबने और आकाशीय बिजली को जिम्मेदार ठहराया। अहमद ने बताया कि बिजली गिरने से नारोवाल में पांच और शेखूपुरा में दो लोगों की मौत हो गई। इस बीच, सात लोग डूब गए और छह की बिजली गिरने से मौत हो गई।

खुफिया फाइल्स केस में ट्रम्प का ऑडियो मिला : स्टाफ से ईरान पर हमले की बात कही ; हिलेरी क्लिंटन की प्राइवेट मेल्स का मजाक उड़ाया

वॉशिंगटन।
अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का एक 2 मिनट ऑडियो सामने आया है। इसमें वो कुछ लोगों के साथ खुफिया फाइलों में मौजूद जानकारी शेयर करते नजर आ रहे हैं। ऑडियो में ट्रम्प ईरान पर हमले के प्लान के बारे में बात करते सुनाई दे रहे हैं। वो बताते हैं कि ये पेंटागन यानी अमेरिका के रक्षा विभाग की फाइल्स हैं। इसके अलावा ऑडियो में ट्रम्प हिलेरी क्लिंटन की प्राइवेट ई–मेल्स का भी मजाक बनाते हैं। ये ऑडियो जुलाई 2021 का है जब वो अपने बेडमिन्स्टर रिजॉर्ट में थे। इस दौरान वहां एक राइटर, एक पब्लिशर और 2 स्टाफ के लोग मौजूद थे। ऑडियो में ट्रम्प कहते हैं कि वो राष्ट्रपति रहते हुए इन फाइल्स को डी–क्लासिफाई कर सकते थे, लेकिन अब ये उनके हाथ में नहीं है। खुफिया फाइल्स घर ले जाने के मामले में ट्रम्प पर 37 क्रिमिनल चार्ज लगाए गए हैं। इनमें जासूसी ऐक्ट का उल्लंघन करने का भी चार्ज शामिल है।

ऑडियो रिकॉर्डिंग के आधार पर तय हुए आरोप

ट्रम्प के सीक्रेट फाइल्स केस में मियामी के कोर्टरूम में पेशी के दौरान भी इन ऑडियो रिकॉर्डिंग्स को सुना गया था। चार्जशीट में इस रिकॉर्डिंग के आधार पर कुछ आरोप तय किए गए हैं। वहीं इससे पहले फॉक्स मीडिया को ट्रम्प ने ऐसी कोई भी फाइल्स ले जाने की बात नकार दी थी।

मियामी कोर्ट में सुनवाई के बाद भी ट्रम्प ने सभी आरोपों को झूठा और राजनीति से प्रेरित बताया था। उन्होंने कहा था, मैंने सब कुछ सही किया लेकिन फिर भी उन्होंने मुझ पर क्रिमिनल चार्ज लगा दिए। मुझ पर जासूसी ऐक्ट के तहत आरोप तय किए गए हैं। इस ऐक्ट का इस्तेमाल जासूसों और देशद्रोहियों के खिलाफ होता है, न कि किसी पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ। बाइडेन पर हमला करते हुए ट्रम्प ने कहा था– आज अमेरिका के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ जब राष्ट्रपति ने अपनी ताकतों का इतना गलत इस्तेमाल किया। राष्ट्रपति की कुर्सी पर बैठे एक भ्रष्ट नेता ने झूठे आरोपों के आधार पर अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी को गिरफ्तार करवाया, जबकि वो खुद और कई पूर्व राष्ट्रपति इस मामले में दोषी हैं।

ट्रम्प ने बाथरूम और बॉलरूम पर छिपाए थे डॉक्यूमेंट्स

49 पेज के आरोप पत्र में बताया गया है कि ट्रम्प ने ये डॉक्यूमेंट्स अपने बाथरूम, बॉलरूम, शॉवर की जगह पर, ऑफिस, स्टोर रूम और बेडरूम में छिपाए थे। प्रॉसिक्यूटर्स ने ये भी कहा कि जांच में बाधा डालने के लिए ट्रम्प ने अपने वकीलों को फाइलें छिपाने या नष्ट करने का आदेश दिया था। आरोप पत्र में बताया गया है कि पिछले साल ट्रम्प के पास से 337 सरकारी डॉक्यूमेंट्स बरामद किए थे। इनमें से 21 डॉक्यूमेंट्स पर टॉप सीक्रेट लिखा हुआ था। ये वो दस्तावेज होते हैं जिसमें सबसे संवेदनशील जानकारी रखी जाती है। सिर्फ सीमित लोगों की ही पहुंच होती है। इसके अलावा, 9 डॉक्यूमेंट्स पर सीक्रेट लिखा हुआ था। ये वो फाइल्स होती हैं, जिसके लीक होने पर राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा पहुंचने की आशंका रहती है।

पाकिस्तान फौज के कई अफसर बर्खास्त

9 मई की हिंसा में इमरान समर्थकों की मदद का आरोप, पूर्व पीएम भी जल्द गिरफ्तार होंगे

रावलपिंडी।
पाकिस्तान की फौज ने एक लेफ्टिनेंट जनरल रैंक के अफसर समेत कई अफसरों को बर्खास्त कर दिया है। इन सभी का कोर्ट मार्शल भी किया जाएगा। फौज के मीडिया विंग के डायरेक्टर जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने सोमवार को यह जानकारी दी। इन सभी अफसरों पर दो आरोप हैं। पहला– 9 मई को इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद फौज के ठिकानों पर खान समर्थकों ने जो हमले किए, उन्हें इन अफसरों ने नहीं रोका। दूसरा– शक है कि ये अफसर हिंसा की साजिश रचने वालों में भी शामिल हैं। माना जा रहा है कि अब जल्द ही इमरान को भी गिरफ्तार करके उनके खिलाफ केस मिलिट्री कोर्ट में चलाया जाएगा। 9 मई की हिंसा में 11 लोग मारे गए थे। 283 घायल हुए थे।

पहले इस सख्त एक्शन की वजह जान लीजिए

9 मई को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 60 अरब रुपए के अल कादिर यूनिवर्सिटी ट्रस्ट स्कैम में गिरफ्तार किया गया था। एंटी करप्शन यूनिट ने यह गिरफ्तारी इस्लामाबाद हाईकोर्ट के स्कैन रूम से की थी। गिरफ्तारी के फौरन बाद इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ के समर्थकों ने देश के तमाम हिस्सों में मौजूद फौज के अहम ठिकानों, शहीदों के स्मारकों, वॉर मेमोरियल, हेडक्वार्टर और पाकिस्तान रेडियो के दफ्तरों पर हमले किए। इस हिंसा के तमाम वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इसके बाद शाहबाज शरीफ सरकार और फौज ने करीब 7 हजार खान समर्थकों को गिरफ्तार किया। क्रैक डाउन शुरू हुआ तो खान की पार्टी के तमाम बड़े नेताओं ने पीटीआई छोड़ दी। अब खान अकेले पड़ चुके हैं। इस बीच, फौज ने साफ कर दिया कि 9 मई की हिंसा की साजिश रचने वालों का ट्रायल मिलिट्री कोर्ट में होगा। इमरान और उनके समर्थक इससे घबराए हुए हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट और दूसरी अदालतों के कई जज इमरान समर्थक हैं और यही वजह है कि खान अब तक गिरफ्तार नहीं हुए हैं। अल कादिर ट्रस्ट केस में खान की पत्नी बुशरा बीबी और बुशरा की दोस्त फराह गोगी भी आरोपी हैं। गोगी पिछले साल अप्रैल में उसी दिन मुल्क से फरार हो गईं थीं, जिस दिन इमरान की सरकार गिरी थी।

फौज बोली- 9 मई पाकिस्तान के इतिहास का सबसे काला दिन

दुश्मन 76 साल में पाकिस्तान का जो नुकसान नहीं कर पाए, वो 9 मई को घर में मौजूद लोगों ने कर दिया। अब इन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। 9 मई पाकिस्तान के इतिहास का सबसे काला दिन था। इमरान की गिरफ्तारी पर कहा– सबूत जुटा लिए गए हैं। जांच अब भी जारी है। शहीदों को बेइज्जत किया गया है। एक्शन का इंतजार कीजिए। 60 अरब का स्कैम है अल–कादिर ट्रस्ट केस सरकार के मुताबिक खान जब प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने लैंड माफिया मलिक रियाज को मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाया। लंदन में उसके 40 अरब जब्त कराए। बाद में ये पैसा ब्रिटेन सरकार ने पाकिस्तान को सौंप दिया। इमरान ने यह जानकारी कैबिनेट को भी नहीं दी। आरोप है कि यह पैसा एक सीक्रेट अकाउंट के जरिए इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ के खाते में ट्रांसफर कराए गए। इसके बाद इमरान ने अल कादिर ट्रस्ट बनाया। इसने मजहबी तालीम देने के लिए अल कादिर यूनिवर्सिटी बनाई। इसके लिए अरबों रुपए की जमीन मलिक रियाज ने दी। बुशरा बीबी को डायमंड रिंग भी गिफ्ट की। बदले में रियाज के तमाम केस खत्म कर दिए गए। उसे करोड़ों रुपए के सरकारी ठेके भी मिले। होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह ने कहा– 50 अरब रुपए की चपत सरकारी खजाने को लगी। 13 महीने में एक बार भी इमरान या बुशरा पूछताछ के लिए नहीं आए।

राजस्थान में बोली आप

भ्रष्टाचार में डूबी है कांग्रेस सरकार

उदयपुर (हिंस)। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए ऐलान किया है कि राजस्थान की सभी 200 विधानसभा सीटों पर आप अपने प्रत्याशी खड़ा करेगी। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस व अन्य पार्टियों के साथ आप के भी महागठबंधन में शामिल होने की खबरों के बीच उनका यह बयान राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म देता नजर आ रहा है। प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने मंगलवार को उदयपुर में प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि राजस्थान में कोई भी विभाग बिना रिश्वत के काम नहीं कर रहा। मुख्यमंत्री गहलोत भ्रष्टाचार रोकने में नाकाम रहे हैं। लोकसेवकों द्वारा समय पर काम करने वाले कानून को गहलोत सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में लागू किया था, जिसके बाद चुनाव आ गए और सरकार बदल गई और भाजपा की सरकार में मुख्यमंत्री वसुंधरा ने इसे नजरअंदाज किए रखा। अब इस बार गहलोत सरकार ने 181 का लॉलीपोप पकड़ा दिया है, उस पर सुनवाई क्या होती है, यह जगजाहिर है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में अपराध का ग्राफ तो जबर्दस्त बढ़ा है, उसमें भी महिला अपराधों में बढ़ोतरी से राजस्थान की छवि धूमिल हो रही है। पालीवाल ने कहा कि बिजली बिलों में छूट की बात को उपलब्धि बता रहे सीएम गहलोत यह बताएं कि कितने लोगों का बिल जीरो हुआ। सरचार्ज का चार्ज लगाकर लोगों के बिलों में झटका दे ही दिया गया है। जबकि, राजस्थान के गंगानगर में हुई आप की सभा में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल घोषणा कर चुके हैं कि राजस्थान में सरकार आई तो 300 यूनिट बिजली फ्री देगी। उन्होंने बताया कि एक जुलाई से आप में जॉइनिंग अभियान शुरू होने वाला है। बिना नाम बताए उन्होंने यह भी कहा कि सेवानिवृत्त आईपीएस, आईएएस, डॉक्टर, इंजीनियर्स सहित भाजपा-कांग्रेस के भी कुछ लोग आप पार्टी के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि दोनों ही पार्टियों की राजस्थान में सरकार बनती रही है, लेकिन भ्रष्टाचार कभी थमा नहीं। लेकिन, दोनों ही पार्टियों में ईमानदार लोग भी हैं, ऐसे लोग आप के संपर्क में हैं। यदि वे आना चाहेंगे तो उनका स्वागत किया जाएगा। पालीवाल ने बताया कि राजस्थान का चुनाव भाजपा-कांग्रेस से आम आदमी के लिए महाभारत की तरह होगा। चुनाव से चार-पांच माह पहले ही प्रत्याशी घोषित कर दिए जाएंगे। इनमें आम आदमी के बीच अच्छी छवि वाले प्रत्याशियों की तलाश शुरू हो चुकी है। उन्होंने बताया कि गुजरात, पंजाब और दिल्ली से भी वे कार्यकर्ता व पदाधिकारी राजस्थान के चुनावी मैदान में मोर्चा संभालेंगे जिन्होंने वहां पर चुनावी मोर्चा संभाला था। केंद्र में लोकसभा चुनाव से पहले महागठबंधन में कांग्रेस के साथ शामिल होने के सवाल पर पालीवाल ने कहा कि आप के लिए देशहित और आम आदमी का हित पहले है। यही देखकर केंद्रीय नेतृत्व अपना निर्णय करेगा कि कहां क्या उचित रहेगा। आम आदमी पार्टी के दो बड़े नेताओं के भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन पर आरोप लगे हैं, न्यायपालिका में साबित नहीं हुए हैं। उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

कुलगाम मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया

कुलगाम (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के हुवरा इलाके में मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया। मुठभेड़ में पुलिस का एक जवान घायल हो गया। उसे फौरन अस्पताल ले जाया गया। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। इस अधिकारी ने बताया कि हुवरा गांव में आतंकवादियों के मौजूद होने की पक्की सूचना पर सेना, पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों ने रात को अभियान शुरू किया। इस दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी की। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। देररात अंधेरा घना होने के कारण मुठभेड़ बंद हो गई। अधिकारी के मुताबिक मंगलवार सुबह सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। मगर वह नहीं माने और दोनों ओर से गोलियां चलने लगीं। इस दौरान सुरक्षाबलों की गोली से एक आतंकवादी मारा गया। मौके से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। आतंकवादियों के खिलाफ सुरक्षाबलों का अभियान जारी है।

रोडवेज कर्मचारियों की हड़ताल से नहीं चलीं तीन हजार बसें, यात्री परेशान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में आज रोडवेज कर्मचारियों की हड़ताल की वजह से हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पनबस और पीआरटीसी के कच्चे (अस्थायी) चालकों और परिचालकों की हड़ताल की वजह से करीब तीन हजार बसें नहीं चलीं। प्रदेश के सभी बस अड्डों पर यात्रियों की भीड़ है। यह हड़ताल बुधवार को भी जारी रहेगी। कर्मचारी यूनियन ने ऐलान किया है कि इस संघर्ष में अन्य कर्मचारी संगठनों, विद्यार्थी संगठनों तथा किसान संगठनों को भी शामिल किया जाएगा। कर्मचारियों की मांग है कि उनका वेतन बढ़ाया जाए। हर साल वेतन में पांच प्रतिशत की वृद्धि की जाए। पंजाब में किलोमीटर स्कीम को पूरी तरह से बंद किया जाए। नौकरी से निकाले गए कर्मचारियों को बहाल किया जाए। कच्चे कर्मचारियों को स्थायी करने के लिए रणनीति बनाई जाए। यूनियन के पदाधिकारियों की पिछले दिनों लगातार मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ-साथ विभाग के अधिकारियों के साथ मांगों पर विचार विमर्श के लिए बैठकें हुईं, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। तब यूनियन ने 27 और 28 जून को चक्का जाम करने की घोषणा की। कर्मचारियों ने सोमवार रात 12 बजे के बाद से बसों को बस अड्डों या फिर रोडवेज डिपो में खड़ा कर दिया है। कर्मचारियों की हड़ताल के कारण पंजाब के पटियाला, संगरूर, बठिंडा, मानसा, बरनाला, आदि जिलों में यात्री चक्का जाम होने के कारण परेशान हो रहे हैं।

पुलिस से प्रताड़ित महिला ने मुख्यमंत्री से लगाई न्याय की गुहार

यमुनागर(हिंस)। महिला पुलिसकर्मी की प्रताड़ना से पीड़ित महिला मंगलवार को लघु सचिवालय में सीएम विंडो के माध्यम से अपनी शिकायत देकर मुख्यमंत्री से न्याय की मांग करने पहुंची। सेक्टर 18 हुडा जगाधरी की रहने वाली महिला सावित्री ने शिकायत में बताया कि हुडा पुलिस थाने में उसके बेटे के खिलाफ एक केस दर्ज हुआ है। जबकि उसने अपने बेटे को बेदखल कर रखा है। जिसको लेकर हुडा थाने की महिला पुलिसकर्मी मंजीत कौर उसे थाने में बुलाकर गंदी-गंदी गालियां देती है और वही गली में आकर लोगों

के सामने के सामने बेइज्जत करती है। सावित्री का कहना है कि दो दिन पहले हुडा थाने से महिला पुलिसकर्मी मनजीत कौर ने उसे फोन करके बुलाया था। तब वह अपने पड़ोस में रहने वाली ममता के साथ थाने में आई थी। तो उस समय महिला पुलिस कर्मी मनजीत कौर ने इसके बाल खींचकर मारपीट की और उसे गंदी-गंदी गालियां दी। मंजीत कौर ने उस पर वेश्यावृत्ति करने का भी आरोप लगाया। सावित्री ने कहा कि उसके बेटे के साथ उसका कोई लेना-देना नही है। वह और उसकी बेटी अपने-अपने परिवार के साथ अलग रहते है। लेकिन महिला पुलिसकर्मी मंजीत कौर नाजायज रूप से उसके परिवार को तंग कर रही हैं। उसने महिला पुलिसकर्मी पर आरोप लगाया कि वह उसे आत्महत्या करने के लिए उकसा रही है।

सामूहिक विवाह सम्मेलन से अनेकता में एकता की भावना हो रही साकार : गहलोत

चित्तौड़गढ़(हिंस)। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलनों के आयोजन से आर्थिक दृष्टि से कमजोर परिवारों को संबल मिलता है। इन आयोजनों में विभिन्न समाज, जाति और धर्म के परिवार सम्मिलित होकर अनेकता में एकता की भावना को साकार करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सामूहिक विवाह सम्मेलनों को भरपूर प्रोत्साहन दिया है। गहलोत मंगलवार को चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा स्थित कृषि उपज मंडी में हरीश आंजना एजुकेशन सोसायटी द्वारा आयोजित द्वितीय निःशुल्क सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अनेकता में एकता हमारी बड़ी ताकत है, यह कमजोर नहीं होनी चाहिए। सामूहिक विवाह सम्मेलनों में सर्वधर्म समभाव की भावना निहित होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामूहिक विवाह

सादगी के परिचायक होते हैं, इनसे दिखावे की प्रवृत्ति और फिजूलखर्ची सहित अनेक समस्याओं से निजात मिलती है। उन्होंने 142 नव-विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद व शुभकामनाएं दीं तथा उनके सफल दाम्पत्य जीवन की कामना की। सीएम गहलोत ने कहा कि भारत अनेकता में एकता का देश है। यहां हजारों जातियों व भाषा-भाषियों के साथ ही विभिन्न धर्मों के लोग निवास करते हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत लोकतंत्र व संविधान हमारे देश की ताकत है। देश में कानून का राज होना आवश्यक है। यदि लोकतंत्र और संविधान कमजोर होंगे तो देश में स्थितियां विकट हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेशवासियों को सुशासन प्रदान करते हुए राज्य का चहुंमुखी विकास किया जा रहा है। राज्य सरकार ने अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं से हर वर्ग को लाभान्वित कर राहत पहुंचाई है। इन योजनाओं की पूरे देश में सराहना व चर्चा हो रही है। प्रदेश सरकार शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर दे रही है। जल्द ही प्रथम चरण में 40 लाख महिलाओं को तीन साल की इन्टरनेट कनेक्टिविटी के साथ स्मार्टफोन दिए जाएंगे। इस अवसर पर कृषि मंत्री लालचंद कटारिया, सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना, कृषि विपणन राज्यमंत्री मुरारी लाल मीणा तथा उच्च शिक्षा राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

यूपी में पिछड़ा वर्ग के लोगों के आशियाने उजाड़ने का विरोध

भिवानी (हिंस)। भाजपा सरकार ने जब से सत्ता संभाली है, तभी से पिछड़ा वर्ग विरोधी फरमान जारी कर रही है। कभी पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के अधिकार पर प्रहार कर उनके अधिकारों को डकारने का काम किया जा रहा है, तो कभी पिछड़ा वर्ग के लोगों को घरों से ही बेघर किया जा रहा है। यह आरोप राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश प्रजापति एवं इंडियन मेडिकल प्रोफेशनल एसोसिएशन के प्रदेश प्रभारी विनोद सांगा ने मंगलवार को राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त के माध्यम से मांग पत्र सौंपते हुए लगाया। इससे पहले पिछड़ा वर्ग के लोगों ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के बैनर तले रोष प्रदर्शन किया तथा यूपी में पिछड़ा वर्ग के लोगों के आशियाने तोड़ने की कार्रवाई की जम कर निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार पिछड़ा वर्ग के लोगों का अलोकतांत्रिक तरीकों से शोषण, अन्याय व जुल्म करने का पर्याय बन चुकी है। इस मौके पर सुरेश प्रजापति व विनोद सांगा ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार पिछड़े वर्ग के लोगों को बर्बाद करने पर उतारू है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के बागपत जिला के गांव बसी, केकड़ा, बागपत में पांच पुश्तों से रह रहे पिछड़ा वर्ग के लोगों के घरों पर बुल्डोजर चलाकर योगी सरकार ने लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाने का काम किया है। इस दौरान उन्होंने मांग पत्र के माध्यम से पिछड़ा वर्ग के घरों को तोड़ने वाले लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई किए जाने, पीड़ितों को 10-10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिए जाने तथा उनके आशियाने फिर से खड़े करवाने में मदद करने की मांग की।

पटियाला की इनायत रंधावा होंगी नवजोत सिद्धू परिवार की बहू

चंडीगढ़ (हिंस)। पूर्व पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के बेटे करण सिद्धू जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। नवजोत सिद्धू ने अपने बेटे तथा होने वाली पुत्र वधु की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। सिद्धू परिवार की बहू इनायत रंधावा पटियाला की रहने वाली है। दोनों की सगाई हो चुकी है। नवजोत सिद्धू ने बेटे की सगाई गंगा तट पर की है। तस्वीरों को शेयर करने के बाद सिद्धू ने लिखा है कि बेटा अपनी प्यारी मां की सबसे बड़ी इच्छा का सम्मान करता है...। इस शुभ दुर्गा-अष्टमी के दिन मां गंगा की गोद में, एक नई शुरुआत, हमारी होने वाली बहू इनायत रंधावा से परिचय। उन्होंने प्रॉमिस बैंड का आदान-प्रदान किया। इनायत रंधावा के पिता पटियाला के प्रतिष्ठित परिवारों में से एक हैं।

पीएम मोदी के संवाद ने कार्यकर्ताओं में भरा उत्साह : नरेंद्र गुप्ता

सैक्टर-16 में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सुना मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम

फरीदाबाद (हिंस)। मंगलवार को सेक्टर-16 के कम्युनिटी सेंटर में मंगलवार को भाजपा कार्यकर्ता पीएम मोदी के मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियाान के लाइव संवाद से जुड़े। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक नरेंद्र गुप्ता मौजूद रहे। इस मौके पर सभी ने धैर्यपूर्वक पीएम नरेंद्र मोदी को सुना। इस मौके पर विधायक नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि इस संवाद के माध्यम से पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्यकर्ताओं को यह संदेश दिया है कि वह सुनिश्चित करें कि उनका बूथ सबसे मजबूत बने। उन्होंने कहा कि इसके लिए बूथ के अंतर्गत आने वाले सभी मतदाताओं से कार्यकर्ता संपर्क करेंगे और भाजपा की नीतियों से उन्हें अवगत कराएंगे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के संवाद ने सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को काफी प्रोत्साहित किया है तथा कार्यकर्ता मिशन 2024 के लिए पूरी तरह से तैयार हैं तथा सरकार की नीतियों के प्रचार-प्रसार में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीति है सबका साथ सबका विकास और इसी नीति पर चलते हुए भाजपा अंतिम छोर के व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। इस अवसर पर भाजपा अजरौंदा मंडलाध्यक्ष कुलदीप साहनी ने आए हुए लोगों का आभार व्यक्त किया और कहा कि भाजपा कार्यकर्ता बूथ स्तर पर पूरी तैयारियों के साथ मजबूती से जुट गए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के आह्वान पर हर बूथ को मजबूत करने का कार्य जोर-शोर से जारी है और भाजपा 2024 में जीत की हैट्रिक लगाएगी। भाजपा उपाध्यक्ष पंकज रामपाल, अजरौंदा मंडलाध्यक्ष कुलदीप साहनी, निवर्तमान पार्षद छत्रपाल, बलवान शर्मा, रामकिशोर अग्रवाल, राम मिगलानी, जेपी कंसल, पीसी शर्मा, एमएल मेहता, जेसी चावला, ओपी चुटानी, नीरू बंसल, शारदा गुप्ता, जेबी गुप्ता, सीबी ठुकराल सहित सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसायटी के अनेक वरिष्ठ नागरिक व गणमान्य मौजूद रहे।

भाजपा के 900 बूथ विस्तारक राजस्थान में सात दिन करेंगे प्रवास

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में भाजपा चुनावी तैयारियों के तहत *मेरा बूथ सबसे मजबूत* अभियान बुधवार 28 जून से शुरू कर रही है। खास बात यह है कि इसमें विभिन्न 10 राज्यों के 900 अल्पकालीन बूथ विस्तारक आएंगे जो सात दिन तक राजस्थान में भाजपा के विभिन्न मंडलों पर प्रवास करेंगे। भाजपा के अनुसार इन सभी अल्पकालीन बूथ विस्तारकों को प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर 28 जून को जरूरी दिशा निर्देश देकर भाजपा मुख्यालय से अलग-अलग जिलों में रवाना करेंगे। जिन राज्यों से ये 900 बूथ विस्तारक आए हैं उनमें जम्मू कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, गोवा, चंडीगढ़ शामिल हैं। ये सभी बूथ विस्तारक विभिन्न मंडलों के बूथों पर आगामी 4 जुलाई तक रहकर संगठनात्मक कार्यो का फीडबैक लेंगे। इन सभी बूथ विस्तारकों को बूथ समिति बैठक, पन्ना प्रमुख संवाद, शक्ति केंद्र पर लाभार्थियों से संवाद एवं महासम्पर्क अभियान में सहयोग का जिम्मा दिया गया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी के विशेष महासम्पर्क अभियान के तहत *मेरा बूथ सबसे मजबूत* कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को मध्यप्रदेश के भोपाल में हुआ। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बूथ प्रभारी और बूथ संयोजकों से सीधा संवाद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने देशभर से आए कार्यकर्ताओं से क्षेत्रवार विभिन्न विषयों पर सीधा संवाद किया।

हरियाणा बेरोजगारी व महंगाई में नंबर एक पर पहुंचा : दलबीर किरमारा

आम आदमी पार्टी सीईटी परीक्षा में सभी पास अभ्यर्थियों को शामिल करवाने की मांग पर करेगी प्रदर्शन

हिसार (हिंस)। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष दलबीर किरमारा ने कहा है कि मनोहर लाल खट्टर सरकार में हरियाणा बेरोजगारी व महंगाई में नंबर एक पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण प्रदेश का हर वर्ग परेशान है। दलबीर किरमारा मंगलवार को पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उनके साथ शहरी जिला प्रधान रविंद्र श्योराण, लोकसभा अध्यक्ष पवन फौजी, राज्य सचिव उमेश शर्मा, व राज्य संयुक्त सचिव संजय सातरोडिया भी उपस्थित थे। किरमारा ने कहा कि आम आदमी पार्टी सीईटी

परीक्षा में सभी पास अभ्यर्थियों को शामिल करवाने की मांग पर 28 जून को पूरे प्रदेश में प्रदर्शन करेगी। इसी कड़ी में हिसार में भी प्रदर्शन कर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा जाएगा। जिला अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में लाखों युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। हरियाणा में हर साल साढ़े पांच हजार कर्मचारी रिटायर होते हैं, लेकिन नई भर्ती का आंकड़ा बहूत कम है। हरियाणा में आबादी के हिसाब से नौ लाख कर्मचारी होने चाहिए लेकिन नियमित कर्मचारियों की संख्या तीन लाख 38 हजार 921 है। हरियाणा में एक लाख 80 हजार पद खाली पड़े हैं और खट्टर सरकार ने अप्रैल 2023 से 13 हजार पदों को रद्द कर दिया। पिछले चार साल में प्रदेश सरकार ने कोई भी भर्ती प्रक्रिया पूरा नहीं की है। उन्होंने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण हरियाणा में हर तीसरा ग्रेजुएट बेरोजगार है और प्रदेश में बेरोजगार युवाओं की संख्या 24.80 लाख हो गई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में आबादी के हिसाब से 10 हजार डॉक्टर होने चाहिए लेकिन प्रदेश में करीब 4000 डॉक्टर ही काम कर रहे हैं और 6000 पद खाली हैं। उन्होंने सरकार से सभी सीईटी पास युवाओं को परीक्षा में बैठने का मौका देने की मांग की और कहा कि पहले सरकार ने सीईटी को पात्रता की परीक्षा बनाने की बात कही थी, इसलिए इसे पात्रता परीक्षा ही बनाया जाए।

महिला के नाम की इंस्टाग्राम फेक आईडी बना लूटा : तीन गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। महिला के नाम की इंस्टाग्राम फेक आईडी बनाकर साइबर फ्रॉड तरीके से चित्तौड़गढ़ के युवक को भीलवाडा बुला उसके साथ मारपीट व लूट करने के मामले में फरार चल रहे वांछित तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में साइबर पुलिस थाने को सफलता मिली है। अपराध में लिप्त तीन अन्य आरोपियों को साइबर थाना पुलिस ने पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत के अनुसार सदर बाजार ढोली मोहल्ला चित्तौड़गढ़ निवासी रजनीश पुत्र घनश्याम भांड ने रिपोर्ट दी थी। इसमें बताया कि उसकी इंस्टाग्राम आईडी पर महिला दीपिका के नाम से आई रिक्वेस्ट मान्य कर लेने फिर उनके बीच बातचीत होने व मिलने के लिए गुलाबपुरा बुलाया। यहां मारपीट व लूट करने के मामले में साइबर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया था। साइबर पुलिस थाना पुलिस ने टेक्निकल रूप से साक्ष्य एकत्रित कर पूर्व में तीन आरोपियों प्रदीप राव पुत्र गोपाल राव, सुनील जाट पुत्र सत्यनारायण जाट व लूट की चैन खरीदने वाले बालाजी ज्वैलर्स गुलाबपुरा के ओमप्रकाश पुत्र भंवरलाल जाट को गिरफ्तार कर लिया था। इनसे लूट की सोने की चैन बरामद की गयी थी। उसके बाद मामले में वांछित आरोपियों की तलाश की गई।

हिसार के भाटला में अंबेडकर की प्रतिमा खंडित

हिसार (हिंस)। जिले के हांसी उपमंडल के गांव भाटला में अंबेडकर भवन में लगी बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को अज्ञात लोगों ने सोमवार रात को खंडित कर दिया। इन लोगों के प्रति का एक हाथ तोड़ डाला। घटना पर दलित समाज ने रोष जताया है, वहीं घटना के बाद गांव में भारी संख्या पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है। बताया जा रहा है कि मंगलवार सुबह जब समाज के लोग कामकाज के लिए निकले तो चौराहे पर लगी प्रतिमा का हाथ टूटा देखा। इस प्रतिमा का तीन महीने पहले हांसी के विधायक विनोद भ्याणा व एसडीएम ने अनावरण किया था। बताया जा रहा है कि सितंबर 2022 में भी डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा को शरारती तत्वों ने खंडित कर दिया था। उस समय भी अज्ञात लोगों पर केस दर्ज किया गया था। ग्राम पंचायत द्वारा यहां नए सिरे से प्रतिमा लगवाई गई, लेकिन अब इस नई प्रतिमा को भी खंडित कर दिया गया है। मामले में अधिवक्ता रजत कल्सन का कहना है कि अब इस मामले में भी केस दर्ज करवाएंगे और प्रशासन से मांग करेंगे कि ऐसा करने वालों को शीघ्र गिरफ्तार करके उन पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

राजस्थान के 11 जिलों में बारिश का यलो और 13 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में मानसून के प्रवेश के बाद दो दिन में करीब पचास फीसदी से ज्यादा राजस्थान को मानसून ने कवर कर लिया है। इस दौरान आने वाले दो से तीन दिन और मानसून की भारी बारिश राजस्थान में हो सकती है। इसके बाद कुछ दिन का गैप लग सकता है। आज से तीन दिनों तक राजस्थान के 24 जिलों में मौसम विभाग का अलर्ट जारी है। इनमें 11 जिलों में यलो अलर्ट और 13 जिलों में ऑरेंज अलर्ट मौसम विभाग की ओर से जारी किया गया है। उत्तरी राजस्थान से लेकर दक्षिणी हिस्सों तक एक दर्जन से अधिक जिलों में 24 घंटे में जमकर बारिश हुई। श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ में मानसून तो नहीं पहुंचा लेकिन यहां आधा-आधा फीट तक प्री-मानसून की बरसात हुई। उदयपुर, राजसमंद, झुंझुनूं, सीकर, चित्तौड़गढ़, कोटा में भी तेज मानसूनी बारिश

का दौर चला। मानसून ने दो दिन में आधा राजस्थान कवर कर लिया और अगले 3 दिन में पूरे प्रदेश को घेर लेगा। मौसम विभाग के अनुसार, इसका कारण ओडिशा और आसपास के झारखंड के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र है। आगामी दो-तीन दिन में मानसून के उत्तर-पश्चिम में आगे बढ़ने की संभावना है। टर्फ लाइन भी सामान्य अवस्था से गुजर रही है। मौसम विभाग के अलर्ट के अनुसार आज जयपुर, करौली, दौसा, सीकर, सवाई माधोपुर, टोंक, नागौर, अलवर, भरतपुर, अजमेर, भीलवाड़ा जिले में बादल गरजने के साथ बारिश होगी। वहीं 11 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। जबकि, 13 जिलों चूरू, बूंदी, कोटा, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं, प्रतापगढ़, जोधपुर, पाली, झालावाड़, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, उदयपुर में बारिश के साथ हवा चलने का यलो अलर्ट है। इस दौरान धीमी और मध्यम गति के साथ बारिश होने की संभावना है। ये बारिश भी रुक रुक कर हो सकती है।

18 साल बाद आ रहा टाटा ग्रुप का आईपीओ : टाटा टेक्नोलॉजीज को आईपीओ के जरिए फंड जुटाने के लिए सेबी की मंजूरी

मुंबई।
टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग के जरिए फंड जुटाने के लिए मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड की मंजूरी मिल गई है। टाटा टेक्नोलॉजीज ऑटोमोबाइल की दिग्गज कंपनी टाटा मोटर्स की सब्सिडियरी है। टाटा ग्रुप करीब 18 साल बाद कोई आईपीओ लेकर आया है। इससे पहले साल 2004 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का आईपीओ आया था।

कंपनी ओएफएस के तहत टोटल 9.57 करोड़ शेयर सेल करेगी – टाटा टेक्नोलॉजीज के मार्च में दायर ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार, टाटा टेक्नोलॉजीज का यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल है। इसके तहत कंपनी अपनी पेड-अप शेयर कैपिटल का लगभग 23.60प्रतिशत यानी 9.57 करोड़ इक्विटी शेयर बेचेगी। इस बीच, सेबी ने गंधार ऑयल रिफाइनरी और एसबीएफसी फाइनेंस के आईपीओ प्लान को भी मंजूरी दे दी है।

टाटा मोटर्स कंपनी में अपनी 20प्रतिशत हिस्सेदारी को बेचेगी – ओएफएस के तहत टाटा टेक्नोलॉजीज की पेरेंट कंपनी टाटा मोटर्स कंपनी में अपने 8.11 करोड़ शेयर्स यानी 20प्रतिशत हिस्सेदारी को सेल करेगी। कंपनी के अन्य शेयरहोल्डर्स–अल्फा टीसी होल्डिंग्स का 97.16 लाख शेयर्स (2.40प्रतिशत हिस्सेदारी) और टाटा कैपिटल ग्रोथ फंड- का 48.58 लाख शेयरों (1.20प्रतिशत हिस्सेदारी) को बेचने का प्लान है।

कंपनी में टाटा मोटर्स की टोटल 74प्रतिशत हिस्सेदारी – टाटा टेक्नोलॉजीज में टाटा मोटर्स की टोटल 74.69प्रतिशत हिस्सेदारी है। अल्फा टीसी होल्डिंग्स की 7.26प्रतिशत और टाटा कैपिटल ग्रोथ फंड- की 3.63प्रतिशत हिस्सेदारी है।

ग्लोबल प्रोडक्ट इंजीनियरिंग और डिजिटल सर्विसेज कंपनी – टाटा टेक्नोलॉजीज एक ग्लोबल प्रोडक्ट इंजीनियरिंग और डिजिटल सर्विसेज कंपनी है। यह ग्लोबल ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स और उनके टियर-1 सप्लायर्स को प्रोडक्ट डेवलपमेंट और टर्नकी सॉल्यूशंस ऑफर करती है। टाटा टेक्नोलॉजीज-केपीआईटी टेक्नोलॉजीज, सर्विसेज और टाटा एलेक्सी जैसी लिस्टेड कंपनियों को टक्कर देगी।

टाटा टेक्नोलॉजीज में टोटल 11,081 कर्मचारी – टाटा टेक्नोलॉजीज के सीईओ वारेन हैरिस हैं। कंपनी में टोटल 11,081 कर्मचारी (10,161 फुल-टाइम और 920 कॉन्ट्रैक्टेड) काम करते हैं। कंपनी के भारत में पुणे (हेडक्वार्टर), गुड़गांव, बेंगलुरु, ठाणे और चेन्नई सहित उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 18 ग्लोबल डिलीवरी सेंटर हैं।

न्यूज ब्रीफ

हिंडनबर्ग का मकसद रेपुटेशन गिराकर मुनाफा कमाना था: रिपोर्ट गलत जानकारियों से भरी थी, शेयरहोल्डर्स से बोले गौतम अडाणी

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए अपनी एनुअल रिपोर्ट जारी कर दी है। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने शेयरहोल्डर्स से कहा कि जनवरी में जारी अमेरिका-बेस्ड शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट का मकसद हमारी रेपुटेशन को डैमेज कर मुनाफा कमाना था। उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट टारगेटेड मिस इन्फॉर्मेशन और गलत आरोपों का एक संयोजन थी। गौतम अडाणी ने कहा, हमारे गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर अमेरिका स्थित एक शॉर्टसेलर ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की। तब हम भारत के इतिहास में सबसे बड़ी फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफरिंग लॉन्च करने की योजना बना रहे थे। रिपोर्ट के कारण हमने एफपीओ को वापस लेने और निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए उन्हें पैसा लौटाने का फैसला किया। शॉर्ट-सेलिंग की घटना के परिणामस्वरूप कई प्रतिकूल परिणाम सामने आए जिनका हमें सामना करना पड़ा। भले ही हमने तुरंत एक खंडन जारी किया, विभिन्न निहित स्वार्थों ने शॉर्ट सेलर के किए गए दावों का अवसरवादी रूप से फायदा उठाने की कोशिश की। इन संस्थाओं ने विभिन्न न्यूज और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर झूठी कहानियों को शामिल किया और प्रोत्साहित किया। गौतम अडाणी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के गठित विशेषज्ञ पैनल को भी ग्रुप में कोई रेगुलेटरी फेल्योर नहीं मिला। उन्होंने ये भी कहा कि सेबी ने अभी तक अपनी रिपोर्ट जमा नहीं की है, लेकिन वे अपने गवर्नेंस और डिस्क्लोजर स्टैंडर्ड को लेकर आश्वस्त हैं। 24 जनवरी को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप को लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। रिपोर्ट में ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए गए थे। इसके बाद ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली थी। अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर करीब 3500 रुपए से गिरकर 1000 रुपए के करीब आ गया था।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे तेज रहेगी भारत की आर्थिक वृद्धि दर, पांच फीसदी रह सकती है खुदरा महंगाई

नई दिल्ली । एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने 2023-24 के लिए भारत के आर्थिक वृद्धि दर अनुमान को 6 फीसदी पर बरकरार रखा है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर सबसे अधिक होगी। घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती के कारण चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष के विकास दर अनुमानों को अपरिवर्तित रखा गया है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री (एशिया-प्रशांत) लुइस कुइज ने कहा, मध्यम अवधि के लिए वृद्धि अनुमान अपेक्षाकृत ठोस बना हुआ है।ए शिया की उभरती अर्थव्यवस्थाएं 2026 तक हमारे वैश्विक वृद्धि परिदृश्य में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में बनी हुई हैं। वियतनाम और फिलीपीन की वृद्धि दर भी चालू वित्त वर्ष में करीब 6 फीसदी रहेगी। हालांकि, चीन की विकास दर 5.5 फीसदी से 0.3 फीसदी घटकर 5.2 फीसदी रह जाएगी। एजेंसी ने कहा कि सामान्य मानसून और कच्चे तेल की कीमतों में कमी से महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलेगी। चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई 6.7 फीसदी से घटकर 5 फीसदी पर आ सकती है।

गूगल ने सुप्रीम कोर्ट से सीआईआई के निर्देशों को रद्द करने की अपील की, लगा था 1336 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली । दिग्गज बहुराष्ट्रीय टेक कंपनी गूगल ने सुप्रीम कोर्ट से भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की ओर से कंपनी के खिलाफ दिए गए सभी निर्देशों को रद्द करने का अनुरोध किया है। सीसीआई ने गूगल को एंड्रॉयड बाजार में अपने दबदबे के दुरुपयोग का दोषी ठहराते हुए उसे 10 कड़े निर्देश दिए थे और 16.1 करोड़ डॉलर (1,336 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया था, जिसका कंपनी ने भुगतान कर दिया था। सूत्रों के मुताबिक, सोमवार को गूगल ने शीर्ष कोर्ट में दलील दी है कि उसने मार्केट में अपनी स्थिति का गलत इस्तेमाल नहीं किया है और उसे जुर्माना चुकाने के लिए जिम्मेदार नहीं बनाया जाना चाहिए। इसके साथ ही कंपनी ने यह भी बताने की अनुमति मांगी है कि एंड्रॉयड से कैसे उपयोगकर्ताओं और एप डवलपर्स को फायदा मिला है। पिछले साल अक्तूबर में सीसीआई ने गूगल को अपने एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम को लेकर मोबाइल निर्माताओं पर लगाए प्रतिबंधों को भी हटाने का निर्देश दिया था, जिसमें गूगल के कुछ एप को मोबाइल में पहले से ही इंस्टाल करना जरूरी होता है।

एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक का मर्जर 1 जुलाई से इफेक्टिव होगा

13 जुलाई को डीलिस्ट हो जाएंगे एचडीएफसी के शेयर्स, निवेशकों को 25 शेयर के बदले बैंक के 42 शेयर मिलेंगे

मुंबई।
हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन और एचडीएफसी बैंक का मर्जर 1 जुलाई 2023 से इफेक्टिव होगा। एचडीएफसी ग्रुप के चेयरमैन दीपक पारिख ने कहा कि 30 जून को मार्केट बंद होने के बाद दोनों कंपनियों के बोर्ड की अलग-अलग मीटिंग होगी। वहीं, एचडीएफसी के वाइस चेयरमैन और सीईओ केकी मिस्त्री ने बताया कि एचडीएफसी के शेयर की डीलिस्टिंग 13 जुलाई से इफेक्टिव हो जाएगी। यानी इस तारीख से हाउसिंग फाइनेंस कंपनी के शेयर स्टॉक एक्सचेंज से हट जाएंगे। संयुक्त कंपनी के शेयर 17 जुलाई से ट्रेड होंगे। एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक ने 4 अप्रैल 2022 को मर्जर की घोषणा की थी। मर्जर के जरिए एचडीएफसी को एचडीएफसी बैंक में 41प्रतिशत हिस्सेदारी मिलेगी। मर्जर का मकसद एचडीएफसी बैंक की ज्यादा से ज्यादा ब्रांचेज में हाउसिंग लोन उपलब्ध कराना है।

इसका शेयरधारकों पर क्या असर होगा

एचडीएफसी लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक के विलय के तहत निवेशकों को एचडीएफसी के 25 शेयर्स के बदले एचडीएफसी बैंक के 42 शेयर्स दिए जाएंगे। यानी अगर आपके पास एचडीएफसी लिमिटेड के 10 शेयर हैं तो मर्जर के तहत आपको 17 शेयर मिलेंगे।

मार्केट कैप में दूसरी बड़ी कंपनी बन जाएगी एचडीएफसी

एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी के मर्जर के बाद कंपनी मार्केट कैप में रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाद देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन जाएगी। अभी एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 9.27 लाख करोड़ रुपए है। एचडीएफसी का मार्केट कैप 5.11 लाख करोड़ रुपए है। दोनों कंपनियों का मार्केट कैप मिलाकर टोटल 14.38 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा। टीसीएस अभी 11.69 लाख करोड़ मार्केट कैप के साथ दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है। वहीं रिलायंस 16.88 लाख करोड़ मार्केट कैप के साथ देश की सबसे बड़ी कंपनी है।

एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक में क्या अंतर है

एचडीएफसी एक हाउसिंग फाइनेंस कंपनी है जो घर और दुकान सहित अन्य प्रॉपर्टी खरीदने के लिए लोन उपलब्ध कराती है। वहीं एचडीएफसी बैंक में बैंक से संबंधित सारे काम होते हैं जैसे सभी तरह के लोन, अकाउंट खुलवाना या एफडी करना आदि।

क्यों हुआ ये मर्जर

सरकारी बैंकों और न्यू-एज फिनटेक कंपनियों से बढ़ते कॉम्पिटीशन के बीच इस मर्जर की जरूरत पहले से महसूस की जा रही थी। मैनेजमेंट ने इस बात पर दांव लगाया है कि विलय से बनने वाली सिंगल यूनिट की बैलेंस शीट बहुत बड़ी होगी, जिससे बाजार में होड़ करने का दमखम बढ़ेगा। यह विलय एचडीएफसी लिमिटेड के लिए ज्यादा प्रॉफिटेबल हो सकता है, क्योंकि इसका बिजनेस कम प्रॉफिटेबल है। एचडीएफसी बैंक के लिहाज से देखें तो इस विलय से यह अपना लोन पोर्टफोलियो मजबूत कर सकेगा। यह ज्यादा लोगों को अपने प्रोडक्ट्स ऑफर कर सकेगा।

ये बराबरी का विलय

एचडीएफसी लिमिटेड के चेयरमैन दीपक पारेख ने कहा था कि यह बराबरी का विलय है। हमारा मानना है कि रेरा के लागू होने, हाउसिंग सेक्टर को इंफ्रास्ट्रक्चर का दर्जा मिलने, अफोर्डेबल हाउसिंग को लेकर सरकार की पहल जैसे तमाम दूसरी चीजों के कारण हाउसिंग फाइनेंस बिजनेस में बड़ी तेजी आएगी।

दीपक पारेख ने आगे कहा कि पिछले कुछ साल में बैंकों और एनबीएफसी के कई रेगुलेशन बेहतर बनाए गए हैं। इससे विलय की संभावना बनी। इससे बड़ी बैलेंस शीट को बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर लोन के इंतजाम का मौका मिला। साथ ही इकोनॉमी की क्रेडिट ग्रोथ बढ़ी। अफोर्डेबल हाउसिंग को बढ़ावा मिला और कृषि सहित सभी प्रायोरिटी सेक्टर को पहले से ज्यादा कर्ज दिया गया।

230 अरब रुपये के कर चोरी का आरोप, पांच ठिकानों पर छापेमारी, शेयर पर पड़ा असर

नई दिल्ली। देश की बड़ी सीमेंट कंपनियों में शामिल श्री सीमेंट पर 230 अरब रुपये (2.81 अरब डॉलर) की कर चोरी का आरोप है। आरोप के बाद कंपनी के शेयरों में गिरावट जारी है। सूत्रों के मुताबिक आयकर विभाग की तलाशी के बाद देश के सबसे बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। आयकर विभाग ने राजस्थान में कंपनी के पांच ठिकानों पर छापे मारे हैं। सूत्रों का दावा है कि श्री सीमेंट ने हर साल कर भुगतान में 1,200-1,400 करोड़ रुपये की हेराफेरी की है। इससे केंद्र और राज्य सरकार को राजस्व के मोर्चे पर घाटा हुआ है। कंपनी ने यह हेराफेरी फर्जी दस्तावेज के जरिये की। उधर, श्री सीमेंट ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को पत्र लिखकर बताया, कंपनी के अधिकारी आयकर विभाग का पूरा सहयोग कर रहे है।साथ ही कहा, कर चोरी की चल रही खबरें सही नहीं हैं। कंपनी से बातचीत किए बिना ऐसी खबरें चलाई जा रही हैं।

अगले एक महीने तक महंगा बिकेगा टमाटर

बारिश के कारण फसल को नुकसान; केरल में 113, तो एमपी-गुजरात में 100 रुपए किलो दाम

नई दिल्ली।
टमाटर के दामों में अगले एक महीने तक कमी नहीं आने का अनुमान है। अभी देश के ज्यादातर बाजारों में टमाटर की कीमत 100 रुपए प्रति किलो के पार निकल गई है। डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स के मुताबिक अभी केरल के एर्नाकुलम में टमाटर सबसे महंगा है। यहां दाम 113 रुपए प्रति किलो पहुंच गए हैं। एक महीने पहले यानी मई में तो उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में टमाटर 2-5 रुपए प्रति किलो बिक रहा था। टमाटर के दामों में आई इस तेजी की वजह भारी बारिश है। बारिश के कारण टमाटर की फसल को नुकसान पहुंचा है जिससे इसकी सप्लाई घट गई है। इसके पहले गर्मी ज्यादा होने से सब्जियां खराब हुई हैं।

बीते 3 सालों में भी दिखा बारिश में टमाटर के दाम बढ़ने का ट्रेंड – बीते तीन सालों में भी बारिश में टमाटर के दामों में बढ़ोतरी का ट्रेंड दिखा है। पिछले साल यानी 2022 के जून महीने में टमाटर के दाम 60-70 रुपए किलो तक पहुंच गए थे। इससे पहले 2021 में दाम 100 रुपए और 2020 में दाम 70-80 रुपए प्रति किलो के करीब पहुंच गए थे।

अगले एक महीने बढ़े हुए रहेंगे दाम – इंदौर की चोइथराम मंडी व्यापारी एसोसिएशन के सचिव निखिल हार्डिया के अनुसार अगले एक महीने लगभग यही स्थिति बनी रहेगी। इसके बाद धीरे-धीरे रेट सामान्य हो जाएंगे। हार्डिया ने कहा कि आसपास से माल की आवक ही नहीं है। सारा माल बाहर से आ रहा है। तमिलनाडु एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी के अनुसार टमाटर के पौधे जब तीन महीने के हो जाते हैं तो इनसे हफ्ते में दो बार टमाटर तोड़ सकते हैं। ये पौधे 1-2 महीने की अवधि तक फसल देते हैं। हालांकि ये किस्म, मिट्टी और जलवायु परिस्थितियों पर निर्भर करती है। कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि बिपरजॉय साइक्लोन की वजह से भी टमाटर का उत्पादन प्रभावित हुआ है। गुजरात और महाराष्ट्र टमाटर का उत्पादन करने वाले टॉप राज्यों में शामिल है ।

क्रिएटर्स-इन्फ्लुएंसर्स को नहीं मिल रही पेमेंट्स, फंडिंग की कमी के कारण बंद हो रहे हैं स्टार्टअप

नई दिल्ली ।
भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी की करीब 4 साल तक प्रायोजक रही एडटेक स्टार्टअप बायजू अपने कर्मचारियों के प्रोविडेंट फंड में पैसे जमा नहीं कर पा रही है। मार्च, 2022 में 2,200 करोड़ डॉलर के मूल्यांकन के साथ दुनिया की सबसे बड़ी एडटेक स्टार्टअप का दर्जा हासिल कर चुकी इस कंपनी के निवेशकों में खलबली मची है। भारत के बढ़ते स्टार्टअप क्षेत्र की कुछ महीनों पहले तक पहचान रही यह कंपनी अकेले वित्तीय संकट से नहीं गुजर रही है, बल्कि कंटेंट क्रिएटर्स और इंफ्लूएंसर की नई उभरती अर्थव्यवस्था से जुड़ी कई स्टार्टअप कंपनियां भी लड़खड़ाती दिख रही हैं। फंडिंग में गिरावट के कारण कई बंद हो चुकी हैं।

ट्रैक्सएन के अनुसार, देश में जून, 2023 तक 2.53 लाख स्टार्टअप सक्रिय हैं। इनमें करीब 2,000 कंपनियां क्रिएटर्स के लिए बनी हैं। लेकिन, बाकी क्षेत्रों के स्टार्टअप की तरह इनकी फंडिंग में गिरावट आ रही है। जनवरी में जारी रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय स्टार्टअप में निवेश 52 फीसदी घटा है। मुंबई में 26 फीसदी और बंगलूरू में 46 फीसदी गिरावट आई है। 2022 में 2,400 स्टार्टअप बंद हुए, जो 2021 से दोगुना है। 2023 की पहली तिमाही में भी गिरावट जारी है। कंटेंट क्रिएटर्स से जुड़े स्टार्टअप को भी इससे नुकसान हो रहा है।

स्टार्टअप, जो बंद हुए या बिक गए

फ्रंटरो : इसने 1.80 करोड़ डॉलर जुटाए। आज बिकने को तैयार है। 90 फीसदी कर्मचारियों को निकाल चुकी है।

कॉर्नर : डिजिटल क्रिएटर्स के लिए बना फिनटेक मंच सवा साल से निष्क्रिय है। इसकी वेबसाइट भी नहीं खुल रही है।

पिक्सल कार्ड्स : क्रिएटर्स के लिए क्रेडिट कार्ड बनाने वाली स्टार्टअप कंपनी बंद हो चुकी है। वजह, आरबीआई की ओर से भुगतान नियम बदलने से लेनदेन शुल्क लग रहा था।

सीन्स : फंडिंग घटने से इसके एप की हालत बिगड़ी। अनअकैडमी के ग्राफी ने इसका अधिग्रहण कर लिया।

प्रोटोन : इसका एप 90 लाख डॉलर जुटाने के 6 माह बाद ही बंद हो गया। स्ट्रीमएंकर व पेनसर्कल भी बंद हो चुके हैं।

एयरपोर्ट पर भीड़ से मिलेगी निजात : अब आप सात से 10 मिनट में होंगे बोर्डिंग गेट पर, लागू हुई यह व्यवस्था

नई दिल्ली।
आप में से वह सभी लोग जो दिल्ली एयरपोर्ट से डोमेस्टिक या इंटरनेशनल फ्लाइट लेते होंगे उनको अपना सामान चेक इन कराने के लिए लंबी-लंबी लाइनों में लगना पड़ा होगा। न जाने कितना वक्त यात्रियों ने लाइन में लगकर बर्बाद किया, लेकिन अब दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर इस तरीके की समस्या से निजात मिल गई है। यहां पर अब सेल्फ बैगेज ड्रॉप इन की सुविधा शुरू हो गई है। दिल्ली एयरपोर्ट को संचालित करने वाली दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड प्रबंधन के मुताबिक, अब महज 7 से 10 मिनट के भीतर कोई भी यात्री अपने सामान को चेक इन कराने के साथ बोर्डिंग गेट पर पहुंच जाएगा। फिलहाल शुरुआती दौर में असुविधा इंडिगो एयरलाइंस के यात्रियों के लिए शुरू हुई है। जल्द ही इसको डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट के यात्रियों के लिए भी शुरू कर दिया जाएगा। बीते कुछ दिनों से दिल्ली एयरपोर्ट पर सेल्फ बैगेज ड्रॉपिंग की सुविधा का ट्रायल रन किया जा रहा था। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि सफल ट्रायल के बाद एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर 14 सेल्फ बैगेज ड्रॉप इन मशीनों को लगा दिया गया है। आधिकारिक तौर पर इसका ट्रायल होने के साथ ही इसको अब यात्रियों की सुविधा के लिए शुरू कर दिया गया है। दिल्ली एयरपोर्ट के सीईओ विदेह जयपुरिया कहते हैं कि इस सुविधा से यात्री महज 20 सेकंड के भीतर अपने सामान को चेक इन करके आगे बढ़ सकेगा। वो कहते हैं कि शुरुआती दौर में यह सुविधा इंडिगो के यात्रियों के लिए शुरू की गई है। जल्द ही इसको अन्य डॉमेस्टिक फ्लाइट और इंटरनेशनल फ्लाइट्स के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। सबसे ज्यादा यात्रियों को बैगेज चेक-इन के लिए ही लाइन में लगना पड़ता है। नई सुविधा यात्री को अपने बोर्डिंग पास को स्कैन करके तय वजन के मुताबिक सामान को ऑटोमेटिक चेक इन किओस्क से प्रोसेस करना होगा। यह प्रक्रिया महज 17 से 21 सेकंड के बीच में पूरी हो जाती है। एयरपोर्ट संचालन करने वाली संस्था से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि शुरुआती दौर में इस सुविधा के साथ लोगों की भीड़ को कम करने और उनको बेहतर सुविधा देने की कोशिश की गई है। जल्द ही इसको और आगे बढ़ाया जाएगा। नई व्यवस्था के माध्यम से चेक इन करने को लेकर अधिकारियों ने बताया कि सबसे पहले यात्री को अपना बोर्डिंग पास लेना होगा। बोर्डिंग पास के साथ ही यात्री को अपना बैगेज टैग भी लेना होगा।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का पायलट प्रोजेक्ट शुरू

साल के अंत तक सर्विस लॉन्च कर सकती है कंपनी, बजाज-एचडीएफसी जैसी कंपनियों को मिलेगी टक्कर

मुंबई ।
रिलायंस ने अपने कंज्यूमर ड्यूरेबल फाइनेंस प्रोग्राम की टेस्टिंग शुरू कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी इस साल के अंत तक जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लॉन्च कर सकती है। कंपनी रिलायंस डिजिटल से खरीदारी करने वाले कस्टमर्स को फाइनेंस के बेहतर ऑफर देना चाहती है ताकि रिलायंस रिटेल के मार्जिन बढ़ाए जा सके।

रिलायंस डिजिटल के कई आउटलेट पर पायलट प्रोजेक्ट के तहत कंपनी इलेक्ट्रिकल्स प्रोडक्ट की खरीदारी करने वाले यूजर्स को अन्य बैंको के साथ जियो फाइनेंस का भी ऑप्शन दे रही है। फाइनेंशियल सर्विसेज लॉन्च होने के बाद बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक सहित अन्य फाइनेंशियल सर्विस देने वाले कंपनियों को टक्कर मिलेगी।

दो महीने पहले फाइनेंशियल सर्विस बिजनेस के डिमर्जर को मिली थी मंजूरी

रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस स्ट्रैटजिक इन्वेस्टमेंट के डिमर्जर को इसी साल 4 मई को क्रेडिटर्स और शेयरहोल्डर्स ने मंजूरी दी है। डीमर्जर शेयर-स्वैप अरेंजमेंट के जरिए किया जाएगा। डिमर्जर के बाद रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट्स का नाम बदलकर जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड कर दिया जाएगा।

अक्टूबर तक हो सकती है नई कंपनी की लिस्टिंग

नई कंपनी अक्टूबर तक स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हो सकती है। आरआईएल के शेयरधारकों को उनके प्रत्येक शेयर के लिए जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का एक शेयर मिलेगा। पिछले साल, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस को अलग करके एक अलग यूनिट बनाने और बाद में इसे स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट करने की घोषणा की थी।

कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का प्लान

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का प्लान कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का है। ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की दिग्गज कंपनी मैक्रेरी ने पिछले साल अपनी रिपोर्ट में रिलायंस के फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस को मार्केट ग्रोथ के मामले में पेटीएम और अन्य फिनटेक कंपनियों के लिए एक बड़ा खतरा बताया था। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ज्यादातर फिनटेक से अलग होगी, क्योंकि इसके पास बड़ी मात्रा में डेटा तक पहुंच है। जियो, अलीबाबा, अमेजन, एपल जैसी फाइनेंशियल सर्विसेज ऑफर करने के लिए रियल टाइम में इस डेटा को प्रोसेस और एनालाइज कर सकती है।

पांचवीं बड़ी फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी बन सकती है जियो

डिमर्जर के बाद, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज देश की पांचवीं बड़ी फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी बन सकती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास पहले से ही एक एनबीएफसी लाइसेंस है, जिसका फायदा उसे कंज्यूमर या मर्चेंट लेंडिंग में मिल सकता है।

फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस में ये कंपनियां शामिल

रिलायंस के फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस में रिलायंस इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट्स एंड होल्डिंग्स लिमिटेड, रिलायंस पेमेंट सॉल्यूशंस लिमिटेड; जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड; रिलांयस रिटेल फाइनेंस लिमिटेट; जियो इंफॉर्मेशन एग्रीगेटर सर्विसेज लिमिटेड; और रिलायंस रिटेल इंश्योरेंस ब्रोकिंग लिमिटेड का इन्वेस्टमेंट है।

फिल्म आदिपुरुष नहीं देखी : विक्रम भटट

- निर्देशक विक्रम भट्ट ने मेकर्स पर तंज कसा

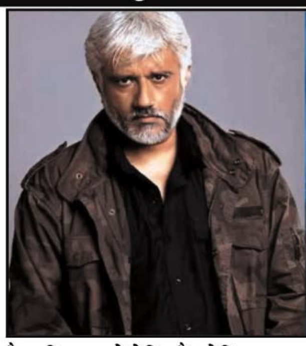

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म के निर्देशक ओम राउत के निर्देशन में बनी फिल्म आदिपुरुष पर आए दिन कोई न को विवाद खड़ा हो रहा है। आदिपुरुष के विवाद को लेकर रामानंद सागर की रामायण से जुड़े एक्टर्स ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए निराशा व्यक्त की थी। हालांकि, नेपाल में अब फिल्म पर से बैन हटने के बाद मेकर्स ने राहत की सांस ली है। अब हाल ही में 1920 के निर्देशक विक्रम भट्ट ने आदिपुरुष के मेकर्स पर तंज कसा है। विक्रम भट्ट ने आदिपुरुष के पूरे विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन्होंने अब तक प्रभास और कृति की फिल्म आदिपुरुष नहीं देखी है। विक्रम भट्ट ने कहा, पहले तो मैं इस बात को लेकर बहुत कन्फ्यूज हूं कि आदिपुरुष रामायण है या फिर नहीं है। मुझे ये बताया गया कि डिस्क्लेमर में शुरूआत में ये लिखा गया है कि आदिपुरुष रामायण पर आधारित नहीं है, बल्कि उससे प्रेरित है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने थिएटर में एक सीट हनुमान जी के लिए आरक्षित की है। क्योंकि जहां रामायण होती है, वहां हनुमान जी होते हैं। तो, ये फिल्म रामायण है या नहीं है, मेकर्स पहले इसका निर्णय ले लें। विक्रम भट्ट ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए बताया कि साल 1943 में उनके दादा विजय भट्ट ने रामराज्य पर एक फिल्म बनाई थी। वह अकेली ऐसी फिल्म थी जिसे महात्मा गांधी ने देखा था। उन्होंने कहा, इस तरह की फिल्में मनोरंजन या फिर वर्ल्डवाइड नंबर के लिए नहीं होती हैं। सच कहूं तो इस तरह की फिल्में लोगों के विश्वास, आस्था और पूजा के लिए बनाई जाती है। पुराने दिनों में लोग अपने पसंदीदा देवताओं के मंदिर बनवाते थे, वह किसी फायदे के लिए नहीं होता था। यह उनकी उपासना और आभार का एक जरिया है। जब आप लोगों को पूजा के लिए बुला रहे हैं, तो फिर उसे पूजनीय ही रखें।

विजय के साथ इंटीमेट सीन करेगी तमन्ना

- एक्ट्रेस ने बताई लस्ट स्टोरीज 2 की वो बात

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म लस्ट स्टोरीज 2 में तमन्ना भाटिया विजय के साथ इंटीमेट सीन करती नजर आएंगी। तमन्ना आजकल विजय वर्मा के साथ अपने रिश्ते को लेकर चर्चे में हैं और दूसरा कारण है उनकी आने वाली फिल्म लस्ट स्टोरीज 2। हाल ही में तमन्ना ने इंडस्ट्री में खुद को साबित करने की बात कही थी। साथ ही एक्ट्रेस ने अपने करियर में लंबे समय तक इंटीमेट सीन न करने और आखिरकार इसके लिए तैयार होने की भी बात कही। तमन्ना भाटिया ने इंटीमेट सीन्स से जुड़ी बातें की और बताया कि कैसे वह स्क्रीन पर कुछ भी न करने की मानसिकता से बाहर निकलने में कामयाब रहीं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि जब 2018 में लस्ट स्टोरीज सामने आई तो वह उसकी बहुत बड़ी फैन थीं।

उन्होंने कहा कि एक एक्टर के लिए उस तरह की सुरक्षा महसूस करना बहुत जरूरी है। उसी पल से, विजय वर्मा ने उन्हें सेफ महसूस कराया कि वह कुछ भी कहने, कुछ करने या एक तरीका बताने से डरती नहीं थी। तमन्ना ने आगे कहा कि विजय ने इसे इतना आसान बना दिया और यह कुछ ऐसा है जो उन्हें उनके बारे में पसंद है। उन्होंने कहा, मेरे जैसे एक्टर के लिए, क्योंकि मैंने बहुत तरह के सिनेमा किए हैं, मैं सबसे पहले लस्ट स्टोरीज 2 की फैन हूं। इसने मुझे वास्तव में एक फीमेल एक्टर के रूप में दिखाया, जैसी कहानियां लोग देखना चाहते हैं। इसे करने में शर्म धीरे-धीरे दूर हो रही है क्योंकि हम समय के साथ आगे बढ़ रहे हैं और हर कोई डेवलप हो रहा है। तो, मैं वह पहली दर्शक थी जिसने इसे पसंद किया। मुझे बहुत मजा आया। मुझे याद है कि मेरे जानने वाले सभी लोगों ने इसे देखा था और सभी को ये पसंद आई थी।

एक्टिंग के शुरूआती दौर में क्या-क्या झेलना पड़ा शोभिता को

-एक्ट्रेस का स्ट्रगल के दौर का छलका दर्द

मुंबई (ईएमएस)। अदाकारा शोभिता धुलिपाला ने साल 2016 में आई थ्रिलर फिल्म रमन राघव 2.0 से बी टाउन में तहलका मचा दिया था। अपने हुस्न के कारण एक्ट्रेस आज भी चर्चा का केंद्र बनी रहती हैं। मगर एक बार उनको मुंह पर ही रिजेक्शन का चांटा मारा दिया गया था। इस बात का खुलासा उन्होंने एक इंटरव्यू में किया है। इंटरव्यू में शोभिता धुलिपाला ने बताया कि एक्टिंग के शुरूआती दौर में उनको क्या-क्या झेलना पड़ा। उन्होंने खुलासा किया कि जब वो एक विज्ञापन के ऑडिशन के लिए गई थीं। तब कैसे लोगों ने उनके स्किन टोन पर कमेंट किया था। उन्हें ये बात अच्छी नहीं लगी थी लेकिन उन्होंने काम करना बंद नहीं किया। एक्ट्रेस ने बताया, जब आप कोई चीज शुरू करते हो तो सबकुछ एक जंग होती है। मैं फिल्मों से नहीं थी। मुझे याद है कि कि जब मैं एक एड का ऑडिशन देने गई थी तो मुझे कई बार बोला गया कि आप गोरी नहीं हैं। ऐसी चीजें थीं जो आप एड लेवल पर देखते हैं, जहां मुझे मेरे चेहरे पर बोला गया था कि मैं उतनी सुंदर नहीं हूं। ऐसा नहीं है कि मैं निराश थी।

शोभिता ने आगे बताया कि उन्हें लोगों ने घटिया कमेंट भी किया, जिससे उन्हें इन्सल्टेड फील हुआ। उन्होंने बताया कि उन्हें बाद में एहसास हुआ कि लोगों का सुंदरता के प्रति नजरिया बहुत छोटा और एकतरफा है। हालांकि इन सब बातों से उन पर कोई असर नहीं हुआ। वह इंडस्ट्री में काम करती रहीं और आगे बढ़ती रहीं। उन्होंने अपनी एक्टिंग स्किल्स पर ध्यान दिया। न कि सुंदरता पर। और आज सब उन्हें उनकी उसी स्किल्स के लिए जानते-पहचानते हैं। बता दें कि 30 जून को ओटीटी पर रिलीज होने वाली द नाइट मैनेजर सीजन 2 में शोभिता धूलिपाला एक बार फिर चार चांद लगाने के लिए बेताब हैं। वो अपने शानदार अभिनय के लिए तो जानी जाती ही हैं। उससे पहले उन्होंने 2013 में मिस इंडिया अर्थ का खिताब भी अपने नाम किया हुआ है।

आलिया और रणवीर कर रहे एक साथ काम

अपकमिंग फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में आलिया और रणवीर साथ काम कर रहे हैं। इसमें धर्मेंद्र, प्रीति जिंटा, शबाना आजमी, जया बच्चन जैसे पॉपुलर स्टार भी शामिल हैं। फैंस फिल्म के लिए काफी एक्साइटेड हैं। ऐसे में धर्मेंद्र ने आलिया भट्ट के साथ एक बेहद प्यारी फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की है। फोटो में देखा जा सकता है कि आलिया ने धर्मेंद्र के कंधे पर हाथ रखा है, दोनों सर जोड़ कर कोई फोटो देख रहें हैं। एक्टर ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा दोस्तों, लविंग आलिया मुझे मेरे रोमांटिक अतीत की झलक दिखा रहीं है! रॉकी और रानी की प्रेम कहानी। यह फोटो शायद फिल्म के किसी सीन से ली गई है। फैंस इस क्यूट फोटो पर खूब प्यार बरसा रहें हैं। बता दें कि करण जौहर की अपकमिंग फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी है, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है।

मैं बॉलीवुड में बिलॉन्ग करता हूं : अनिल कपूर

-बॉलीवुड में 40 साल पूरे करने पर बोले एक्टर

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड में 40 साल पूरे करने पर अभिनेता अनिल कपूर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के एक दृश्य का वीडियो पोस्ट किया और कैप्शन दिया, आज एक एक्टर और इंटरटेनर के रूप में मेरे 40 साल पूरे हो गए। दर्शकों, आपकी स्वीकृति, प्यार और आशीर्वाद के 40 साल पूरे हो गए। उन्होंने लिखा, वे कहते हैं कि जब आप कुछ ऐसा कर रहे होते हैं जो आपको पसंद है, तो समय यूं ही निकल जाता है.. कोई आश्चर्य नहीं कि चार दशक पलक झपकने जैसा लगता है। मैं यहां बिलॉन्ग करता हूं, मुझे यही करना है और मुझे यही बनना चाहिए। उन्हें बड़ा बनाने में सहायता करने वालों को धन्यवाद देते हुए उन्होंने लिखाः इतने सारे लोगों ने मुझे जीवन में इस मुकाम तक पहुंचने में मदद की है, लेकिन मैं विशेष रूप से दिवंगत बापू साहब, मेरे भाई बोनी कपूर और मेरे पिता सुरिंदर कपूर को धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और वो 7 दिन में मुझे पहला मौका दिया.. मैं एक नवागंतुक का स्वागत करने में उनकी कृपा के लिए नसीरुद्दीन और पद्मिनी कोल्हापुरी का भी सदैव आभारी हूं। उन्होंने कहा, उनके स्टारडम ने मुझे उम्मीद से कहीं अधिक चमकाया। आज मैं जो कुछ भी हूं उसका श्रेय इन दिग्गजों और आप सभी से मिले प्यार और स्वीकृति को जाता है। इन 40 वर्षों के पूरा होने के अवसर पर मैं द नाइट मैनेजर पार्ट 2 और एनिमल के साथ दो बेहद खास अवतारों में आपके पास आ रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि आप हमेशा की तरह मुझे प्यार और समर्थन देते रहेंगे। बता दें कि बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर ने शुक्रवार को एक अभिनेता के रूप में अपने करियर के चार दशक पूरे कर लिए। उन्होंने 1983 में सत्तीराजू लक्ष्मीनारायण द्वारा निर्देशित रोमांस ड्रामा फिल्म वो सात दिन से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया था।

सना खान प्रेग्नेंसी पीरियड को कर रही एंजॉय

-शोहर मुफ्ती अनस सैयद के बच्चे को देंगी जन्म

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की पूर्व एक्ट्रेस सना खान अपने प्रेग्नेंसी पीरियड को एंजॉय कर रही हैं। सना खान जल्द ही शोहर मुफ्ती अनस सयद के बच्चे को जन्म देंगी। बता दें कि सना का ये थर्ड ट्रायमेस्टर चल रहा है, जिसके चलते उनके लिए झुकना भी मुश्किल हो गया है। ऐसे में हाल ही में एक बूढी मां ने प्रेग्नेंट सना की मदद की, जिसको लेकर फॉर्मर एक्ट्रेस का दिल भर आया और उन्होंने अम्मा के लिए एक खास पोस्ट शेयर किया। सना खान ने जो पोस्ट इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, उसमें एक बूढ़ी अम्मा प्रेग्नेंट सना के जूते के फीते बांधती दिख रही हैं। इस वीडियो को शेयर कर सना ने बताया क्योंकि वह झुक नहीं सकतीं, ऐसे में उनकी बूढ़ी मां उन्हें जूते पहनाती हैं। वीडियो के कैप्शन में सना ने लिखा- मेरी मां मेरे जूते का फीता बांध रही है ताकि मैं टहलने जा सकूं।

मां के प्यार से अधिक सच्चा और निस्वार्थ कोई प्यार नहीं है। इसे पोस्ट करना पड़ा क्योंकि हम हमेशा उनके द्वारा हमारे लिए किए गए प्यार और बलिदान को भूल जाते हैं। चाहे आपकी उम्र कितनी भी हो, आप उनके लिए हमेशा छोटा बच्चा रहेंगे। एक्ट्रेस ने आगे लिखा- मैं अपने फीते बांधने के लिए झुक भी नहीं सकती। मैं तब भी रो रही थी और अब भी, जब मैं यह लिख रही हूं, यह वीडियो देख रही हूं। मैं अपने बच्चे को वही प्यार वापस देने के लिए इंतजार नहीं कर सकती और मैं वास्तव में उसके जैसा कम से कम आधा होने की उम्मीद करती हूं। बता दें, एक्ट्रेस सना खान ने साल 2020 में शोबिज की दुनिया को अलविदा कहकर फैंस को हैरान कर दिया था।

प्रेग्नेंसी के दौरान शरीर में आए बदलाव मुझे पसंद : इलियाना

एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज ने कहा कि उन्हें कभी-कभी अच्छा महसूस नहीं होता है, लेकिन उनका सपोर्ट सिस्टम, जो लोग उनसे प्यार करते हैं, वे उन्हें याद दिलाते रहते हैं कि मैं अपने अंदर एक छोटे इंसान को बना रही हूं। मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि जब आप प्रेग्नेंट होते हैं तो बहुत से लोग आपके वजन को लेकर कमेंट करते हैं। एक्ट्रेस ने प्रेग्नेंसी के दौरान अपने वजन बढ़ने के बारे में बात की। इलियाना इंस्टाग्राम पर आस्क मी एनीथिंग सेशन में अपन फैंस के सवालों का जवाब दे रही थी। इलियाना ने कहा कि जब आप डॉक्टर के पास चेकअप के लिए जाते हैं तो उनसे भी कोई मदद नहीं मिलती है। उन्हें हर बार आपका वजन लेना पड़ता है इसलिए यह हर बार आपके दिमाग में रहता है। उन्होंने आगे कहा, मैं बस यह कहना चाहती हूं कि पिछले कुछ महीनों में मेरे शरीर में जो बदलाव आया है वह मुझे पसंद है। यह एक बहुत अद्भुत जर्नी है। और हां, मैं इंसान हूं और ऐसे भी दिन आते हैं जब आपको अच्छा महसूस नहीं होता, लेकिन मेरे पास कमाल का सपोर्ट सिस्टम और लोग हैं जो मुझे प्यार करते हैं और मुझे याद दिलाते हैं कि मैं अपने अंदर एक छोटे इंसान को बना रही हूं।

आई लव यू का प्रमोशन करेगी रकुलप्रित

बिग बॉस ओटीटी-2 के वीकेंड का वार एपिसोड में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह अपनी अपकमिंग फिल्म आई लव यू का प्रमोशन करने आएंगी। क्या रकुल प्रीत गेस्ट अपीयरेंस के तौर पर आएंगी, या वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान कंटेस्टेंट्स के साथ बातचीत करने के लिए एक स्पेशल गेस्ट के रूप में शामिल होंगी, फिलहाल, यह खुलासा नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा, मैं बिग बॉस ओटीटी पर पहले वीकेंड का वार का हिस्सा बनने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। मैं शो की बहुत बड़ी फैन हूं और हमेशा वीकेंड एपिसोड देखने की कोशिश करती हूं! एक्ट्रेस ने कहा, मैं सभी कंटेस्टेंट्स से मिलने और सलमान सर के साथ समय बिताने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। सलमान सर को एक्शन में देखना बहुत मजेदार होने वाला है, और मैं स्पेशल ट्विस्ट के साथ वीकेंड के वार में आऊंगीबिग बॉस ओटीटी 2 और आई लव यू जियोसिनेमा पर स्ट्रीमिंग हो रही है।

फिल्म इमरजेंसी का टीजर जारी

फिल्म इमरजेंसी का टीजर जारी किया गया है। यह फिल्म इसी साल 24 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इमरजेंसी का निर्देशन और निर्माण कंगना रनौत ने किया है, स्क्रीनप्ले रितेश शाह की है और कहानी कंगना की है। इसमें कंगना भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में हैं। फिल्म में दिवंगत सतीश कौशिक, अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और मिलिंद सोमन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। एक्ट्रेस-फिल्ममेकर कंगना रनौत की इस फिल्म के बारे में बात करते हुए, कंगना ने कहा, इमरजेंसी हमारे इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण और काले अध्यायों में से एक है जिसे युवा भारत को जानना आवश्यक है। यह एक महत्वपूर्ण कहानी है और मैं अपने सुपर-टैलेंटेड एक्टर्स जैसे स्वर्गीय सतीश जी, अनुपम जी, श्रेयस, महिमा और मिलिंद को इस क्रिएटिव जर्नी को एक साथ शुरू करने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं भारत के इतिहास के इस असाधारण प्रसंग को बड़े पर्दे पर लाने के लिए उत्साहित हूं।

फिल्म 'बाप रे बाप' का धांसू फर्स्ट लुक आउट

भोजपुरी सिनेमा में फिटनेस आइकन के नाम से मशहूर अभिनेता विक्रांत सिंह और खूबसूरत अभिनेत्री यामिनी सिंह की फिल्म बाप रे बाप का धांसू फर्स्ट लुक आउट कर दिया गया है। फिल्म का फर्स्ट लुक फिल्म के मनोरंजन और फिल्म की कहानी को एक फ्रेम में दिखाने वाला है जिसे भोजपुरी जगत के स्नेह प्रेम पसंद कर रहे हैं। यह फिल्म कॉमेडी और ह्यूमर से भरपूर होने वाली है, ऐसा दावा पहले ही फिल्म के निमार्ता-निर्देशक कर चुके हैं। बाप रे बाप एक कमर्शियल भोजपुरी सिनेमा है जो दर्शकों को हेल्दी मनोरंजन देने वाली है। जी बाइस्कोप प्रस्तुत और मैडज मूवीज और एक्कुअल मूवीज प्रोडक्शन की फिल्म बाप रे बाप के निमार्ता जी बाइस्कोप, अविनाश रोहरा और समीर आफताब हैं। फिल्म के निर्देशक फिरोज खान हैं। फिल्म को लेकर विक्रांत सिंह ने बताया कि यह एक ऐसी फिल्म है जो दर्शकों को खूब गुदगुदाएगी। इस तरह की कॉन्सेप्ट पर बनी फिल्में अक्सर आपने बॉलीवुड में देखा होगा लेकिन इस बार भोजपुरी स्क्रीन पर भी आप फिल्म का मजा ले सकेंगे। फिल्म की कहानी बेजोड़ है और दर्शकों के लिए यह पैसा वसूल फिल्म होगी। फिल्म का फर्स्ट लुक आउट हो गया है जल्द ही इसका ट्रेलर भी आएगा। जो फिल्म के कुछ और महत्वपूर्ण पहलुओं से सबों को रूबरू कराएगा। फिल्म में सभी कलाकारों ने अपना शत प्रतिशत दिया है। उम्मीद है कि भोजपुरी के दर्शक हमारी फिल्म को खूब प्यार और आशीर्वाद देंगे। गौरतलब है कि फिल्म बाप रे बाप बन कर तैयार है। इसका फर्स्ट लुक आउट हो गया है और यह जल्द ही रिलीज भी होगी।

सूडोकु नवताल- 6475

★★★✯☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6474 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7222

प्र	अ	मे	जि	मि	ल	न	का	र	प	श
न	का	क	ग	इं	डो	ने	ग	ति	मा	म
अ	दा	र	री	मा	ग	ब	द	ह	प	शी
जी	ग	ल	दो	भा	न	स	च	ह	लि	र
त	अ	अ	स्त	न	ई	मे	ह	प	न	दे
अ	नो	खी	रा	त	प	भा	त	ह	न	बां
ह	मा	ल	मा	व	मे	ला	ई	मा	न	ग
सा	न	भा	र	न	प	रे	रा	ल	वि	ला
न	न	बा	आ	ग	का	र	दो	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	स्न	स्त	प	श
ब	र	ब	ड़ी	दी	दी	स	त्ता	प	र	र

शब्द जाल में अरुणा इरानी की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

अनोखी रात, बड़ी दीदी, मेरे दोस्त, मिलन, शमशीर, आग, भाई भाई, बचपन, अहसान, जिगरी दोस्त

शब्दजाल - 7221 का हल

मे	म	सा	ब	सी	ब	से	ज	ग	ल	व
म	रे	ली	प्रे	शा	न	स	व	ज	कां	ड़
स	मे	हु	बा	दी	छ	मि	आ	क	ब	क
इं	नौ	ब	जु	बा	वा	स	थ	ह	ष	रा
डि	आ	शि	का	र	चा	न	सा	न	भ	जा
या	ल	मि	र	रा	क	ब	ती	ण	घ	रा
द	सिं	प	ल	छ	वा	र	स	बा	व	नी
ह	ह	ऊ	ई	न	ब	क	फ	चो	श	क
म	म	तु	ला	र	की	स	या	औ	र	आ
दो	गॉ	ल	प	लि	जी	रा	भ	म	प	द
नों	ड	क	र्क	य	क	र	त	सं	ता	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6175

	1		5	7	4	
3	32	6	36	2	30	1
		7	1		2	
5	26		34		38	6
	2		7	5		
2	30	4	32	3	31	7
	6	5	4		3	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6174 का हल

4	3	7	1	6	2	5
3	29	6	37	2	31	1
1	2	3	7	5	6	4
5	30	1	30	4	31	6
7	6	5	4	1	3	2
2	33	4	31	3	30	7
6	1	2	5	7	4	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

वनडे इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी जीत: वर्ल्ड कप क्वालीफायर में जिम्बाब्वे ने अमेरिका को 304 रन से हराया; पहली बार 400+ स्कोर किया

हरारे। जिम्बाब्वे ने वर्ल्ड कप क्वालिफायर में वनडे इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। टीम ने यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका को 304 रन से हराया। इस जीत से जिम्बाब्वे ने क्वालिफायर के सुपर-6 में एंट्री ली है। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में सोमवार को जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 408 रन बनाए। जवाब में अमेरिकी टीम 104 रन ही बना सकी। जिम्बाब्वे के कप्तान सीन विलियम्स ने शतकीय पारी खेली। उन्होंने 101 गेंद पर 174 रन बनाए। पारी में 21 चौके और 5 छक्के लगाए। यह वनडे में जिम्बाब्वे की सबसे बड़ी जीत है, जबकि वर्ल्ड क्रिकेट में दूसरी सबसे बड़ी जीत है। वनडे में सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड भारतीय टीम के नाम है। टीम इंडिया ने 15 जनवरी 2023 को श्रीलंका को 317 रनों से हराया था। यह मैच तिरुवनंतपुरम में खेला गया था।

वनडे में जिम्बाब्वे ने सबसे बड़ा स्कोर बनाया

जिम्बाब्वे ने वनडे में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया है। टीम ने पहली बार 400 से ज्यादा का स्कोर खड़ा किया। इससे पहले, टीम का हाईएस्ट स्कोर 351/7 था, जो जिम्बाब्वे ने केन्या के खिलाफ 2009 में बनाया था।

सीन विलियम्स का शतक

टॉस जीतने के बाद जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी चुनी। जॉयलॉर्ड गम्बी और इनोसेंट कैया ने ओपनिंग की। इनोसेंट कैया 32 रन पर आउट हो गए। इसके बाद कप्तान सीन विलियम्स आए और गम्बी के साथ 160 रन की पार्टनरशिप की। गम्बी ने 78 रन की पारी खेल कर हाफ सेंचुरी लगाई। इसके बाद सिकंदर रजा आए और विलियम्स के साथ 45 बॉल में 88 रन की पार्टनरशिप की। विलियम्स ने 174 रन की शानदार शतकीय पारी खेली। वहीं रजा 48 रन और रयान बर्ल 47 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ल्यूक जोंग्वे 1, तदिवनाशे मरुमानी 18 रन बना कर आउट हुए। ब्रैड इवांस 3 रन बना कर नॉट आउट रहे। इस तरह जिम्बाब्वे ने निर्धारित 50 ओवर में 6 विकेट खो कर 408 रन बनाए। अमेरिका की ओर से अभिषेक पराड़कर ने 3, जेसी सिंह ने 2 और नास्तुश केंजिगे ने 1 विकेट अपने नाम किया। अमेरिका के तीन बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। ओपनिंग करने उतरे स्टीवन टेलर 0 रन बना कर आउट हुए। वहीं, उनके साथ आए सुशांत मोदानी 6 रन बना कर पवेलियन लौटे।

न्यूज ब्रीफ

वनडे वर्ल्ड कप की ट्रॉफी स्पेस में लॉन्च: बैलून से 12 हजार फीट ऊंचाई पर पहुंची, अहमदाबाद स्टेडियम में लैंडिंग; 18 देशों में जाएगी

मुंबई। भारत की मेजबानी में पहली बार होने जा रहे वनडे वर्ल्ड कप की ट्रॉफी लॉन्च हो गई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सोमवार को अंतरिक्ष में ट्रॉफी की लॉन्चिंग की। इसके साथ ही ट्रॉफी के वर्ल्ड टूर का ऐलान भी हो गया। 27 जून से शुरू होने वाले वर्ल्ड टूर के तहत यह ट्रॉफी 18 देशों का सफर करके भारत लौटेगी। यह टूर 4 सितंबर को समाप्त होगा। आईसीसी ने अमेरिका की प्राइवेट स्पेस एजेंसी सेंट इंटु स्पेस की मदद से ट्रॉफी को बलून के सहारे अंतरिक्ष में भेजा। फिर पृथ्वी की सतह से 12 हजार फीट की ऊंचाई पर पहुंचाने के बाद स्ट्रैटोस्फियर में ट्रॉफी का अनावरण किया गया। उसके बाद अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ट्रॉफी को लैंड कराया गया। स्ट्रैटोस्फियर पृथ्वी के वायुमंडल की दूसरी परत है, जो टोपोस्फियर के ऊपर और मेसोस्फियर के नीचे स्थित है। यहां कैमरों की मदद से कुछ शानदार वीडियो शॉट्स कैप्चर किए, जिन्हें आईसीसी ने जारी किया। वर्ल्ड कप की ट्रॉफी कुवैत, बहरीन, मलेशिया, अमेरिका, नाइजीरिया, युगांडा, फ्रांस, इटली, अमेरिका और मेजबान देश भारत सहित दुनिया भर के 18 देशों के 40+ शहरों की यात्रा करेगी।

विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप खेलेंगे नीरज चोपड़ा: बुडापेस्ट में भारत का नेतृत्व करेंगे; मांसपेशियों के खिंचाव की चोट से उबर रहे गोल्डन बॉय

पानीपत। देश के गोल्डन बॉय और ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा हंगरी के बुडापेस्ट में विश्व

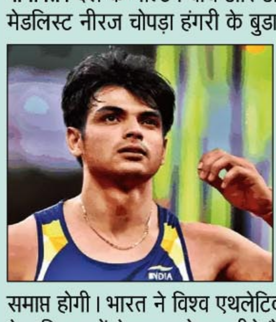

एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2023 में भारत का नेतृत्व करेंगे। चैम्पियनशिप 19 अगस्त से शुरू होगी और 27 अगस्त को समाप्त होगी। भारत ने विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के इतिहास में केवल 2 मेडल जीते हैं। 2022 यूजीन में नीरज चोपड़ा सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने। इससे पहले, 2003 में, अंजू बॉबी जॉर्ज ने महिलाओं की लंबी कूद में प्रतिस्पर्धा करते हुए चैम्पियनशिप में भारत के लिए पहला मेडल जीतकर इतिहास रचा था। पिछले साल यूजीन में 2022 विश्व चैम्पियनशिप में भारत के कुल 23 एथलीट्स ने भाग लिया था। विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2023 योग्यता प्रक्रिया शीर्ष -रैंक के जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने पिछले साल लॉजेन डायमंड लीग में टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया था, जहां उन्होंने 89.08 मीटर के थ्रो के साथ 85.20 मीटर की कट-ऑफ हासिल की थी। नीरज चोपड़ा मांसपेशियों में खिंचाव से उबर रहे हैं। 30 जून को लुसाने में होने वाली डायमंड लीग में उनकी वापसी करने की उम्मीद है। इससे पहले चोट के कारण वह एफबीके गेम्स और पावो नूरमी गेम्स से चूक गए थे। दोहा डायमंड लीग में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद उन्होंने 2023 की शानदार शुरुआत की थी।

नवजोत सिद्धू के बेटे करण की हुई सगाई: पटियाला की इनायत से करेंगे शादी; आर्मी में सेवाएं दे चुके मनिंदर रंधावा की बेटी

अमृतसर। सिद्धू परिवार में जल्द शहनाई बजने वाली है। क्रिकेटर से राजनीति में आए नवजोत सिंह सिद्धू के बेटे करण की सगाई हो गई। लड़की कोई और नहीं, पटियाला की ही रहने वाली है। नवजोत सिंह सिद्धू ने अपने बेटे की वुड बी वाइफ की तस्वीरों को सोशल मीडिया पर वायरल किया है। तस्वीरों में सिद्धू परिवार के साथ दिखने वाली इनायत रंधावा है। सिद्धू ने सोशल मीडिया पर अपनी बहू की तस्वीरों को शेयर किया है। सिद्धू ने अपने बेटे की सगाई को गंगा किनारे किया। तस्वीरों को शेयर करने के बाद संदेश भी लिखा है। जिसमें उन्होंने कहा- बेटा अपनी प्यारी मां की सबसे बड़ी इच्छा का सम्मान करता है... इस शुभ दुर्गा-अष्टमी के दिन मां गंगा की गोद में, एक नई शुरुआत, हमारी होने वाली बहू इनायत रंधावा से परिचय।

नीदरलैंड सुपर ओवर में 30 रन बनाकर जीता

हर बॉल पर बाउंड्री, 3 चौके और 3 छक्के लगे; हार से विंडीज का क्वालिफाई करना मुश्किल

हरारे। दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के वर्ल्ड कप में पहुंचने की राह कठिन होती नजर आ रही है। टीम को सोमवार रात वर्ल्ड कप क्वालिफायर में नीदरलैंड के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी। टीम को नीदरलैंड ने सुपर ओवर में 30 रन बनाकर हराया। जवाब में विंडीज के बल्लेबाज दो विकेट पर 8 रन ही बना सके। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में नीदरलैंड ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 375 रन का टारगेट दिया। जवाब में नीदरलैंड ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 374 रन बनाते हुए स्कोर लेवल कर लिया। ऐसे में रिजल्ट के लिए सुपर ओवर का सहारा लिया।

अब समझे कैसे वेस्टइंडीज के लिए चुनौती बढ़ेगी

जिम्बाब्वे के बाद नीदरलैंड के खिलाफ हारने से अब ग्रुप स्टेज में ग्रुप में वेस्टइंडीज के 4 पॉइंट हो गए। वहीं, जिम्बाब्वे के पास 8 और नीदरलैंड के 6 पॉइंट्स है। ग्रुप में श्रीलंका 6 पॉइंट्स के साथ टॉप पर है। हर ग्रुप में 5 टीम है। इसमें से दोनों ग्रुप की टॉप 3 टीम के बीच सुपर 6 टेबल के मुकाबले होंगे। इसमें सब एक दूसरे के खिलाफ मैच खेलेंगे और फाइनल टेबल के टॉप 2 टीम क्वालिफाई होंगी। लेकिन, इसमें ग्रुप टेबल के पॉइंट्स के साथ टीम सुपर 6 में जाएगी। यानी अगर वेस्टइंडीज सुपर 6 टेबल में जाएगी तो उसके नीदरलैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले मैच के पॉइंट्स सुपर 6 में काउंट होंगे। इस कारण अब वेस्टइंडीज के सुपर 6 में टॉप 2 पर आने की संभावना कम हो गई है।

पूरन ने लगाया नाबाद शतक

टॉस हारने के बाद वेस्टइंडीज पहले बल्लेबाजी करने उतरी। ओपनर ब्रैंडन किंग और जॉनसन चार्ल्स ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। दोनों के बीच 101 रन की पार्टनरशिप हुई। किंग 76 और चार्ल्स 54 रन बना कर पवेलियन लौटे। इसके बाद शामारह ब्रुक्स ने 25 रन बनाए और कप्तान शाई होप 47 रन बना कर आउट हुए। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान निकोलस पूरन ने अपने हाथ में जिम्मेदारी ली और महज 65 बॉल में 104 रन की शानदार नाबाद पारी खेली। इसके बाद रोमारिओ शेफर्ड पहली बकी बॉल पर आउट हो गए और जेसन होल्डर 8 रन बना कर पवेलियन लौटे। आखिर में आए कीमो पॉल ने 25 बॉल पर धुंआधार 46 रन की पारी खेली। ऐसे करते हुए पूरन और पॉल ने टीम को 6 विकेट के नुकसान पर 374 के स्कोर पर पहुंचाया। नीदरलैंड की ओर से बाद डी लीड ने 2 विकेट और शाकिब जुल्फिकार ने 2 विकेट लिए। वहीं, लोगन वैन डी बीक और विवियन किंग्मा को 1-1 सफलता मिली।

नीदरलैंड के मिडिल आर्डर ने बचाया

लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड में विक्रमजीत सिंह और मैक्स ओ डाउड ओपनिंग करने उतरे, दोनों क्रमश 37 और 36 रन बना कर आउट हो गए। इसके बाद वेस्ली बर्रेसी और बॉस डी लीड भी 27 और 33 रन बना कर लौटे।

तेजा निदामानुरू और कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स के बीच 143 रन की शानदार पार्टनरशिप हुई। निदामानुरु ने 111 रन की शतकीय पारी खेली। वहीं स्कॉट एडवर्ड्स ने 67 रन स्कोर कर हाफ सेंचुरी लगाई। आखिर में लोगन वैन बीक आए और 14 बॉल में 28 रन की धमाकेदार पारी खेल जैसे तैसे स्कोर बराबर कर दिया। आखिरी बॉल पर जीत के लिए 1 रन की जरूरत थी, लेकिन इस बॉल पर अल्जारी जोसफ ने उन्हें आउट कर दिया। इस तरह स्कोर टाई हो गया और मैच सुपर ओवर की ओर चला गया।

सुपर ओवर में नीदरलैंड ने 30 रन बनाए

सुपरओवर में वेस्टइंडीज बुरी तरह हार गई। नीदरलैंड ने पहले बल्लेबाजी की। जेसन होल्डर ने पहला ओवर डाला। बल्लेबाजी कर रहे वैन डी बीक ने पहली बॉल पर चौका, फिर सिक्स लगा दिया। तीसरी बॉल पर चौका और फिर लगातार 2 छक्के जड़ दिए। आखिरी बॉल ओर लीड ने फिर चूका लगाया और 30 रन बना दिए। जवाब में वेस्टइंडीज की ओर से जॉनसन चार्ल्स ने पहली बॉल पर सिक्स लगाया। इसके बाद 1 रन और फिर तीसरी बॉल शाई होप ने फिर सिंगल लिया। चौथी बॉल पर जॉनसन चार्ल्स आउट हो गए और फिर पांचवी बॉल पर शेफर्ड भी वेन डी बीक का शिकार बने।

वर्ल्ड कप में भारत-पाक मुकाबला 15 अक्टूबर को

5 अक्टूबर को इंग्लैंड-न्यूजीलैंड मैच से शुरुआत, फाइनल 19 नवंबर को; तीनों ही मैच अहमदाबाद में

मुंबई। भारत में अक्टूबर-नवंबर के बीच 46 दिन तक वनडे वर्ल्ड कप के 48 मुकाबले खेले जाएंगे। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने मंगलवार को वर्ल्ड कप का शेड्यूल जारी कर दिया। टूर्नामेंट की शुरुआत 5 अक्टूबर को न्यूजीलैंड-इंग्लैंड मुकाबले से होगी। यह मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसी मैदान पर 19 नवंबर को फाइनल होगा। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले मुंबई और कोलकाता में होंगे। टूर्नामेंट का सबसे चर्चित मैच, यानी भारत-पाकिस्तान मुकाबला 15 अक्टूबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ही होगा। हालांकि भारत के वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया से मुकाबले के साथ होगी। यह मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में खेला जाएगा।

10 शहरों में खेले जाएंगे वर्ल्ड कप के मुकाबले

वर्ल्ड कप 2023 के मुकाबले 10 शहरों में खेले जाएंगे। जिसमें अहमदाबाद (नरेंद्र मोदी स्टेडियम), बेंगलुरु (एम चिन्नास्वामी स्टेडियम), चेन्नई (एमए चिदम्बरम स्टेडियम), दिल्ली (अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम), धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम), हैदराबाद (राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, उप्पल) हैं इनके अलावा कोलकाता (ईडन गार्डन), लखनऊ (अटल बिहारी बाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम), मुंबई (वानखेड़े स्टेडियम), पुणे (महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम) शामिल हैं। हैदराबाद के अलावा गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम 29 सितंबर से 3 अक्टूबर तक प्रैक्टिस मैचों की मेजबानी करेंगे।

8 टीमें क्वालिफाई, बची हुई 2 जगहों के लिए मुकाबले जारी

इस बार वर्ल्ड कप में 10 टीमें भाग लेंगी। 2023 वनडे वर्ल्ड कप के लिए होस्ट भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड ने सीधे तौर पर क्वालिफाई किया है। अब बाकी दो टीमें क्वालिफायर राउंड से आएंगी।

झूलन गोस्वामी एमसीसी वर्ल्ड क्रिकेट कमेटी में शामिल: इंग्लैंड की हीथर नाइट और ओएन मोर्गन के भी नाम, लॉर्ड्स में होगी बैठक

लंदन। दिग्गज भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी और इंग्लैंड के दो खिलाड़ी हीथर नाइट और पूर्व कप्तान ओएन मोर्गन एमसीसी वर्ल्ड क्रिकेट कमेटी(डब्ल्यूसीसी) की लॉर्ड्स में होने वाली बैठक से पहले शामिल किए गए हैं। क्लब ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। डब्लूसीसी की मीटिंग आने वाले सोमवार और मंगलवार को एशेज टेस्ट मैच के पहले होगी।

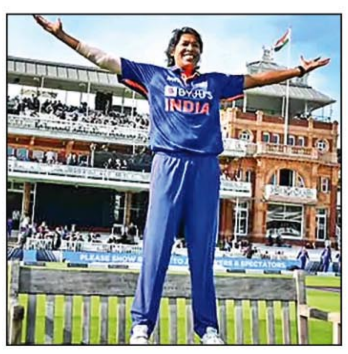

क्या है एमसीसी और डब्लूसीसी

एमसीसी क्रिकेट के नियम बनाती है और समय-समय पर इसमें भी बदलाव भी करती है। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब आज से साल 1787 में अस्तित्व में आया था। इसका हेडक्वार्टर इंग्लैंड का लॉर्ड्स मैदान में है। आईसीसी के आने से पहले एमसीसी के नियमों पर ही क्रिकेट खेला जाता था। आईसीसी आज भी एमसीसी के नियमों पर ही चलता है। एमसीसी अभी भी क्रिकेट के नियम बनाता है, लेकिन वे आईसीसी से हो कर ही गुजरते है।

एमसीसी ने डब्लूसीसी की स्थापना 2006 में की थी। इसमें दुनिया भर के वर्तमान और पूर्व अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर और अंपायर शामिल हैं। खेल से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने के लिए साल में दो बार बैठक करते हुए एमसीसी और डब्लूसीसी इंटरनेशनल क्रिकेट कमेटी के लिए काम करते है।

पिछले साल गोस्वामी ने लिया था संन्यास

विमेंस क्रिकेट में सबसे तेज बॉलर्स में से एक मानी जाने वाली गोस्वामी ने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, उन्होंने आखिरी मैच इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेला था, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया था।

अप्रैल में एमसीसी ने ऑनरी लाइफ मेंबर बनाया था

अप्रैल 2023 में गोस्वामी को एमसीसी ने ऑनरी लाइफ मेंबर बनाया था। गोस्वामी के डब्लूसीसी में आने पर कमेटी के माइक गेटिंग ने कहा कि, मॉर्गन, गोस्वामी और नाईट के आने से हम खुश है। इस सभी प्लेयर्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना नाम बनाया है। इन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट की समझ है। इसका कमेटी को फायदा होगा।

106 वर्षीय उड़नपरी दादी ने फिर रचा इतिहास: 18वीं नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 2 गोल्ड जीते, शॉटपुट में भी शानदार परफॉर्मेंस

मुंबई। हरियाणा के चरखी दादरी में रहने वाली 106 वर्षीय उड़नपरी दादी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सोमवार से युवरानी महेंद्र कुमारी की स्मृति में देहरादून में 18वीं राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आगाज हुआ। 2 दिवसीय प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों से आए 5 वर्ष की आयु से लेकर 106 वर्ष की आयु तक करीब 800 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। वहीं सोमवार को इस प्रतियोगिता के मुख्य आकर्षण का केंद्र हरियाणा के चरखी दादरी की रहने वाली 106 वर्षीय उड़नपरी दादी रमाबाई रहीं। उन्होंने एक बार फिर अपने जलवे से सबको हैरान कर दिया। उन्होंने 100, 200 मीटर दौड़ में भाग लेकर गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने शॉटपुट इवेंट में भी अपने दमदार प्रदर्शन की बदौलत सभी को हैरत में डाल दिया।

उड़नपरी दादी के नाम से फेमस रामबाई

बता दें कि रामबाई ने वडोदरा में हुई राष्ट्रीय स्तर की एथलेटिक्स चैंम्पियनशिप में 100 मीटर रेस में नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। चरखी दादरी जिले के गांव कादमा की रहने वाली रामबाई राष्ट्रीय स्तर की एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अपनी 3 पीढ़ियों के साथ 100, 200 मीटर दौड़, रिले दौड़, लंबी कूद में 4 गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास बना चुकी हैं। इससे पहले नवंबर 2021 में हुई प्रतियोगिता में 4 गोल्ड मेडल जीते थे। राम बाई गांव की सबसे बुजुर्ग महिला हैं और सब उनको उड़नपरी पड़दादी (परदादी) कह कर बुलाते हैं। राम बाई गांव में आमतौर पर खेतों में और घर में भी काम करते दिखाई देती हैं। वो पूरी तरह से सेहतमंद हैं और इस उम्र में भी हर रोज 5 से 6 किलोमीटर दौड़ती हैं।

सुबह 4 बजे उठ कर पैदल चलने का अभ्यास

बता दें कि 1 जनवरी, 1917 को जन्मी गांव कादमा निवासी राम बाई बुजुर्ग एथलेटिक्स खिलाड़ी हैं। उन्होंने नवंबर, 2021 में वाराणसी में हुई मास्टर्स एथलैटिक मीट में भाग लिया था। 105 वर्ष की आयु में वृद्धावस्था की परवाह किए बिना खेल को जीवन का हिस्सा बनाकर कड़ी मेहनत से आगे बढ़ रही हैं।

बुजुर्ग एथलीट राम बाई ने खेतों के कच्चे रास्तों पर खेल की प्रैक्टिस की है। वे सुबह 4 बजे उठकर अपने दिन की शुरुआत करती हैं। लगातार दौड़ और पैदल चलने का अभ्यास करती हैं। इसके अलावा वे इस उम्र में भी 5-6 किलोमीटर तक दौड़ लगाती है।

एशेज-दूसरा टेस्ट आज से, लॉर्ड्स पर मिलेगी तेज पिच

पहला टेस्ट हारने के बाद इंग्लैंड के गेंदबाजों ने की थी स्लो पिच की शिकायत

लंदन। द एशेज सीरीज में 1-0 से पिछड़ रही इंग्लिश टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी वापसी के लिए तेज पिच बनवा रही है, ताकि बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली टीम दूसरे मुकाबले को जीतकर 5 मुकाबलों की सीरीज में वापसी कर सके। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहला टेस्ट 2 विकेट से जीता था। मेरिलबोन क्रिकेट कमेटी (एमसीसी) के असिस्टेंट सेक्रेटरी जेमी कोक्स ने बताया है कि वे लॉर्ड्स पिच को पेस के लिए तैयार कर रहे हैं। कोक्स कहते हैं कि सर्दियों के दौरान लॉर्ड्स की पिच को रिनोवेट किया गया था। रिनोवेशन के दौरान लॉर्ड्स की पिच की ऊपरी 10 मिलीमीटर की मिट्टी को हटाया गया और ऊपर नई घास की लेयर बिछाई गई। इससे पिच में स्पीड बढ़ी। कोक्स बताते हैं कि इंग्लैंड ने आयरलैंड के खिलाफ जैसी पिच का इस्तेमाल किया था, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी उस तरह की ही पिच का इस्तेमाल होगा। हालांकि, वो ये भी बताते हैं कि बहुत सी चीजें मौसम पर भी निर्भर करेंगी। अगर धूप रही तो दिन बल्लेबाजी के लिए बेहतर होगा। अगर बादल रहे तो दिन गेंदबाज के लिए अच्छा होगा। पहले टेस्ट में एजबेस्टन की पिच कम उछाल और कम पेस वाली थी। वहीं, लॉर्ड्स की पिच को ज्यादा पेस के लिए तैयार किया जा रहा है। पहले मैच में पिच को लेकर न सिर्फ क्रिकेट एक्सपर्ट्स ने सवाल उठाए, बल्कि इंग्लिश गेंदबाज भी खुद को रोक नहीं पाए थे। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने मैच खत्म होने के बाद कहा था कि अगर एशेज में सारी पिच इस तरह से स्लो होंगी, तो मेरे लिए एशेज सीरीज अब खत्म हो चुकी है। स्टुअर्ट ब्रॉड ने भी पिच की आलोचना की थी। इसलिए लॉर्ड्स की पिच को बेहतर बनाया जा रहा है। लॉर्ड्स के ग्राउंड्समैन कार्ल मैक्डरमॉट को पिच तैयार करनी है।

4 पेसर के साथ खेलना इंग्लैंड की मजबूरी

बैजबॉल ने इंग्लैंड की जिस कमी को छिपा लिया था, वह ऑस्ट्रेलिया के सामने पहले ही मैच

में उजागर हो गई कि इंग्लिश गेंदबाज पुरानी गेंद के साथ फ्लैट पिच पर असफल हो जाते हैं। ऐसी पिच पर विकेट लेने के लिए न तो इंग्लैंड के पास कोई 145+ की रफ्तार वाला पेसर है न ही कोई क्वॉलिटी स्पिनर है। ऐसे में इंग्लैंड ने अपनी टेस्ट टीम में रेहान अहमद को शामिल किया। पहले मैच में मोइन अली खास नहीं कर पाए। उनकी बॉलिंग फिंगर में चोट और लग गई, जिससे वे शायद ही अगला मुकाबला खेल सकें, हालांकि मोइन प्रैक्टिस करते देखे गए हैं। इंग्लैंड के लिए चार पेस गेंदबाज के साथ खेलना एक मजबूरी बन जाता है। साथ ही, उन्हें अगले टेस्ट में किसी एक्सप्रेस तेज गेंदबाज को टीम में शामिल करना होगा। इस मसले में पूर्व खिलाड़ी माइकल नासेर ने सलाह दी कि इंग्लैंड को बेन स्टोक्स समेत पांच पेसर के साथ उतरना चाहिए। उन्हें जो रूट को एक पूरे स्पिनर के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए।

लॉर्ड्स में मार्क वुड और पॉट्स का रिकॉर्ड अच्छा

लॉर्ड्स के मैदान पर मार्क वुड या मैथ्यू पॉट्स में से एक खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं। मार्क वुड की लॉर्ड्स में 11 की बॉलिंग औसत है। वहीं, मैथ्यू पॉट्स तेज और लगातार मुश्किल गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया के निचले क्रम के बल्लेबाजों को आउट कर सकते हैं। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के किसी भी खिलाड़ी के लिए एशेज में खेलना एक सपने जैसा होता है। हालांकि, हर सपने का एक अंत होता है। ऐसे ही कई खिलाड़ी हैं, जो क्रिकेट की सबसे पुरानी राइवलरी में अपने देश का प्रतिनिधित्व अंतिम बार कर रहे हैं। इनमें से कुछ खिलाड़ी फॉर्म और कई खिलाड़ी उम्र के कारण शायद अगले एशेज में खेलते न दिखें। स्टीव स्मिथ: ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ एशेज सीरीज के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में पांचवें स्थान पर हैं। हालांकि, वे एक्टिव टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने अभी तक 3066 रन बनाए हैं। स्मिथ 34 साल के हो गए हैं और अगले एशेज तक 36 के हो जाएंगे। ऐसे में शायद वे अगले एशेज तक संन्यास की घोषणा कर दें। डेविड वॉर्नर: डेविड वॉर्नर कई सालों से ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उनका हाल का फॉर्म खराब रहा है। उन्होंने एशेज में 29 मुकाबलों में 1933 रन बनाए हैं। वॉर्नर ने हाल ही में दिए बयान में कहा था कि वो घरेलू मैदान पर मैच खेल संन्यास लेना चाहेंगे। जेम्स एंडरसन: इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन (36) सबसे ज्यादा एशेज टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में 10वें स्थान पर हैं।

कांगू वर्कआउट से जुड़ी बातों को जानें

क्या आप जानते है कि कांगू जम्प आपके शरीर को कई तरह के आराम पंहुचाता है। एक्सरसाइज शरीर के लिए जरूरी होती है पर कई बार बोरिंग लगती है। लेकिन कांगू जम्प के साथ आपको ऐसी शिकायत नहीं रहेगी। नाचते भागते करने वाली ये एक्सरसाइज आपके शरीर पर ज्यादा दबाव नहीं डालते हुए आसानी से आपको स्वस्थ रखती है।

जब हो पहली फिटनेस क्लास

किसी भी नई चीज की शुरुआत के दौरान हम काफी बेचैनी महसूस करते हैं। नतीजतन हम गहरे प्रेशर में आ जाते हैं या फिर हमारा आत्मविश्वास डोल जाता है। ठीक यही बात पहली फिटनेस क्लास पर भी लागू होती है। यहां ऐसे ही बातों का जिक्र हो रहा है।

छुपकर रहना

नई फिटनेस क्लास में अकसर लोग फिटनेस इंस्ट्रक्टर से छिपने की कोशिश करते हैं। मानों उनकी परीक्षा ली जा रही हो। जबकि ऐसा करने की बजाय फिट रहने के लिए इंस्ट्रक्टर से नजदीकियां बढ़ाना आवश्यक है।

इंस्ट्रक्टर की नजर

यदि आपका इंस्ट्रक्टर आपसे कहे कि उसकी नजर आप पर है तो इस बात से परेशान न हो। असल में ज्यादातर लोग अपनी नई फिटनेस क्लास में इंस्ट्रक्टर से डरते हैं। ध्यान रखें कि वे भी कभी नवसीखिए थे। अतः खुद को सबसे पिछड़ा हुआ न समझें।

पोस्चर पर नजर

मैं कैसा दिख रहा हूं, लोग मेरे बारे में क्या कहेंगे? वगैरह-वगैरह। फिटनेस सेंटर में एक्सरसाइज करते वक्त इस तरह की बातें भी अकसर परेशान करती हैं। लेकिन यकीन मानिए फिटनेस क्लास में फैशन से ज्यादा कम्फर्ट मायने रखता है।

इंस्ट्रक्टर का पागलपन

नई क्लास में इंस्ट्रक्टर अकसर समझ नहीं आते। यही कारण है कि शुरुआत में हमें इंस्ट्रक्टर का अच्छा खासा खौफ रहता है। लेकिन इस विषय में परेशान होने की बजाय जरूरी यह है कि उसे समझें। उससे नजरें न चुराएं। समस्या होने पर उससे सीधे संपर्क करें।

मशीन की जानकारी

निःसंदेह इस दुनिया में हर कोई पर्फेक्ट नहीं है। ऐसे में यदि फिटनेस क्लास में आपको कोई नई मशीन दिखती है तो उस संदर्भ में फिटनसे इंस्ट्रक्टर से पूछने में हिचकिचाएं नहीं। जबकि नई क्लास में भी लोग इस सवाल को पूछने से बचते हैं।

प्रतिस्पर्धा से बचें

किसने कौन सी मशीन में एक्सरसाइज की है या किसने कितना वजन उठाया है? इस तरह के सवाल पहली क्लास में आना लाजिमी है। लेकिन आप पहले ही दिन उनसे अपनी तुलना न करने लगे। याद रखें तुलना करेंगे तो नुकसान में रहेंगे।

अकेले वार्म अप करना

अकेले वार्म अप करने में कई लोग शर्म महसूस करते हैं। लेकिन क्या आपको लगता है कि इसकी जरूरत है? बिल्कुल नहीं। शुरुआती स्तर में वार्म अप करना आवश्यक है। अतः दूसरों की अनदेखी करें और एक्सरसाइज पर ध्यान दें।

तालमेल न बैठना

हो सकता है कि पहली क्लास में आपका फिटनेस सेंटर में मौजूद अन्य लोगों के साथ तालमेल न बैठे। लेकिन इसको समस्या का सबब नहीं बनाना चाहिए, न ही चिंता का विषय। इसके इतर जरूरी यह है कि उन्हें देखते हुए एक्सरसाइज पर ध्यान दें।

क्या मैं सही कर रहा हूं

फिटनेस सेंटर में पहले दिन इस तरह का ख्याल भी बार बार आता है। असल में हम फिटनेस क्लास के पहले दिन खुद को कम और दूसरों को ज्यादा देखते हैं। नतीजतन बार बार खुद से यह सवाल करते हैं कि क्या हम सही कर रहे हैं। याद रखें कि अगर आपकी एक्सरसाइज गलत होगी तो इंस्ट्रक्टर खुद आपकी मदद करेंगे।

नए खून में आक्रामक व्यवहार...

इस लेख में युवाओं को समझने का प्रयास किया गया है ताकि हमें मुद्दों की सही समझ हो और हम अपने व्यवहार में सही परिवर्तन ला सकें। आक्रामकता ऐसे भौतिक या मौखिक व्यवहार को कहते हैं जिसका मकसद किसी को चोट पहुंचाना होता है।

आक्रामकता दो तरह की होती हैं, पहली, शत्रुतापूर्ण आक्रामकता, जो गुस्से से पनपती है और इसका मकसद दूसरों को घायल करना होता है। दूसरी होती है औजार के तौर इस्तेमाल होने वाली आक्रामकता। इसमें आक्रामकता को हथियार बनाकर कोई मकसद हासिल किया जाता है और इसमें हमलावर व्यक्ति को उकसाने वाला मौलिक तत्व दूसरे को चोट पहुंचाना नहीं होता। मिसाल के तौर कोई लड़का अपने साथियों के साथ मिलकर अपनी कक्षा के किसी लड़के को उसके किसी व्यवहार से खफा होकर उसे पीटता है क्योंकि वह उससे बदला लेना चाहता है। यह शत्रुतापूर्ण आक्रामकता है जो आवेश और भावनात्मक उफान से जन्मी है। दूसरी ओर किसी खास अच्छे या बुरे मकसद के लिए जुनून की तरह आक्रामकता सामने आती है जो सामाजिक राष्ट्रीय हितों की रक्षा या के लिए भी हो सकती है।

बच्चा आक्रामक क्यों होता है?

एक मत यह है कि मूल प्रवृत्ति और कुंठा हमारे भीतर आक्रामकता की प्रबल भावना पैदा करती है जबकि दूसरा मत यह है कि सीखने से हमारे भीतर की आक्रामकता बाहर आती है। इसका मतलब यह हुआ कि अनुभव और दूसरों को देखने से हम यह सीखते हैं कि आक्रामकता से कुछ हासिल होता है। किसी बच्चों के आक्रामक व्यवहार से दूसरे घबरा जाते हैं तो अन्य बच्चों में यह प्रवृत्ति बढ़ने की आशंका उन बच्चों से अधिक होती है, जो किसी बात का कड़ा दंड भुगत चुके होते हैं।

आक्रामकता एक जीव विज्ञान है

कुछ जैविक कारण भी आक्रामकता पैदा करते हैं जिनमें हार्मोन में परिवर्तन आना और शराब पीने से जनित आक्रामकता आदि शामिल हैं।

आपराधिक व्यवहार को समझना मनोविश्लेषण

मनोविश्लेषण के सिद्धांत के अनुसार जिस व्यक्ति में बहुत विध्वंसक प्रवृत्तियां होती हैं वह शुरुआती विकास के चरण में दबा हुआ होता है और वह अपने एवं वातावरण के बीच समायोजन नहीं कर पाता। इसका अर्थ यहां यह हुआ कि व्यक्तियों की अवधारणात्मक सोच शुरुआती स्तर पर पनपती है और यह विकसित अवस्था में नहीं बन पाती।

व्यक्तित्व के विकार

ऐसे व्यक्तियों में समाज विरोधी व्यक्तित्व के विकार भी होते हैं। इन व्यक्तियों में सामाजिक नियमों से बंधने की प्रवृत्ति नहीं होती, उनका आवेश पर नियंत्रण खराब होता है, वे बहुत आक्रामक होते हैं और उनमें पछतावे की भावना नहीं होती। ये लक्षण बहुत शुरुआत में ही पनप जाते हैं। बच्चों में इसे 'आचरण विकार' वाले व्यक्तित्व के तौर पर देखा जाता है। ऐसे बच्चे बहुत छिपाव वाले, आक्रामक और सभी नियमों को तोड़ने वाले होते हैं।

समूह मनोविज्ञान

इनमें से अनेक किशोर अपना गुट बना लेते हैं। ऐसे गुट में आपसी जुड़ाव बहुत मजबूत होता है और शुरुआती वर्षों में ही वे गुटों में शामिल हो चुके होते हैं। इस प्रक्रिया को 'निवैयक्तिकरण' कहते हैं जिसमें व्यक्ति अपना आत्मबोध खो देता है और उसमें निर्णय लेने की क्षमता नहीं रह जाती। वह ग्रुप में ही सोच पाता है और उसकी अपनी पहचान खत्म होती है। वह ग्रुप में ही अपनी पहचान देख पाता है। इसी वजह से वह जो कुछ करता है, गुट में करता है और गुट न हो तो वह कुछ नहीं कर पाता।

देखकर सीखना

जब कोई बच्चा शुरूआती जीवन में हिंसा देखता है तो उसके मन में इसके प्रति संवेदनशीलता कम होती जाती है और वह बिना किसी पश्चाताप के हिंसा में संलग्न हो सकता है। जो लड़के विध्वंस और हिंसा के सम्पर्क में अधिक रहते हैं, उन पर इसका बहुत अधिक असर पड़ता है। हिंसा में लगे रहने वाले दोस्तों के सम्पर्क में रहने वाले लड़कों या आक्रामक माता-पिता के साथ जीने वालों में आक्रामकता पैदा होती है और वे हिंसा और अपराध से हिचकिचाते नहीं हैं।

अन्य कारण

सामाजिक-आर्थिक भेद की भूमिका: जो विभिन्न सामाजिक गुटों के बीच बढ़ता भेदभाव देखता है, उससे अपेक्षाकृत वंचित होने की भावना बढ़ती है। इससे युवाओं में आपराधिक व्यवहार भी बढ़ता है।

कानूनी प्रणाली: जब बड़े अपराधिक मामलों में किसी को सजा नहीं हो पाती और मामलों में देरी होती रहती है तो इससे किशोरों के मन में यह भावना पनपती है कि वे अपराध से बच निकलेंगे और इससे उनका भय कम होता है।

टेलीविजन: टीवी में काफी हिंसा दिखाई जाती है। अध्ययनों से पता चला है कि हिंसा देखने से आक्रामक व्यवहार में बढ़ोत्तरी होती है क्योंकि इससे देखने वाले की हिचक कम होती है। आक्रामक विचारों से दर्शक की हिंसा के प्रति संवेदनशीलता पर असर पड़ता है। टीवी पर हिंसा देखने का मुख्य प्रभाव हिंसा के प्रति हिचक खोना और संवेदनशीलता घटने के तौर पर होता है और वास्तविक अवधारणा तथा सीखी गई अवधारणा में विकार आता है। लिहाजा यह जरूरी है कि बच्चों को हिंसक कार्यम न देखने दिए जाएं और अभिभावक उन पर अपना सख्त नियंत्रण रखें।

नशे का इस्तेमाल

यह देखने में आया है कि किशोरों में शराब और अन्य रसायन लेने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इसका हिंसा और आक्रामकता से सीधा संबंध है। हिंसक व्यवहार को बढ़ावा देने वाले कारक अनेक शोध अध्ययनों से निष्कर्ष निकला है कि जटिल संवादों और विभिन्न कारकों के मिलने से किशोरों और बच्चों में हिंसक व्यवहार का जोखिम पैदा होता है। इन कारकों में शामिल है -

- पिछले आक्रामक या हिंसक व्यवहार
- भौतिक या यौन प्रताड़ना का शिकार होना
- घर या समुदाय में हिंसा का सामना करना

आनुवांशिक कारण

- मीडिया, टीवी फिल्म आदि में हिंसा देखना
- शराब या नशा करना एवं घर में हथियार होना
- तनावपूर्ण पारिवारिक सामाजिक आर्थिक कारण (गरीबी, बेहद वंचित होना, शादी टूटना, तलाकशुदा मां या पिता के साथ जीना, बेरोजगारी, परिवार से समर्थन बंद होना आदि)

हिंसक व्यवहार के सिगनल क्या हैं?

जो बच्चा गंभीर हिंसक प्रवृत्ति का शिकार हो सकते हैं उनमें ये लक्षण देखे जा सकते हैं

- बेहद गुस्सैल
- अक्सर बेकाबू होना और झगड़ने पर आमादा
- बेहद चिड़चिड़ा होना
- अत्यंत आवेश में रहना
- आसानी से कुंठित होना

हिंसक व्यवहार का पैमाना

बच्चों और किशोरों में हिंसक व्यवहार जिन हदों तक जा सकता हैं वे हैं - विस्फोटक मिजाज, भौतिक आक्रामकता, लड़ाई, धमकियां और या दूसरों को चोट पहुंचाना, हथियारों का इस्तेमाल करना, जानवरों के प्रति क्रूरता, आग लगाना, सम्पत्ति को जानबूझ कर नुकसान पहुंचाना और तोड़फोड़ करना।

भरपूर ऊर्जा से जिएं जिंदगी...

छोटी-छोटी बातें आपकी जिंदगी में खुशियां ला सकती हैं आप ऐसी ही बातों का खयाल रखें और सुकूनभरी जिंदगी का स्वागत करें। आप जिंदगी को भरपूर ऊर्जा के साथ जिएं। कुछ चीजें जो आपके नियंत्रण में न हों उन्हें होने दें। उसके लिए व्यर्थ ही परेशान न हों।

जैसे मौसम का प्रभाव, बस का देर से आना, लोगों का व्यवहार और ट्रैफिक की लंबी की कतार। कई लोग ऐसी परिस्थितियों में नियंत्रण खो देते हैं और तनाव में आ जाते हैं। इस तरह से जीने का आखिर मतलब क्या है? अपने जीवन में उर्जा को बनाए रखें और जीवन में आने वाले सकरात्मक बदलावों को महसूस कीजिए।

आशावादी नजरिया अपनाएं

दुनिया के बारे में एक आशावादी नजरिया अपनाए जाने की जरूरत है। अक्सर होता ये है कि हमारा पूरा फोकस समस्याओं पर ही होता है। इस तरह की सोच कभी भी अच्छी नहीं कही जा सकती है।

आप आज से ही पॉजिटिव सोचना शुरू कर दें और देखें कि बाहरी दुनिया कितनी खूबसूरत है। सोचें एक सुबह जो हर रोज नई शुरुआत का मौका देती है, एक दोपहर जो आपको आगे बढने को प्रेरित करती है। एक शाम जो दुनिया की सुंदरता से परिचित करती है। रात जब आती है तो सोचने-विचारने का मौका देती है एक नये दिन की शुरुआत के लिए आराम भी। आपके इस जीवन में सौंदर्य, प्रेम, दया, सबकुछ है. लेकिन नकारात्मक सोच के कारण आप इस ओर नहीं देख पाते हैं। एक बार सकारात्मक नजरिया अपनाकर देखें, आप पाएंगे कि अचानक कुछ अच्छा लगने लगा है। बस जीवन में आने वाली खुशियों का इंतजार करें। आपको अपनी किस्मत अच्छी लगने लगेगी।

गुस्सा करना छोड़ें

एक बार गौतम बुद्ध ने कहा था कि किसी पर गुस्सा करना उस पर गर्म कोयले से प्रहार करने जैसा है जिससे कि तुम भी जलोगे। इसलिए आप दूसरों पर गुस्सा करना करना छोड़ दें। इसका प्रभाव दूसरे से ज्यादा आप पर पड़ेगा। अगर आप दूसरों की गलतियों को माफ करना सीख जाते हैं तो आप पाएंगे की कि दुनिया में बहुत से सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। यह स्थिति यथार्थ से भागने की नहीं बल्कि उसके और ज्यादा करीब जाने की है। अपने जीवन को जंग मत बनाइए। आपकी ही तरह आपके करीबियों को भी आपके प्रेम, और सम्मान की जरूरत है।

जड़ता को छोड़ें

डेविड कैम्पबेल ने एक बार कहा था तुम जो करना चाहते हो, उसको बार-बार याद करना ही अनुशासन है। अपने जीवन में कुछ सपने मूल्य और नजरिया विकसित कर लेना चाहिए। दृढ इच्छा शक्ति के दम पर ही जीवन में खुशियों को पाया जा सकता है। ऐसा तो नहीं कि आप एक अंधी दौड़ में शामिल हो गए हैं जिसका कोई उद्देश्य नहीं। आपको सोचने की फुर्सत ही नहीं बस दौड़े जा रहे हैं। इस जड़ता को छोड़ दीजिए। ठहरकर सोचें और फिर उद्देश्य और सपनों को पूरा करने की दिशा में आगे बढें।

खुद फैसले लेना सीखें

कहीं आप अपने फैसले लेने में हिचकिचाते तो नहीं हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि कोई आपके फैसलों के बारे में क्या सोचता है। आप खुद को दूसरों से बेहतर जानते हैं, इसलिए ये आपको ही डिसाइड करना है कि आपको अपने जीवन और खुशियों को बनाए रखने के लिए क्या करना है। यह जान लें कि आपको समझे और जाने बिना कोई भी व्यक्ति आपको सही तरीके से गाइड नहीं कर सकता है। कोई भी व्यक्ति आपको पूरी तरह से नहीं समझ सकता है। इसलिए आप दूसरों पर निर्भर रहना छोड़ दें। आपको लगेगा आप सही मायने में जीवन जी रहे हैं। ऐसा करने पर आपको महसूस होगा कि आप खुद में संपूर्ण हैं और दुनिया में किसी से भी ज्यादा खूबसूरती से जी रहे हैं।

रेसिपी

नींबू का खट्टा- मीठा अचार

सामग्री

आधा किलो नींबू, आधा किलो शक्कर, 1 से 2 छोटी चम्मच काला नमक, एक छोटी चम्मच बड़ी इलाइची पाउडर, 6 से 8 पिसी काली मिर्च, आधी छोटी चम्मच लाल मिर्च, 4 से 5 चम्मच नमक

विधि

एक-एक नींबू को 4 टुकड़ों में काटकर उसमें नमक डालकर नर्म होने के लिए 25 दिन से 30 दिन के लिए एक जार में रख दें बीच-बीच में नींबू को चलाते और देखते रहें। जब नींबू नर्म हो जाए तो नींबू में शक्कर, काला नमक, काली मिर्च, लाल मिर्च और बड़ी इलाइची का पाउडर मिलाकर 3 से 4 दिन के लिए धूप में रख दें। हर दिन साफ और सूखे चम्मच से अचार को जरूर चलाएं। एक सप्ताह में नींबू का मीठा अचार अच्छे से बन जाएगा। ध्यान रखें अचार को हमेशा साफ और सूखे चम्मच से ही लें।

ब्रेड भटूरे

साम्रगी

मैदा दो कप, सूजी एक स्पून, ब्रेड स्लाइस आठ, नमक स्वादानुसार, दही तीन स्पून, जीरा आधा टी स्पून, तेल अवयस्कता अनुसार

विधि

सबसे पहले आप ब्रेड की स्लाइस के चारों किनारों के ब्राउन कलर के पार्ट को हटा दीजिए और ब्रेड स्लाइस के सफेद भाग को मिक्सी से पीस लीजिए। अब ब्रेड पाउडर को एक बाउल में डाले और उसमे मैदा, जीरा, सूजी, नमक, दही डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए। अब उसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर आटा गूंथ लें और गुंथे हुए आटे को ढ़क्कर थोड़ी देर साइड पर रख दीजिए। अब एक कढ़ाई में तेल डालकर गरम कीजिए। अब आटे से लोई तोड़ कर छोटी-छोटी लोई बनाईए। अब आटे की लोई लेकर रोटी की तरह भटूरा बेल कर गरम तेल में डालें। धीमी आंच पर भटूरे को दोनों तरफ से तलकर प्लेट में निकाल कर अलग रख लीजिए। उसके बाद हरी धनिया, प्याज, अदरक, हरी मिर्च और नींबू के स्लाइस से सजाकर परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)